शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नेहरू के विजन के बिना, बेंगलूरु का विकास वैसा नहीं होता : शिवकुमार. @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 20 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-320

जाते जाते विश्व को अशांति की ओर धकेल गए बाइडेन

बाइडेन के अदूरदर्शी फैसले से एटमी युद्ध के आसार

रायो डि जेनेरियो/मास्को, 19 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जाते जाते यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस के भीतर हमले की मंजूरी दे दी है। इस पर रूस ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मुंहतोड़ जवाब देने की बात कही थी। महज एक महीने के लिए राष्ट्रपति रहने वाले जो बाइडेन ने जाते जाते पूरे विश्व को एटमी युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया। इसके परिणामस्वरूप रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने भी अपने देश में नई परमाणु नीति को मंजूरी दे दी। बाइडेन ने सत्ता से रवाना होने के पहले यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की संभावनाओं पर पानी फेर दिया।

यूक्रेन से लंबी दूरी की परमाणु मिसाइलें दागने की मंजूरी

इसपर रूस के राष्ट्रपति ने नई परमाणु नीति को मंजूरी दी

बाइडेन के फैसले की प्रतिक्रिया में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को एक अहम फैसले के तहत संशोधित परमाणु नीति पर हस्ताक्षर किए। इस नई नीति के तहत अगर कोई देश किसी परमाणु युद्ध संपन्न देश की मदद से रूस पर हमला करता है तो इसे देश पर संयुक्त हमला माना जाएगा

▶10पर

ट्रंप की जीत के चलते बाइडेन को नहीं मिला भाव

रियो डी जेनेरियो, 19 नवंबर (एजेंसियां)। ब्राजील में हुए जी-20 सम्मेलन का समापन हो गया। समापन के दौरान जी-20 देशों के नेताओं की जो ग्रुप तस्वीर सामने आई है, उसकी दुनियाभर में चर्चा हो रही है। इस तस्वीर से दुनिया के सबसे ताकतवर देश माने जाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन गायब हैं। बताया गया कि फोटो सेशन के वक्त जो बाइडेन कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो से बातचीत में लगे थे।

▶10पर

भारत आएंगे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन

मास्को, 19 नवंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही भारत के दौरे पर आने वाले है। क्रेमलिन ने आधिकारिक बयान में कहा कि राष्ट्रपति पुतिन के भारत दौरे की तारीखों का जल्द ही ऐलान किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई में मास्को में पुतिन के साथ हुई बैठक के दौरान उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया था। पुतिन की भारत यात्रा को लेकर मंगलवार को क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भारत और रूस के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि पुतिन की भारत यात्रा प्रस्तावित है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि हम जल्द ही उनकी यात्रा की तारीख तय कर लेंगे। दिमित्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की रूस की दो यात्राओं के बाद अब राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है, इसलिए हम इस यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दिमित्री ने यह भी कहा कि पीएम मोदी के राष्ट्रपति पुतिन के साथ बहुत ही विशेष और व्यावहारिक संबंध हैं और वह यूक्रेनी पक्ष के साथ भी संपर्क में हैं इसलिए रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रसंग में वे पहल करने में सक्षम हैं।

G20 BRASIL 2024 G20 RIO SUMMIT

भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों में बनी महत्वपूर्ण सहमति

भारत के साथ मुक्त व्यापार संधि पर होगी वार्ता

विश्व के कई प्रमुख नेताओं से हुई पीएम मोदी की मुलाकात

लंदन, 19 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि अगले साल भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू की जाएगी। यह घोषणा उन्होंने ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद की। स्टार्मर और मोदी की मुलाकात के बाद ब्रिटेन ने कहा कि ब्रिटेन भारत के साथ एक नई रणनीतिक साझेदारी बनाने का प्रयास करेगा। इसमें व्यापार समझौता, सुरक्षा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है।

स्टार्मर के प्रवक्ता ने कहा, ब्रिटेन भारत के साथ एफटीए पर बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है, जो दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यस्थाओं में से एक है। डाउनिंग स्ट्रीट ने स्टार्मर के हवाले से एक बयान में कहा, भारत के साथ एक नए एफटीए से ब्रिटेन में रोजगार और समृद्धि बढ़ेगी और यह हमारे देश में विकास और अवसर लाने के हमारे मिशन को एक कदम आगे ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुलाकात को अत्यंत उत्पादक बताया और सोशल मीडिया पर लिखा, भारत के लिए ब्रिटेन के साथ व्यापक रणनीतिक

▶10पर

इतालवी प्रधानमंत्री मेलोनी समेत कई हस्तियों से मिले मोदी

रियो डी जेनेरियो (ब्राजील), 19 नवंबर (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील दौरे पर जी-20 सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन से इतर पीएम मोदी ने कई वैश्विक हस्तियों से भी मुलाकात की। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और पीएम मोदी के बीच द्विपक्षीय बातचीत भी हुई। इसमें विदेश मंत्री डॉ जयशंकर भी मौजूद रहे। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा और अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन का शुभारंभ हुआ। मौका था 19वें जी-20 शिखर सम्मेलन का।

▶10पर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का महत्वपूर्ण बयान

बैंकों के लोन पर ब्याज दर ज्यादा, कम करना जरूरी

मुंबई, 19 नवंबर (एजेंसियां)। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बैंकों से लोन लेने की लागत बहुत ज्यादा है। अगर हम चाहते हैं कि उद्योग तेजी से आगे और निर्माण की ओर बढ़े तो बैंक के ब्याज दरों को सस्ता बनाना होगा। बैंकों की ब्याज दरें दबाव वाली हैं। इसे कम करने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने कहा, दरों को कम करने से विकसित भारत की आकांक्षा को पाने में मदद मिल सकती है। भारत को उद्योग को आगे बढ़ने और नई सुविधाओं में निवेश करने की जरूरत है।

निर्मला सीतारमण ने सोमवार को एसबीआई के कार्यक्रम में कहा, जब आप भारत की विकास की जरूरतों को देखते हैं, तो आपके पास कई राय आ सकती हैं और कह सकती हैं कि उधार लेने की लागत बहुत ज्यादा है। जब हम चाहते हैं कि उद्योग तेजी से आगे और निर्माण की ओर बढ़ें तो बैंक ब्याज दरों को सस्ता बनाना होगा। बैंक कर्ज देने के अपने मुख्य कार्य पर ध्यान केंद्रित करें। बीमा उत्पादों की गलत बिक्री भी अप्रत्यक्ष रूप से किसी के लिए उधार लेने की लागत बढ़ाती है। बैंकों द्वारा बीमा वितरण के कारण बीमा की पहुंच गहरी हुई है। इससे उत्पादों की गलत बिक्री के बारे में भी चिंताएं बढ़ गई हैं। ग्राहकों पर बीमा का बोझ नहीं डालना चाहिए। बैंकिंग क्षेत्र में लोगों का भरोसा बढ़ाने की दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है।

ग्राहकों पर बीमा का बोझ डालना कतई उचित नहीं

सीतारमण ने कहा, विकास सरकार की प्राथमिकता है। महंगाई एक जटिल मुद्दा है जो आम आदमी को प्रभावित करती है। सरकार खाद्य तेलों और दालों सहित आपूर्ति पक्ष के उपायों पर काम कर रही है। सरकार के प्रयास मुख्य रूप से अस्थिरता को कम करने के लिए भंडारण सुविधाओं में सुधार पर केंद्रित हैं।

▶10पर

प्रसादम षडयंत्र के कारण लिया गया फैसला

तिरुपति मंदिर में अब केवल हिंदू काम करेंगे

तिरुपति, 19 नवंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में प्रसादम षडयंत्र के उजागर होने के बाद बदले गए तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने हिंदू आस्था और उसकी संवेदनशीलता को देखते हुए निर्णय लिया है कि अब तिरुपति मंदिर में गैर-हिंदू कर्मचारी काम नहीं कर सकेंगे। उन्हें या तो स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति दी जाएगी या फिर उनको आंध्र प्रदेश के किसी दूसरे विभाग में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। यह फैसला हाल के दिनों में तिरुपति प्रसाद में पशु चर्बी की मिलावट वाले विवाद के बाद हुआ है। यह फैसला मंदिर का प्रबंधन करने वाले तिरुपति तिरुमला देवस्थानम (टीटीडी) ने लिया है।

गैर हिंदू कर्मचारियों का होगा तबादला

सोमवार 18 नवंबर को टीटीडी के नए चेयरमैन बीआर नायडू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में गैर हिंदुओं को तिरुपति की सेवा में लगाने के अलावा भी कई फैसले हुए हैं। यह बैठक तिरुपति के अन्नामैया भवन में हुई। बैठक में टीटीडी ने फैसला लिया कि मंदिर में काम करने वाले गैर हिंदू कर्मचारियों को आंध्र प्रदेश सरकार के किसी अन्य विभाग में भेजा जाएगा या फिर उन्हें सेवानिवृत्ति दी जाएगी। टीटीडी प्रवक्ता ने कहा कि टीटीडी आगामी दिनों में गैर-हिंदू कर्मचारियों की संख्या को लेकर रिपोर्ट तैयार करेगा। इसके बाद अनुकूल फैसला लिया जाएगा।

▶10पर

वाट्सएप से जुड़े निजी डाटा के अनुचित इस्तेमाल का मामला

मेटा कंपनी पर लगा 213 करोड़ रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने सोमवार को सोशल मीडिया कंपनी मेटा पर 213.14 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। यह जुर्माना 2021 में वाट्सएप से जुड़े प्राइवेसी मामले के संबंध में अनुचित कॉमर्शियल तरीकों को अपनाने के लिए लगाया गया। सीसीआई ने कहा कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने मेटा पर 213.14 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना गोपनीयता नीति के उल्लंघन मामले में लगाया गया है। नियामक ने इसे रोकने का निर्देश और विशिष्ट व्यवहार संबंधी उपाय भी दिए हैं। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने मेटा को प्रतिस्पर्धा-रोधी व्यवहार को बंद करने और उनसे दूर रहने का निर्देश दिया है। सीसीआई ने प्रभुत्व का दुरुपयोग करने के खिलाफ आदेश पारित करते हुए कहा कि यह जुर्माना इस बात से जुड़ा है कि वाट्सएप की 2021 की निजता नीति को कैसे लागू किया गया है? उपयोगकर्ता डेटा कैसे जमा किया गया? इसे मेटा की अन्य कंपनियों के साथ साझा किया गया है?

उल्लेखनीय है कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग भारत में मुख्य राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा नियामक है। यह कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत एक वैधानिक निकाय है। ये प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने तथा भारत में प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को रोकने के लिए प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 को लागू करने के लिए जिम्मेदार है।

सराफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 77,930/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,890/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 31°

न्यूनतम : 20°

आईसीआरआईईआर की रिपोर्ट से सनसनीखेज खुलासा

हर वर्ष गायब हो रहा 69000 करोड़ का अनाज

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। देश के 81 करोड़ लोगों को दिए जाने वाले अनाज में 69,108 करोड़ रुपए के घपले का अंदेशा है। यह राशि 200 लाख टन चावल और गेहूं के दाम के बराबर है। यह दावा पॉलिसी एडवोकेसी ग्रुप इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशन्स (आईसीआरआईईआर) ने किया है।

इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशन्स की रिपोर्ट के मुताबिक देश से हर साल करीब 69,000 करोड़ रुपए का राशन गायब हो जाता है। यह राशन उन 81 करोड़ जरूरतमंद लोगों के लिए आता है, जो सरकारी पर मदद पर निर्भर रहते हैं। भारत में फ्री राशन योजना शुरू करने का मकसद गरीबों तक राशन पहुंचाना है। इस योजना के तहत सरकार जरूरतमंदो को फ्री राशन देती है। लेकिन सवाल ये उठता है कि क्या ये राशन सच में गरीबों तक पहुंच रहा है या कहीं और इस्तेमाल हो रहा है? इस कालाबाजारी से देश को करीब 69,000 करोड़ का नुकसान हो रहा है। इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकनॉमिक रिलेशंस की रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है।

करोड़ टन अनाज गरीबों को मिलने से पहले ही बिक जाता है

आईसीआरआईईआर की इस रिपोर्ट के मुताबिक देश से हर साल करीब 69,000 करोड़ रुपए का राशन गायब हो जाता है, जिससे देश को बड़ा नुकसान होता है। यह राशन उन 81 करोड़ जरूरतमंद लोगों के लिए आता है, जो सरकारी पर मदद पर निर्भर रहते है। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 2 करोड़ टन चावल और गेहूं जरूरतमंदों तक पहुंचने से पहले ही खुले बाजार में बिक जाता है या कहीं और भेज दिया जाता है।

रिपोर्ट में बताया गया कि राशन चोरी की समस्या अपेक्षाकृत पहले से कम हुई है, लेकिन अब भी यह जारी है। 2011-12 में 46% राशन चोरी होता था, जो अब घटकर 28% पर आ गया है। यह एक चिंता का विषय है, इससे देश की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, डिजिटल सिस्टम की कमी और भ्रष्टाचार चोरी के पीछे की बड़ी वजह है। अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और गुजरात जैसे राज्यों में सबसे ज्यादा गड़बड़ी हो रही है। खासकर उत्तर-पूर्वी राज्यों में जहां डिजिटल ट्रैकिंग की सुविधा नहीं है, वहां चोरी की घटनाएं ज्यादा होती हैं। कुछ राज्य जैसे बिहार, पश्चिम बंगाल ने इस मामले पर ध्यान दिया है। बिहार में राशन चोरी काफी कम हुई है, यह 68.7% से घटाकर 19.2% रह गई है।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

कैंसर जागरूकता प्रोग्राम के तहत वॉकथॉन एवं टॉक शो का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज के अंतर्गत कैंसर जागरूकता प्रोग्राम के तहत वॉकथॉन एवं टॉक शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आगाज वॉकथॉन द्वारा हुआ, जो टी.दासरहल्ली तेरापंथ सभा भवन से सप्तगिरि हॉस्पिटल एंड मेडिकल साइंस तक निकाला गया। वॉकथॉन में बताया कि मुश्किल हैं पर नामुमकिन नहीं। अन्य समाज की महिलाओं ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई। तत्पश्चात सप्तगिरि हॉस्पिटल में टॉक शो रखा गया जिसमें डॉक्टर्स ने पीपीटी के माध्यम से सभी को

जागरूक किया। उन्होंने कहा शुरुआती पहचान अधिक सफल उपचार है।

प्रभावित अंग के आधार पर अलग-अलग कैंसर के अलग-अलग लक्षण होते हैं। कैंसर की स्क्रीनिंग कराएं, टीका लगवाएं, तंबाकू के सेवन से बचें, शारीरिक रूप से सक्रिय रहें, संतुलित, स्वस्थ और आहार का पालन करें। अज्ञानता, डर और सामाजिक कलंक के कारण कई महिलाएं चौथे या पांचवें स्टेज तक के कैंसर से पीड़ित हो जाती हैं, जिसके लिए सर्जरी और व्यापक उपचार की आवश्यकता होती है। इसलिए कैंसर से दो कदम आगे रहने की जरूरत है। सीईओ डॉ. रमेश राजू, डॉ. नटराज का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया एवं जागरूकता अभियान की जानकारी प्रदान की। साथ ही अभातेममं की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा, उनकी पूरी टीम एवं कैंसर की संयोजिका अनीता बरडीया का आभार व्यक्त किया। मंत्री नम्रता पितलिया ने कुशल संचालन किया एवं जनता की जिज्ञासा को हल करने में सहयोग दिया। संस्थापक अध्यक्ष गीता बाबेल, सह मंत्री वनिता मांडोत, संगठन मंत्री सरोज मारू, बबीता गांधी, किरण मेहर, मंजू पोरवार और पुष्पा भटेवरा का विशेष सहयोग रहा। कैंसर मरीजों में फल का वितरण किया गया।

श्री महाश्रमण जी के दर्शन वंदन का लाभ

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
मलनाड क्षेत्रीय तेरापंथ समिति के तत्वावधान में 80 सदस्यों का संघ आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन वंदन का लाभ लेकर मंगलवार को सूरत से हासन पहुंचा। अध्यक्ष महावीर भंसाली ने आचार्य श्री महाश्रमण जी को मलनाड में हो रहे धर्मकार्यों के बारे में बताया। तत्पश्चात आचार्य श्री से मंगल पाठ ग्रहण किया। साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा जी, मुख्य मुनि श्री महावीर कुमार जी एवं सभी साधु साध्वियों के दर्शन किए। 11 दिनों की यह यात्रा गुरु सेवा एवं तीर्थ स्थलों के दर्शन हेतु रही। यात्रा में यात्रा के संयोजक माणिकचंद गादिया, उपाध्यक्ष चन्दमल भटेवरा, गौतम गादिया, संगठन मंत्री पुष्पराज गादिया और अन्य यात्री उपस्थित रहे।

कांग्रेस शासन में बढ़ी है नक्सली गतिविधि: विधायक सुनील कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा विधायक सुनील कुमार ने कहा कि जब भी राज्य में कांग्रेस की सरकार आती है, नक्सली गतिविधियां होती हैं। इसका कारण सरकार का रवैया है। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने पुलिस की कार्रवाई का स्वागत किया। कई वर्षों तक नक्सली गतिविधियां शांत रहीं। लेकिन पिछले डेढ़ साल से नक्सली गतिविधियां फिर से शुरू हो गई हैं। शहरी नक्सली भी हैं। ऐसे लोग हैं जो जंगल में बैठकर बंदूकों से काम चलाते हैं। हमने अपनी सरकार के दौरान नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाया था। ये सभी विदेशी राज्यों में छुपे

हुए थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में नक्सलियों ने फिर से अपनी हरकतें शुरू की है। सरकार को शहरी नक्सलियों की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय, साहित्यकार, बुद्धिजीवी होने का दावा करने वाले लोग इन नक्सली गतिविधियों का समर्थन करते हैं। नक्सलियों पर लगाम लगानी चाहिए। सरकार को माफी के मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए। ऐसे लोग हैं जो शहर वापस आते हैं और नक्सली गतिविधियां जारी रखते हैं। इसकी निगरानी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नक्सल विरोधी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए। विजयपुर कांग्रेस विधायक के बयान के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा मुझे लगा कि केवल हमारे विधायकों को अनुदान नहीं दिया जाता है। लेकिन यह सरकार राज्य के 224 विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए एक रुपया भी नहीं दे रही है। उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर करने के लिए सरकार की आलोचना की।

नक्सलियों के लिए हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का अवसर: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि नक्सली नेता विक्रम गौड़ा के साथ आए तीन अन्य लोग भाग गए हैं, जिन्हें 18 नवंबर की रात को उडुपी जिले में कर्नाटक पुलिस ने मार गिराया था और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। गौड़ा को सोमवार रात चिक्कमंगलूरु-उडुपी सीमा पर नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) द्वारा मुठभेड़ में मार गिराया गया था। कर्नाटक के गृह मंत्री ने कहा कि गौड़ा ने पुलिस पर हमला करना शुरू कर दिया, जिसके कारण पुलिस ने उसे मार

गिराया। उन्होंने कहा नक्सली विक्रम गौड़ा 20 साल से फरार था। पिछले सप्ताह राजू और लता नाम के दो नक्सली देखे गये थे। इसी पृष्ठभूमि में पहाड़ी इलाके में कांबिंग चल रही थी। कुछ सूचनाओं के आधार पर पुलिस उसकी तलाश में निकली। पुलिस को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। बदले में एनकाउंटर होना तय था। कहा जाता है कि इस ऑपरेशन में विक्रम गौड़ा की मौत हो गई और उनके साथ मौजूद 2-3 लोग भाग निकले। उन्होंने कहा कि फिलहाल इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार उन लोगों को हर तरह की सहायता देने के लिए तैयार है जो हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं और सामान्य जीवन जीना चाहते हैं। पिछले 20 वर्षों से नक्सली के रूप में पहचाने जाने वाले विक्रंगौड़ा छुपे हुए थे। पुलिस की लाख कोशिशों के बाद भी पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी और न ही उसका एनकाउंटर कर सकी। इससे पहले कई नक्सलियों ने हथियार डालकर आत्मसमर्पण कर दिया था। उन्हें बाद में समाज की मुख्यधारा में शामिल किया गया। पावागढ़ा समेत कई हिस्सों में नक्सलियों ने इसी तरह सरेंडर किया। वह योजना अभी भी चल रही है। उन्होंने कहा कि जो नक्सली हथियार डालकर आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, सरकार उनका पुनर्वास करेगी।

नई परियोजनाओं को लागू करके सत्ता में वापस लाने के लिए पार्टी के पास आवश्यक रणनीति और मंत्र: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य में और अधिक नई परियोजनाओं को लागू करके कांग्रेस पार्टी को सत्ता में वापस लाने के लिए पार्टी के पास आवश्यक रणनीति और मंत्र हैं। शहर के केपीसीसी कार्यालय में पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के जयंती समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा सभी कार्यकर्ताओं को आशावान रहना चाहिए। आइए पार्टी को बचाएं और बढ़ाएं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को और नई परियोजनाओं के जरिए सत्ता में वापस लाने के लिए मंत्र, रणनीति, शक्ति और नेतृत्व है। कांग्रेस पार्टी और नेहरू परिवार का अटूट रिश्ता है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी द्वारा देश के विकास के लिए बनाये गये कार्यक्रम सदैव सुसंगत एवं सराहनीय रहे। इंदिरा गांधी फौलादी महिला थी। उनके साहसिक संघर्ष और कार्यक्रमों को दुनिया ने मान्यता दी। गांधी परिवार ने देश की अखंडता के लिए कई बलिदान दिये। हाल ही में, राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के साथ उस विरासत को जारी रखा है। चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में आये, कांग्रेस के कार्यक्रमों में उसे बदलने की ताकत और साहस नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने वृद्धावस्था पेंशन सहित विभिन्न कार्यक्रम लागू किये हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली, मंत्री केएच मुनियप्पा, नेता बीके हरिप्रसाद, सलीम अहमद, रानी सतीश और अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को पुरस्कार दिये गये।

चित्रदुर्ग में छह बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए, फर्जी दस्तावेज बरामद

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो।
चित्रदुर्ग जिले में अवैध रूप से भारत में रह रहे छह बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से पासपोर्ट और आधार कार्ड समेत फर्जी दस्तावेज जब्त किए गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान शेख सैफुर रोहमन, मोहम्मद सुमन हुसैन, मजहरुल, सोनावर हुसैन, मोहम्मद साकिब सिकंदर और अजीजुल शेख के रूप में हुई है।

आरोपियों को 18 नवंबर की रात को संदिग्ध रूप से घूमते हुए गिरफ्तार किया गया। पुलिस होलालकेरे रोड पर अरविंद गारमेंट्स और व्हाइट वाशैन गारमेंट्स के पास रात्रि गश्त कर रही थी। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की और उनके पास मौजूद दस्तावेज जब्त कर लिए। सत्यापन के बाद पुलिस को पता चला कि सभी आरोपी बांग्लादेश के हैं।

वे कई साल पहले अवैध रूप से भारत में घुस आए थे और यहीं स्थायी रूप से बस गए थे। वे पहले पश्चिम बंगाल में घुसे और कोलकाता पहुंचे, जहां उन्होंने फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज हासिल किए। इसके बाद वे अलग-अलग राज्यों में काम कर रहे थे। वे काम की तलाश में चित्रदुर्ग शहर आये थे। पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, श्रमिक कार्ड, बैंक पासबुक और पैन कार्ड जब्त किए हैं। आरोपियों के पास से एक पासपोर्ट भी जब्त किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। कर्नाटक पुलिस ने 30 सितंबर को जिगनी पुलिस स्टेशन की सीमा में बेंगलूरु के बाहरी इलाके से एक पाकिस्तानी नागरिक और तीन अन्य विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। पाकिस्तानी नागरिक अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ एक अपार्टमेंट में अवैध रूप से रह रहा था। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से मिली सूचना के बाद पुलिस ने छापेमारी की थी। स्थानीय पुलिस ने उसके आवास पर छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया था। पाकिस्तानी नागरिक नई दिल्ली में बस गया और उसने आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस हासिल कर लिया। वह 2016 में अपने परिवार के साथ बेंगलूरु आया था और तब से चुपचाप रह रहा था।

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु रोड़ स्थित श्री गल्ली आंजनैय्या स्वामि ऑटो चालक संघ द्वारा मैसूरु रोड में कर्नाटका राज्योत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अन्नदान कार्य में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

बालदिवस पर गोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाषा साहित्य मंच की नवम्बर माह की गोष्ठी का बालदिवस पर गूगल मीट से ऑनलाइन आयोजन सम्पन्न हुआ। भाषा साहित्य मंच बेंगलूरु द्वारा ऑनलाइन गोष्ठी के माध्यम से बालदिवस पर विशेष आयोजित कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन वत्सला किरण द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का खूबसूरत आगाज डॉ. शैलजा रोला ने अति सुमधुर कंठ से मां शारदे वंदन से किया। भाषा साहित्य मंच की संस्थापिका डॉ. उषा श्रीवास्तव ने दो शब्द मंच व्यवस्था पर बोले। आयोजन का संचालन शिल्पी भटनागर ने किया। सभी प्रतिभागी सखियों की लाजवाब सुंदर प्रस्तुतियों ने बचपन की यादें ताजा कर दी। जिसमें त्रिशला मिश्रा, मंजु तँवर, सुषमा कुलश्रेष्ठ, डॉ. सुमन मेहरोत्रा, सरिता श्रीवास्तव, भगवती सक्सेना, ममता राठौर, डॉ. सीमा भांति, सुदेश वत्स, रीना दयाल आदि ने बचपन की मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक रचनाओं से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम अध्यक्षा डॉ. सुमन मेहरोत्रा ने सारगर्भित उद्बोधन दिया। सरिता श्रीवास्त के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सुंदर आयोजन सम्पन्न हुआ।

14 लाख गरीबों का बीपीएल कार्ड छीनना जघन्य अपराध: सीटी रवि

मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी की निंदा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद के सदस्य और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने गरीबों से 14 लाख बीपीएल कार्ड छीनने का जघन्य अपराध किया है। उन्होंने आपत्ति जताई कि जाति और समुदाय के आधार पर बीपीएल कार्ड रद्द करने की शिकायतें हैं कि क्या उन्होंने हमें वोट दिया है। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने आलोचना की कि यह गरीबों का भोजन छीनने का घोर अन्याय है। मैंने सोशल मीडिया

पर देखा है कि जाति के कारण कार्ड रद्द कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी सरकार है जो गरीबों का चावल तक चुरा लेती है। एआईसीसी अध्यक्ष खड़गे ने सोमवार को आरएसएस और भाजपा की तुलना जहरीले सांपों से की। ऐसे में उन्हें अनुभव और परिपक्वता प्राप्त करने की जरूरत है। उनकी वरिष्ठता के लिए यह उचित शब्द नहीं है। उसकी बातें पागल कुत्ते द्वारा काटे गये आदमी की तरह थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह बात मल्लिकार्जुन खड़गे ने कही थी या फिर खड़गे के जरिए कांग्रेस के राहुल गांधी और सोनिया गांधी ने कही थी। उन्होंने ऐसे शब्दों पर खेद व्यक्त किया और मांग की कि वे माफी मांगें। प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान दिवस मनाने के लिए कदम उठाया है। हम लोगों को बताएंगे कि डॉ. अंबेडकर की मृत्यु के बाद भी कांग्रेस सरकार ने उन्हें अपमानित किया, चुनाव में खड़े होने पर उन्हें हरा दिया और कांग्रेस पार्टी ने भारत रत्न के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया। उन्होंने बताया कि संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए अभियान उठाया गया है और इन सभी तथ्यों को लोगों के सामने लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम आपातकाल के जरिए कांग्रेस के अन्याय को बताने जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी को संविधान से कोई वास्तविक प्रेम नहीं है। जब वे प्रशासन में थे, तब भी उन्होंने संविधान और अम्बेडकर का सम्मान नहीं किया। नक्सलवाद का अर्थ हिंसा भड़काना है और यह अलोकतांत्रिक है। केवल लोकतंत्र-विरोधी और संविधान-विरोधी लोग ही नक्सलियों से सहानुभूति रख सकते हैं। नक्सली तो नक्सली हैं। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि उनके प्रति कोई सहानुभूति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा नक्सली केवल वामपंथी आतंकवादी हैं। राज्य में विकास पूरी तरह से ठप हो गया है। अगर मुख्यमंत्री विकास के लिए अनुदान मांगेंगे तो पैसा कहां से लायेंगे? वो कहते हैं थोड़ा इंतजार करो। तो यह कोई नई बात नहीं है। उन्होंने शिकायत की कि बीपीएल कार्ड रद्द कर गरीबों का निवाला छीनने जा रहे हैं।

नेहरू के विजन के बिना, बेंगलूरु का विकास वैसा नहीं होता : शिवकुमार

बेंगलूरु टेक समिट 2024 का उद्घाटना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस प्रमुख डी.के. शिवकुमार ने कहा कि अगर भारत के पहले प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू ने बेंगलूरु में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों की एक श्रृंखला स्थापित करने की दूरदर्शिता नहीं दिखाई होती, तो राज्य की राजधानी शायद इतना विकसित नहीं हो पाती।

यहां मंगलवार को बेंगलूरु टेक समिट 2024 में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा अगर उन सभी दूरदर्शी शिक्षाविदों ने बेंगलूरु में इतने सारे इंजीनियरिंग कॉलेज और प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित नहीं किए होते, तो शायद बेंगलूरु आज बेंगलूरु नहीं होता। अगर दुनिया के अजीम प्रेमजी और नारायणमूर्ति बाहर नहीं निकलते, तो शायद बेंगलूरु आज बेंगलूरु नहीं होता। अगर हजारों लोगों ने अपने स्टार्टअप के लिए बेंगलूरु को नहीं चुना होता, तो शायद बेंगलूरु आज बेंगलूरु नहीं होता।

लेकिन बेंगलूरु तेजी से बढ़ रहा है। इस तरह के विकास के साथ कई समस्याएँ भी आती हैं। हमें उन्हें ठीक करने की जरूरत है, इससे पहले कि वे अपने चरम पर पहुँच जाएँ। मैं आपको गारंटी देता हूँ कि मैं बेंगलूरु को ठीक करने में कोई कसर नहीं छोड़ूँगा। थोड़े समय में, हमने बेंगलूरु में जीवन को आसान बनाने और व्यापार को आसान बनाने के लिए कई मेगा प्रोजेक्ट लॉन्च किए हैं। जिसमें सुरंग परियोजना और बेंगलूरु बिजनेस कॉरिडोर (जिसे पहले पीआरआर के नाम से जाना जाता था) शामिल है। पीआरआर प्रोजेक्ट एक दशक से ज्यादा समय से धूल खा रहा था। हमने इस प्रोजेक्ट को शुरू कर दिया है और छह महीने में काम शुरू हो जाएगा। यह प्रोजेक्ट शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या को काफी हद तक हल करेगा। यह आउटर रिंग रोड पर भी व्यापार को काफी मदद करेगा। हमें सुरंग प्रोजेक्ट के लिए कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। यह शहर के मुख्य हिस्से में ट्रैफिक के प्रवाह को भी काफी हद तक बेहतर बनाएगा। इससे पहले अपने उद्घाटन भाषण में, सीएम सिद्धरामैया ने कहा मैं कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूँ, एक ऐसा राज्य जो भारत के तकनीकी परिवर्तन का नेतृत्व कर रहा है। कर्नाटक ने भारत की पहली समर्पित वैश्विक क्षमता केंद्र (जी-सीसी) नीति शुरू की है, जिसका उद्देश्य इन केंद्रों को सशक्त बनाना और उनका समर्थन करना है। नीति घोषणा को आगे बढ़ाते हुए, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हम बेंगलूरु, मैसूरु और बेलगावी में तीन समर्पित वैश्विक नवाचार जिले स्थापित करेंगे। ये जीसीसी के लिए समर्पित पार्क होंगे, ताकि वे राज्य में अपना कारोबार स्थापित कर सकें। उन्होंने घोषणा की कि बेंगलूरु ग्लोबल इनोवेशन डिस्ट्रिक्ट नॉलेज, वेलबीइंग और इनोवेशन सिटी (केडब्ल्यूआईएन सिटी) का हिस्सा होगा, जो केम्पे गौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सिर्फ 45 मिनट की दूरी पर स्थित है, जो नवाचार और अनुसंधान के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में काम करेगा। सीएम ने कहा कर्नाटक के स्टार्टअप इकोसिस्टम में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, 2022 से 2023 तक 18.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, कुल 3,036 स्टार्टअप हैं और हमारा राज्य भारत के कुल स्टार्टअप में 8.7 प्रतिशत के साथ अग्रणी बना है। यह सफलता उद्यमियों के लिए हमारे मजबूत समर्थन और जीवंत अवसरों को दर्शाती है।

एक लाख व्यक्तियों को कौशल

उन्होंने रेखांकित किया कि माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल, एक्सेंचर, आईबीएम और बीएफएसआई कंसोर्टियम के साथ अभी-अभी हस्ताक्षरित पांच समझौता ज्ञापन कर्नाटक राज्य में एक लाख व्यक्तियों को कौशल प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा हम बियॉन्ड बेंगलूरु जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से तकनीकी क्षेत्र से परे विकास के लाभों को बढ़ाने में विश्वास करते हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी लाते हैं, कृषि उत्पादकता बढ़ाते हैं और छात्रों के लिए ई-शिक्षा में सुधार करते हैं और सभी नागरिक सेवाओं की डिलीवरी पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा सच्ची सफलता समावेशी विकास में निहित है, यह सुनिश्चित करना कि बेंगलूरु और कर्नाटक दोनों में सभी नागरिक इस परिवर्तन से लाभान्वित हों, मुझे कोचनहल्ली में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में कर्नाटक की भूमिका को मजबूत करेगा, रोजगार पैदा करेगा और शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में आर्थिक विकास को गति देगा।

राज्य सरकार महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ कार्रवाई करने पर कर रही विचार: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रही है, क्योंकि विधानसभा चुनाव वाले राज्य ने कर्नाटक सरकार की गारंटी योजनाओं के बारे में कथित तौर पर झूठे विज्ञापन प्रकाशित किए थे। परमेश्वर ने कहा कि वे महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा सत्यापन चल रहा है।

उन्होंने हमारी गारंटी के कार्यान्वयन के बारे में बात की। हम देख रहे हैं कि उनके खिलाफ किस तरह की कार्रवाई की जा सकती है। इससे पहले कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया ने सोमवार को कहा कि सरकार राज्य के खिलाफ पीएम मोदी की लूट वाली टिप्पणी के खिलाफ मुकदमा दायर करने की योजना बनाई जा रही है। बेंगलूरु में कनकदास जयंती समारोह में भाग लेने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा पीएम मोदी झूठ बोल रहे हैं। यह वोट पाने के लिए लोगों को गुमराह करने के लिए है। हम कानूनी पहलुओं की जांच करेंगे। हम इसके खिलाफ मुकदमा दायर करने की योजना बना रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में महाराष्ट्र में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस कर्नाटक में लोगों को लूट रही है और कथित तौर पर पैसे का इस्तेमाल महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के लिए किया जा रहा है। कर्नाटक में कांग्रेस ने झूठ बोला और लोगों से वोट देने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार बनाई और अपने वादे पूरे नहीं कर पाए। इसके बजाय, वे कर्नाटक में जबरन वसूली अभियान चला रहे हैं। कर्नाटक में हर दूसरे दिन घोटाले उजागर हो रहे हैं। इसका मतलब है कि कांग्रेस दिनदहाड़े लोगों को लूट रही है। उन्होंने कहा कांग्रेस कथित तौर पर महाराष्ट्र में चुनाव लड़ने के लिए उसी पैसे का इस्तेमाल कर रही है। अगर हमें महाराष्ट्र को बचाना है, तो हमें कांग्रेस को दूर रखना होगा। इससे पहले, सीएम सिद्धरामैया ने घोषणा की थी कि उनकी सरकार चुनावी राज्य महाराष्ट्र में झूठे विज्ञापन जारी करने के लिए भाजपा के खिलाफ मामला दर्ज करेगी कि प्रमुख गारंटी योजनाओं को कर्नाटक में लागू नहीं किया गया।

रेणुकास्वामी हत्याकांड मामला

दर्शन के अंतरिम जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी पुलिस: बी. दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेणुकास्वामी हत्याकांड के मुख्य आरोपी कन्नड़ अभिनेता दर्शन को दी गई अंतरिम जमानत को चुनौती देने के लिए जल्द सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की जाएगी।

बेंगलूरु पुलिस कमिश्नर बी. दयानंद ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। चार महीने से अधिक समय तक जेल में रहने के बाद 47 वर्षीय अभिनेता 30 अक्टूबर को बल्लारी जेल से बाहर आए थे। इसके कुछ ही घंटों बाद कर्नाटक हाई कोर्ट ने उन्हें रीढ़ की हड्डी की सर्जरी कराने के लिए मेडिकल आधार पर छह हफ्तों की राहत दी थी। पत्रकारों से बात करते हुए बी. दयानंद ने कहा प्रक्रिया जारी है और हम जल्द से जल्द सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करेंगे। बता दें कि अभिनेता दर्शन को 11 जून को गिरफ्तार किया

गया था। इस मामले में उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य लोग सह-आरोपी है। पवित्रा बेंगलूरु जेल में बंद है और अन्य आरोपियों को अलग-अलग जेलों में रखा गया है। इस मामले में दर्शन क्लब का हिस्सा राघवेंद्र भी आरोपी है। उसी ने रेणुकास्वामी को यह कहकर दर्शन के पास लेकर आया था कि कन्नड अभिनेता उससे मिलना चाहते थे। इस दौरान उसे (रेणुकास्वामी) प्रताड़ित किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। 33 वर्षीय रेणुकास्वामी अभिनेता दर्शन का बहुत बड़ा फैन था। वह दर्शन की दोस्त पवित्रा गौड़ा को अश्लील मैसेज भेज रहा था। इसे देखकर दर्शन को गुस्सा आया, जो उसकी हत्या का कारण बना। रेणुकास्वामी का शव सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के पास एक नाले में पाया गया था। दरअसल, आठ जून को फैन क्लब का हिस्सा रहे आरोपियों में से एक राघवेंद्र ने रेणुकास्वामी को यह कहकर वहां बुलाया कि अभिनेता उससे मिलना चाहते हैं और वहां आने पर उसकी हत्या कर दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्ग के मूल निवासी रेणुकास्वामी की मौत गंभीर चोट लगने और खून बहने की वजह से हुई है।

कोर्ट ने सड़क दुर्घटना में मारे गए छात्र के परिवार को मुआवजा बढ़ाने का दिया आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 2019 में दुर्घटना में मरने वाले डिप्लोमा छात्र के परिवार को 21,28,800 रुपये का बढ़ा हुआ मुआवजा देने का आदेश दिया है, जो न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए 1,53,000 रुपये के मुआवजे की राशि से काफी अधिक है। न्यायमूर्ति केएस मुदगल और न्यायमूर्ति विजयकुमार ए पाटिल की खंडपीठ ने बीमा कंपनी को संशोधित मुआवजा देने का निर्देश दिया। साथ ही इसे वाहन के मालिक से वसूलने का अधिकार दिया। दुर्घटना 23 अप्रैल, 2019 को हुई थी, जब 19 वर्षीय एमएस श्रीहरि बेंगलूरु के पास हेज्जला-केम्पाद्यापनहल्ली रोड पर अरविंद नामक व्यक्ति के साथ पीछे बैठा था। रामनगर जिले के बिदादी होबली में मल्लाथाहल्ली

गांव पहुंचने पर, तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण सवार ने नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन मिट्टी की दीवार से टकरा गया। श्रीहरि और अरविंद दोनों को घातक चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। श्रीहरि के माता-पिता और बहन ने 30 लाख रुपये के मुआवजे की मांग करते हुए बेंगलूरु में दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के पीईएस कॉलेज में डिप्लोमा करने के अलावा श्रीहरि दूध बेचने के व्यवसाय से भी जुड़ा था, जिससे हर महीने 20,000 रुपये की कमाई होती थी। 1 अप्रैल, 2022 को न्यायाधिकरण ने मोटरसाइकिल सवार के पास ड्राइविंग लाइसेंस न होने का हवाला देते हुए 9 प्रतिशत ब्याज के साथ 1.53 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया और वाहन के मालिक सूरज कुमार को यह राशि चुकाने का निर्देश दिया।

इस फैसले से नाखुश श्रीहरि के परिवार ने अपील की और तर्क दिया कि न्यायाधिकरण को बीमा कंपनी को मुआवजा देने और बाद में वाहन मालिक से इसे वसूलने का निर्देश देना चाहिए था, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया है। बीमाकर्ता ने तर्क दिया कि वैध लाइसेंस का न होना पॉलिसी की शर्तों का उल्लंघन है और दावेदारों ने मृतक पर अपनी निर्भरता का प्रदर्शन नहीं किया है। हालांकि, खंडपीठ ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस न होने के बावजूद, न्यायाधिकरण को सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थापित भुगतान करो और वसूलो सिद्धांत को लागू करना चाहिए था। न्यायालय ने कहा कि 1.53 लाख रुपए की दी गई राशि अपर्याप्त है, तथापि 20,000 रुपए मासिक आय का कोई निर्णायक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया, लेकिन श्रीहरि की आयु तथा दावेदारों से संबंध सिद्ध हो चुके हैं।

पीठ ने कहा मृतक की वास्तविक आय के प्रमाण के अभाव में, प्रासंगिक अवधि में प्रचलित मजदूरी दरों तथा जीवन-यापन की लागत पर विचार करते हुए, यह न्यायालय मृतक की आय का अनुमान 14,000 रुपए प्रति माह लगाता है तथा भविष्य की संभावनाओं के नुकसान के मद में 40 प्रतिशत जोड़ता है। पीठ ने बीमा कंपनी को याचिका की तिथि से जमा होने तक 6 प्रतिशत ब्याज के साथ 21,28,800 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया।

मोस्ट वांटेड नक्सली नेता विक्रम गौड़ा का एनकाउंटर

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु पुलिस द्वारा वांछित मोस्ट वांटेड नक्सली नेता विक्रम गौड़ा एक मुठभेड़ में मारा गया। उडुपी के हेबरी पुलिस स्टेशन के काबिनले वन क्षेत्र में नक्सल विरोधी बल के अभियान के दौरान विक्रम गौड़ा की मौत हो गई, और गोलीबारी में तीन और नक्सली घायल हो गए और जंगल में उनके लिए तलाशी अभियान जारी है। विक्रम गौड़ा, जो कर्नाटक में मोस्ट वांटेड नक्सली था, उडुपी हेबरी तालुक के कुडलू नदवालु गांव से था, जबकि तमिलनाडु के कुप्पुस्वामी ने दक्षिण भारत में नक्सली संगठन का नेतृत्व संभाला, विक्रम गौड़ा को राज्य में जिम्मेदारी मिली।

20 से अधिक मामलों में वांछित विक्रम गौड़ा पिछले 20 वर्षों से नक्सली गतिविधियों में शामिल था। ट्रेड यूनियन में पहचान होने के बाद विक्रम गौड़ा तीन बार कर्नाटक पुलिस की पकड़ से बच चुका था। विक्रम गौड़ा नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने की सरकार की योजना का विरोधी था। इसके अलावा इस प्रोजेक्ट में मुख्य भूमिका निभाने को लेकर गौरी लंकेश के खिलाफ चिक्कमगलूरु जिले में पोस्टर भी बांटे गए थे। ऑपरेशन सोमवार शाम को हुआ और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया।

उल्लेखनीय है कि पिछले एक साल से वायनाड में उसके देखे जाने की कोई सूचना नहीं मिली थी। 2016 से अब तक केरल पुलिस ने मुठभेड़ों में चार माओवादियों की मौत दर्ज की है, साथ ही तीन नेताओं की गिरफ्तारी भी दर्ज की है। मारे गए लोगों में सीपीआई (माओवादी) केंद्रीय समिति के सदस्य कोप्पम देवराजन और अजीत, जिसे कावेरी के नाम से भी जाना जाता है, 2016 में मलप्पुरम जिले के पडुक्का जंगल में थंडरबोल्ट

कमांडो के साथ मुठभेड़ के दौरान मारा गया था। 2019 में संदिग्ध माओवादी सीपी जलील वायनाड में मारा गया था, और एक साल बाद, तमिलनाडु के 32 वर्षीय वेलमुरुगन की वायनाड में बानसुरा पहाड़ियों पर मुठभेड़ में मौत हो गई। हाल ही में, माओवादी प्रचार पोस्टरों से संकेत मिलता है कि 13 नवंबर, 2023 को कन्नूर जिले के उरुप्पुकुट्टी में एक मुठभेड़ में एक महिला कैडर कविता उर्फ लक्ष्मी की मौत हो गई। मई 2015 में कोयंबत्तूर के पास पश्चिमी घाट विशेष क्षेत्रीय समिति के नेता रूपेश की उनकी पत्नी शायना और तीन अन्य कैडरों के साथ गिरफ्तारी ने त्रिकोणीय क्षेत्र में माओवादियों के लिए एक बड़ा झटका दिया।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पुलिस की खुफिया जानकारी ने इस ऑपरेशन का समर्थन किया। इसके अलावा, केरल पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने हाल ही में कई गिरफ्तारियां की हैं, जिनमें त्रिशूर का मनोज भी शामिल है, जो कथित तौर पर वायनाड में सक्रिय एक प्रतिबंधित माओवादी संगठन से जुड़ा हुआ है, और कलपेट्टा का सोमन, जो एक स्थानीय दलम का नेता है, को शोरानूर रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। इसके अलावा, पुलिस सूत्रों का कहना है कि दिवंगत सी.पी. जलील के भाई सी.पी. मोइद्दीन को अलप्पुझा में गिरफ्तार किया गया, जिससे क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों में और बाधा उत्पन्न हुई। केरल के वायनाड में संदिग्ध माओवादियों ने लोकसभा चुनावों के बहिष्कार का आह्वान किया। वायनाड में माओवादियों को आखिरी बार 24 अप्रैल, 2024 को कम्बामाला में देखा गया था, जहां मोइद्दीन ने कथित तौर पर चार सदस्यीय समूह का नेतृत्व किया था, जिसने चाय बागानों के श्रमिकों से लोकसभा चुनावों का बहिष्कार करने का आग्रह किया था। कुछ श्रमिकों ने क्षेत्र में माओवादियों के बार-बार दिखने पर अपनी चिंता व्यक्त की है, जो स्थानीय समुदाय के भीतर बढ़ते तनाव को दर्शाता है। लेकिन उनकी गतिविधियाँ स्पष्ट रूप से कम हो रही हैं।

शीतकालीन सत्र 9 दिसंबर से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक विधानसभा का शीतकालीन सत्र 9 दिसंबर से शुरू होगा। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा जारी आधिकारिक समन अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। अधिसूचना में कहा गया है कि राज्यपाल ने कर्नाटक विधानसभा और कर्नाटक विधान परिषद को 9 दिसंबर को सुबह 11 बजे सुवर्ण विधान सौधा बेलगावी में बैठक के लिए बुलाया है।

संविधान सम्मान अभियान का राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित

60 साल के कांग्रेस शासन के दौरान दलितों को वह न्याय नहीं मिला जिसके वे हकदार थे: गोविंद करजोल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंद करजोल ने कहा कि हम सभी को यह समझना होगा कि 60 साल के कांग्रेस शासन के दौरान दलितों को वह न्याय नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। वह मंगलवार को मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में संविधान सम्मान अभियान पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कुल 106 में से 75 बार संविधान में संशोधन कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान किया गया। उन्होंने बताया कि गैर-कांग्रेसी सरकारों ने संविधान में 31 बार संशोधन किया था।

पिछले लोकसभा चुनाव, 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने प्रमुखता से यह बात कही थी कि भाजपा संविधान बदल देगी।

यह दुष्प्रचार कि भाजपा संविधान विरोधी है, बहुत किया गया। केवल एससी, एसटी ही नहीं, कई ओबीसी भी इस पर विश्वास करते गए। यहां तक कि मेरे युवा और पढ़े-लिखे लोग भी मुझसे पूछते थे कि क्या आपकी पार्टी संविधान बदलेगी। हमने कितनी भी कोशिश की, यह बात उसके दिमाग में नहीं आई। हममें से किसी ने भी कांग्रेस के प्रचार को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने विश्लेषण किया कि यह भी 40 प्रतिशत बदनामी की तरह हुआ। कांग्रेस के कई नेता बदनामी में लगे हुए हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि उनकी कही कई बातों पर दलित आज भी विश्वास करते हैं क्योंकि हमने उस बदनामी का समुचित जवाब नहीं दिया। 2018 का चुनाव हमें किसी कार्यक्रम में किसी के यह कहने के कारण हारना पड़ा कि भाजपा संविधान बदल देगी।

उन्होंने कहा हमें यह समझना चाहिए था। यह केवल एससी और एसटी की जिम्मेदारी नहीं है। हमारी पार्टी को इससे प्रभावी ढंग से निपटना होगा। जब एससी, एसटी की बात आती है तो केवल एससी, एसटी को ही जवाब नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने अनुरोध किया कि अगर हम कहें कि हम इसमें कहीं पीछे रह गए हैं तो इसे गलत न समझें। संविधान को देश को समर्पित करने वाले डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के विचारों को 75 साल बाद भी साकार नहीं किया जा सका है।

उन्होंने कहा कि आरक्षण का उद्देश्य पूरी तरह पूरा नहीं हुआ। इस मौके पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, भाजपा के राज्य महासचिव और विधायक वी. सुनील कुमार, विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार, सी.टी. रवि, राज्य के प्रधान सचिव पी. राजीव, प्रदेश उपाध्यक्ष एन. महेश, मालविका अविनाश, एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक सीमेंट मंजूनाथ और पार्टी नेता उपस्थित थे।

जब तक विधाता का साथ है तब तक अकेले नहीं: प्रेम रावत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जब आपके जीवन में अंधेरा हो जाए और ऐसा लगे कि हर एक चीज ने आपको छोड़ दिया है, पर अगर आपका श्वास चल रहा है, तो समझना विश्व को चलाने वाली शक्ति ने आपको नहीं छोड़ा है। वह हमेशा आपके साथ है। अगर सारी चीजें आपके विपरीत हो जाए, पर वह चीज आपके साथ है तो सबकुछ ठीक है। आपको किसी चीज से डरने की जरूरत नहीं है। यह बात राज विद्या केंद्र दिल्ली में संत हंस की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रेम रावत ने कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में मानवता व शांति के लिए किए जाने वाले प्रयास अति महत्वपूर्ण हैं और यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने आपको जाने और जीवन को सचेत होकर जिए तो अवश्य ही यह पृथ्वी रहने के लिए एक बेहतर जगह बन सकती है। प्रेम रावत ने कहा कि 8 साल की छोटी उम्र से ही अपने मार्गदर्शक संत हंस की आज्ञा के अनुसार व्यक्तिगत शांति और मानवीय एकता का संदेश फैलाने हेतु अपना जीवन समर्पित कर दिया। रावत को 2023 में लखनऊ और गया में आयोजित कार्यक्रमों के लिए दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से सम्मानित किया गया।

पेड़ से लटका मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर थानाक्षेत्र के बखरी रोड पर मंगलवार को एक महिला का शव पेड़ से लटका हुआ मिलने के बाद सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों और पुलिस के अनुसार, यह मामला हत्या का हो सकता है। आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या करने के बाद शव को पेड़ से लटकाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, अब तक मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। महिला की उम्र लगभग 45 वर्ष बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतका उनके गांव की निवासी नहीं है, जिससे यह अंदेशा हो रहा है कि शव को कहीं और से लाकर यहां लटकाया गया हो।

घटना की जानकारी मिलने पर अहियापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी बुलाया गया, जो घटना स्थल पर सबूत इकट्ठा कर रही है। अहियापुर थाना के एसएचओ रोहन कुमार ने बताया कि महिला का शव पेड़ से लटका हुआ मिला है।

सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। मृतका की पहचान के लिए आसपास के थानों में सूचना प्रसारित की गई है। एफएसएल टीम द्वारा सबूत जुटाए जा रहे हैं, ताकि मौत के कारणों का पता लगाया जा सके।

प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मामला आत्महत्या का है या हत्या का। हालांकि शव की स्थिति और घटनास्थल पर साक्ष्य हत्या की ओर संकेत कर रहे हैं। वहीं, घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। लोगों ने पुलिस से घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा देने की मांग की है। पुलिस मृतका की पहचान करने की कोशिश कर रही है और आसपास के थानों में गुमशुदगी के मामलों की जानकारी जुटा रही है। फॉरेंसिक जांच के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा होने की संभावना है।

ट्रेन से गिरकर बुजुर्ग महिला की मौत

नालंदा (एजेंसियां)। नालंदा के बिहार शरीफ-बख्तियारपुर रेलखंड पर मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। यह घटना हरनौत रेलवे स्टेशन के पास बस्ती रेलवे फाटक पर हुई। जहां श्रमजीवी एक्सप्रेस से यात्रा कर रही महिला ट्रेन से गिर गईं। मृतका की पहचान हरनौत थानाक्षेत्र के बस्ती गांव निवासी अर्जुन यादव की पत्नी कौशल्या देवी के रूप में हुई है।

परिजनों ने बताया कि कौशल्या देवी अपनी बीमारी के इलाज के लिए दवाइयां लेने बख्तियारपुर गई थीं। लौटते वक्त वह श्रमजीवी एक्सप्रेस से सफर कर रही थीं।

ट्रेन बस्ती फाटक के पास पहुंची, तभी यह हादसा हुआ। मृतका के बेटे नरेंद्र यादव ने बताया कि मां की तबीयत खराब थी, इसलिए वह दवा लेने बख्तियारपुर गई थीं। वापसी में ट्रेन से गिरकर यह हादसा कैसे हुआ, हमें इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना मृतका के परिजनों और रेलवे अधिकारियों को दी। परिजन मौके पर पहुंचे और कौशल्या देवी को मृत पाया।

हरनौत रेलवे थाना प्रभारी संजय कुमार पंडित ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया।

वक्फ विवाद मामला : कल और परसो डीसी कार्यालय तहसीलदार कार्यालय के सामने करेंगे प्रदर्शन: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि हमने वक्फ संपत्ति के अतिक्रमण के खिलाफ हमारी भूमि हमारा अधिकार शीर्षक के तहत एक जन आंदोलन चलाने का फैसला किया है। हम 21 और 22 नवंबर को पूरे दिन सभी जिला आयुक्त कार्यालय और तालुक तहसीलदार कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि विरोध के साथ-साथ सभी पीड़ितों से आ-वेदन स्वीकार किए जाएंगे, वक्फ प्राधिकरण के दुरुपयोग के कारण शोषण का शिकार हुए लोगों की जानकारी एकत्र की जाएगी। हम बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं। हमने 3 टीमें भी बनाई हैं। केंद्रीय मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, बुजुर्ग और वरिष्ठ समेत 3 टीमें काम कर रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर.अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी इन 3 टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने

कहा कि ये टीमें दिसंबर के पहले सप्ताह में राज्य का दौरा करेंगी। किसान और पुजारी संकट में फंसे लोगों से जानकारी लेने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र में जनता की समस्याओं के समाधान के लिए ईमानदारी से प्रयास किया जाएगा। सत्र से पहले वक्फ के मुद्दे पर बेलगावी में एक विशाल सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि वह कांग्रेस सरकार और वक्फ बोर्ड को सत्ता का दुरुपयोग रोकने के लिए स्पष्ट संदेश भेजेंगे। उन्होंने कहा कि हमने रिपोर्ट और जानकारी इकट्ठा करने के लिए प्रत्येक जिले में किसानों और वकीलों सहित 5 प्रमुख लोगों की एक टीम बनाई है। भाजपा की जिद और जद्दोजहद के बाद प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने वक्फ को लेकर जारी नोटिस को वापस लेने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हम आरटीसी में वक्फ नाम पंजीकरण को वापस लेने और 1974 के गजट को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने जयनगर विधानसभा क्षेत्र में 1700 से अधिक संपत्तियों की प्रस्तावित जब्ती पर ध्यान आकर्षित किया। वक्फ के माध्यम से संपत्ति अर्जित करने के संबंध में जन जागरूकता आई है। उन्होंने कहा कि मठों और मंदिरों को भी न्याय मिलना चाहिए। वक्फ के दुरुपयोग के संबंध में जानकारी जुटाने का काम किया गया है। जनता, किसानों को पहानियों के बारे में जांच करनी चाहिए। उन्होंने वक्फ प्रवेश को लेकर सावधानी बरतने का अनुरोध किया। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि यतनाल भी टीम 3 में हैं और वह भी यात्रा पर जा रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार मुस्लिमों को लुभाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि देश की जनता जानती है कि नये वक्फ कानून के तहत किसानों की संपत्ति, मठ-मंदिरों और स्कूलों की संपत्ति को वक्फ संपत्ति मानकर जब्त करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस राज में संपत्ति कर, पेट्रोल, टैक्स आसमान छू रहे हैं। हम मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ-साथ सरकार के इस व्यवहार की निंदा करते हैं। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए। शक्ति का दुरुपयोग मत करो। अहंकारपूर्वक बात न करें। कांग्रेस के एक विधायक द्वारा फंड नहीं मिलने पर नाराजगी जताने के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार दिवालिया हो गयी है। भुगतान करने के लिए पैसे नहीं हैं। अनुदान नहीं मिलने पर आत्महत्या की बात राजू कागे ने कही है। उन्होंने बताया कि गवियप्पा, रायरेड्डी, बीआर पाटिल और अन्य ने भी इसी प्रकार की बात की है। सरकार पात्र बीपीएल कार्डधारकों के साथ अन्याय करने जा रही है। वे ही हैं जिन्होंने गारंटी की घोषणा की थी। अब वे ही सभी को ब्लॉक कर रहे हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि राज्य सरकार मोदी राशन, आयुष्मान, मनरेगा योजना, शिक्षा और अन्य सुविधाओं को रोकने की कोशिश कर रही है। इस मौके पर सांसद पीसी मोहन, बेंगलूरु विधायक और बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सी.के. राममूर्ति एवं मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरि गौड़ा मौजूद थे।

जदयू नेता और फ्लाइंग ऑब्जर्वर की साठगांठ का खुलासा, गिरफ्तार 35 लोग जाएंगे रिमांड पर

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया डिजिटल परीक्षा केंद्र में एसएससी एमटीएस परीक्षा में फर्जीवाड़े का बड़ा मामला उजागर हुआ है। साइबर पुलिस ने 35 फर्जी परीक्षार्थियों और माफियाओं को गिरफ्तार किया है। अब इन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी, जिससे इस गहरी साजिश का पर्दाफाश हो सके। इस मामले में परीक्षा माफिया, राजनीतिक जुड़ाव और भ्रष्ट अधिकारियों का गठजोड़ सामने आया है।

इस फर्जीवाड़े में कटिहार के जदयू युवा जिलाध्यक्ष रोशन मंडल का नाम सामने आया है, जो पूर्णिया डिजिटल सेंटर का एक पार्टनर है। रोशन की भाभी कटिहार में जिला पार्षद हैं। मामले

में एसएससी प्रयागराज के फ्लाइंग ऑब्जर्वर इजहार आलम भी शामिल हैं, जिनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि इजहार आलम, रोशन मंडल और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर परीक्षा में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा कर रहे थे।

साजिशकर्ताओं ने परीक्षा में असली अभ्यर्थियों की जगह फर्जी परीक्षार्थियों को बैठाया। उन्हें परीक्षा से पहले गुलाबबाग के होटल शाइन और अन्य होटलों में ठहराया जाता था। परीक्षा के दौरान फर्जी परीक्षार्थियों को डिजिटल सेंटर में प्रवेश दिलाया जाता था। इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए सेंटर के कर्मचारी और फ्लाइंग ऑब्जर्वर पूरी तरह से संलिप्त थे।

पुलिस ने छापामारी के दौरान परीक्षा केंद्र के पास एक किराए के कमरे से संदिग्ध सामग्री और दस्तावेज जब्त किए हैं। गिरफ्तार सात कर्मियों ने पूछताछ में खुल-ासा किया कि फर्जीवाड़ा पहले से योजनाबद्ध तरीके से चल रहा था। सेंटर मैनेजमेंट और फर्जी परीक्षार्थियों को व्यवस्थित करने के लिए लाखों रुपये लिए जाते थे।

यह मामला अंतर्राज्यीय परीक्षा माफियाओं से जुड़ा हुआ है। साइबर डीएसपी अनुराग कुमार ने बताया कि जांच में कई राज्यों से जुड़े परीक्षा माफियाओं की भूमिका सामने आ सकती है। एसएससी प्रयागराज के समन्वयक सुरेश प्रसाद यादव ने चार से 14 नवंबर के बीच हो रही परीक्षा में फर्जीवाड़े की सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस और साइबर टीम ने छापामारी कर इस बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया। साइबर डीएसपी अनुराग कुमार ने कहा कि परीक्षा के दौरान फर्जीवाड़े का खेल लंबे समय से चल रहा था। गिरफ्तार कर्मियों और माफियाओं से पूछताछ में और बड़े नाम सामने आ सकते हैं। रिमांड पर लेने के बाद गहरी साजिश का खुलासा होगा।

इस मामले ने परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फर्जीवाड़े में राजनीतिक हस्तियों और अधिकारियों की मिलीभगत से शिक्षा क्षेत्र में भरोसे को गहरी चोट पहुंची है।

बिहार का स्वास्थ्य विभाग चिंतित, इस जिले में डेंगू के 305 केस, तीन प्रखंड बने हॉट स्पॉट

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में डेंगू के केस में बड़ा इजाफा हुआ है। बीते 4 दिनों में एक दर्जन से अधिक केस सामने आए हैं, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। सिविल सर्जन डॉ अजय कुमार ने सभी प्रभावित क्षेत्र में फॉगिंग में तेजी लाई जाने के निर्देश दिए हैं।

मुजफ्फरपुर जिले में डेंगू मरीज की कुल संख्या 300 को पार कर गई है। ठंड बढ़ने के साथ ही डेंगू के केस में इजाफा हो गया। बीते दो दिनों में 8 नए केस सामने आये हैं, जबकि चार दिनों में एक दर्जन से अधिक केस प्रतिवेदित हुए हैं।

इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम अलर्ट मोड पर आ गई है। जिले के 16 प्रखंड तक फैल चुकी डेंगू पर रोकथाम लगाने में स्वास्थ्य विभाग के दावे फेल हो रहे हैं।

जिले में मुशहरी प्रखंड कांटी प्रखंड और मीनापुर प्रखंड क्षेत्र में सबसे ज्यादा केस मिले है। इसके साथ ही शहरी क्षेत्र में भी डेंगू के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग अब मुख्य प्रभावित क्षेत्र में कार्रवाई के लिए निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही सभी चजखउ को निर्देश दिए हैं कि इन क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही डेंगू के रोकथाम के लिए फॉगिंग के कार्य में तेजी लाए। इसके साथ ही शहरी क्षेत्र में रोक थाम के लिए नगर निगम को भी निर्देश दिए गए है। यही नहीं जिन क्षेत्र में बढ़े मामले वहां नहीं रुके केस।

मामले की जानकारी देते हुए सिविल सर्जन डॉ अजय कुमार ने बताया कि अभी जिले में 305 केस डेंगू के है।

ठंड बढ़ने के साथ मामले में तेजी से इजाफा देखा जा रहा है, लेकिन इसके रोकथाम के लिए हमलोग ने सभी पीएचसी, सीएचसी और अन्य अस्पताल को निर्देश दिए हैं कि इसके रोकथाम के लिए फॉगिंग करवाए इसके साथ ही मुख्य प्रभावित क्षेत्र के लिए अब विशेष रूप में फॉगिंग करे ताकि डेंगू के मामले नहीं बढ़े। इसके साथ ही फॉगिंग की संख्या बढ़ाया जाने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

भारत-नेपाल के बीच रिश्ते का सेतु बनकर तैयार

हल्द्वानी, 19 नवंबर (एजेंसियां)। सीमा विवाद के बीच भारत और नेपाल के रिश्तों में नई गरमाहट लाने के लिए उत्तराखंड की सीमा से पड़ोसी देश को एशियन हाईवे और मोटर पुल से जोड़ने की तैयारी है। पिथौरागढ़ के छारछुम में काली नदी पर टू लेन और चंपावत के बनबसा से छह किमी दूर नेपाल सीमा में महाकाली नदी पर फोर लेन का मोटरपुल बनकर तैयार है।

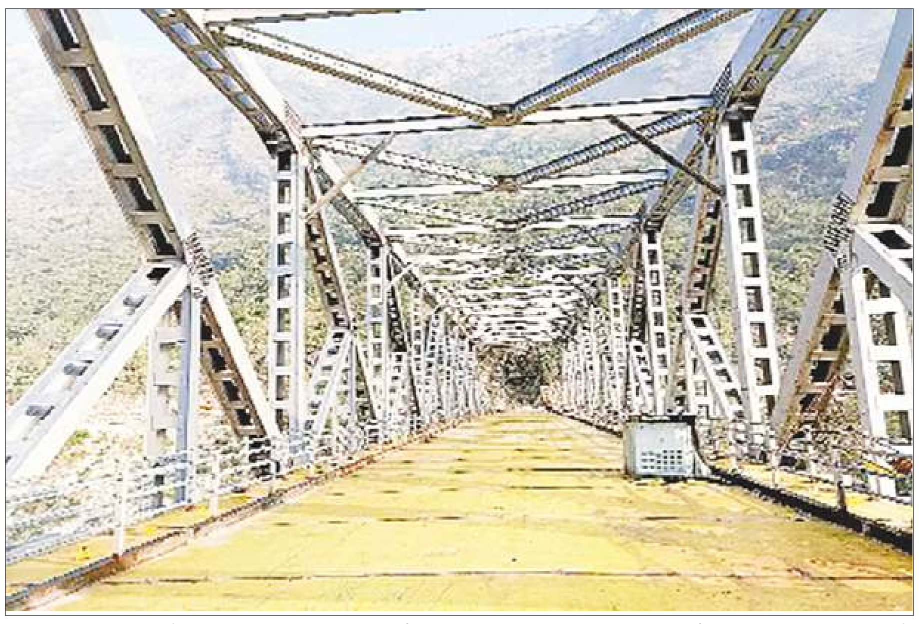

आजादी के बाद पहली बार उत्तराखंड के पिथौरागढ़ की सीमा से नेपाल को जोड़ने के लिए छारछुम में 110 मीटर लंबा सेतु बनकर तैयार है। निर्माण में लगभग 32 करोड़ की लागत आई है, जिसमें नेपाल की सीमा में 110 मीटर की एप्रोच रोड भी शामिल है। दूसरी ओर 180 मीटर की एप्रोच रोड बनाने के लिए संशोधित डीपीआर शासन को भेजी गई है। पूरे प्रोजेक्ट का खर्च धामी सरकार वहन कर रही है। नेपाल में दो एप्रोच रोड का कार्य भी राज्य सरकार करेगी।

नेपाल सीमा में 110 मीटर एप्रोच रोड का कार्य चल रहा है। 180 मीटर का कार्य शुरू करने के लिए वित्तीय स्वीकृति मिलने का इंतजार है। छारछुम पुल से पहले भारतीय सीमा में सुरक्षा एजेंसियों के लिए चौकी, पार्किंग भी बननी है। इसकी भी डीपीआर लोक निर्माण विभाग ने राज्य सरकार को भेज दी है। मंजूरी मिलने के बाद कार्य शुरू होगा। नेपाल के हिस्से में एप्रोच रोड व भारत में सुरक्षा एजेंसियों के लिए चौकियों को बनाने में अधिकतम दो से तीन माह का समय लग सकता है। यह तब जब समय से राज्य सरकार से वित्तीय स्वीकृति मिल जाए।

नेपाल के धारचूला-कंचनपुर जिले के लोगों को सबसे अधिक फायदा मिलेगा। बनबसा के पास 4 किमी एशियन हाईवे से जुड़ेंगे भारत और नेपाल। चंपावत जिले के बनबसा के जगबुड़ा नदी के पास से चार किमी लंबे एशियन हाईवे बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। इस हाईवे के बीच शारदा कैनाल, रेलवे ओवर ब्रिज और इलिफेंट कॉरिडोर आ रहा है। प्रोजेक्ट पर 50% से अधिक का कार्य हो गया है। शेष कार्य एनएचएआई तेजी से कर रहा है। प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि कोई भी वाहन कहीं भी इन या आउट नहीं हो सकता।

एशियन हाईवे के बीच में 750 मीटर का एलिफेंट कॉरिडोर बन गया है। हाथी-अन्य वन्यजीव हाईवे के नीचे से गुजरेंगे। हाईवे नेपाल के मायापुरी वन क्षेत्र के पास जुड़ेगा जो भारत-नेपाल सीमा का पिलर नंबर 802 है। शारदा कैनाल पर सेतु के लिए एक पाया बन गया है, दूसरे का कार्य चल रहा है। एशियन हाईवे शुरू होने के बाद दिल्ली, यूपी और उत्तराखंड के उत्पादों को नेपाल के बाजारों में पहुंचाना आसान होगा।

सर्दी आते ही जम्मू कश्मीर में बिजली की मांग बढ़ी

उत्पादन 80% कम, शहर में 6 घंटे गांवों में 8 घंटे की कटौती

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 19 नवंबर।

सर्दियों की शुरुआत के साथ ही जम्मू कश्मीर में बिजली उत्पादन में 80 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि मांग और बढ़ती जा रही है। पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (पीडीडी) के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी पुष्टि कि है कि नवंबर के दूसरे सप्ताह से बिजली की मांग बहुत अधिक थी। बिजली उत्पादन में कमी का नतीजा है कि प्रदेश में शहरी इलाकों में अभी से 6 और ग्रामीण क्षेत्रों में 8 घटों की कटौती हो रही है।

अधिकारी के बकौल, पूरे क्षेत्र से कुल बिजली उत्पादन क्षमता 1200 मेगावाट है। हालांकि, अभी तक हम यूटी पूल से कुल 200-260 मेगावाट बिजली ही पैदा कर पा रहे हैं। वे कहते हैं कि अभी तक करीब 2000 से 2100 मेगावाट बिजली की मांग है, लेकिन उपलब्धता सिर्फ 1600 से 1650 मेगावाट है। उनका मानना था कि कटौती के घंटों के दौरान, हम पीक आवर्स में करीब 200-250 मेगावाट बिजली काट देते हैं। यह

जबरदस्ती कटौती है। अन्यथा, हमारे पास 38-40 फीडर हैं जो 24 घंटे काम कर रहे हैं।

कश्मीर क्षेत्र में बिजली कटौती के बारे में अधिकारी कहते हैं कि शहरी क्षेत्रों में 6 घंटे से अधिक और ग्रामीण क्षेत्रों में आठ घंटे से अधिक बिजली कटौती हो रही है। उनका कहना था कि कम बारिश के कारण बहुत कम बिजली उत्पादन हो रहा है। अभी तक हम कश्मीर के पावर ग्रिड से केवल 60-70 मेगावाट बिजली ही पैदा कर रहे हैं। हालांकि, चेनाब घाटी में एक पावर ग्रिड से हम आमतौर पर शाम और देर रात को लगभग 150 मेगावाट बिजली पैदा करते हैं। दरअसल कश्मीर में बिजली संकट ऐसे समय में गहरा गया है जब लगातार कई महीनों से जारी सूखे के बीच सर्दी ने अपने शुरुआती संकेत दे दिए हैं। नदियों और नालों में जल स्तर कम बना हुआ है।

अब देवास में वक्फ बोर्ड ने ईसाई कब्रिस्तान पर ठोका दावा

देवास, 19 नवंबर (एजेंसियां)। वक्फ बोर्ड की मनमानियां लगातार जारी हैं। केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु हो या हो मध्य प्रदेश, हर जगह वक्फ बोर्ड जमीनों पर मनमाने तरीके से कब्जे करता जा रहा है। ऐसा ही एक और मामला मध्य प्रदेश के देवास से प्रकाश में आया है, जहां वक्फ बोर्ड ने ईसाइयों के कब्रिस्तान पर अपना दावा ठोंक दिया है। आरोप है कि वक्फ बोर्ड ने कब्रिस्तान को अपनी संपत्ति के तौर पर दर्ज कर लिया है।

ईसाई समाज के लोगों ने वक्फ बोर्ड के खिलाफ शिकायत की है। कहा जा रहा है कि शहर के स्टेशन रोड स्थित कब्रिस्तान को लेकर ईसाई समाज के विजय गुप्ता बताते हैं कि देवास जूनियर में मुस्लिमों का कब्रिस्तान है, जो कि पहले से ही वक्फ प्रॉपर्टी के तौर पर दर्ज है। उसी कब्रिस्तान के पास सर्वे नंबर 83 है, जो कि ईसाइयों का कब्रिस्तान है, राजस्व के आंकड़ों में भी ये ईसाई समाज का है। वक्फ बोर्ड के खिलाफ की गई शिकायत में आरोप लगाया गया है उसने इस जमीन को अपने नाम पर कर लिया है, उसके खिलाफ द ग्रेस चर्च ने वक्फ बोर्ड के सीईओ को शिकायत की है।

हालांकि, ईसाई समुदाय के आरोपों के उलट वक्फ बोर्ड अपने ऊपर जमीन हथियाने के आरोपों से इंकार कर रहा है। उसका कहना है कि ईसाइयों का सर्वे नंबर अलग है और वक्फ बोर्ड के अंतर्गत आने वाले कब्रिस्तान का सर्वे नंबर अलग है। वक्फ बोर्ड कमेटी के प्रतिनिधियों का कहना है कि उनके खिलाफ भ्रामक आरोप लगाए गए हैं। वक्फ के कब्रिस्तान कमेटी के सचिव शाकीर मंसूरी का कहना है कि स्टेशन रोड में ईसाइयों और मुस्लिमों के कब्रिस्तान हैं, लेकिन दोनों के ही सर्वे नंबर अलग हैं।

उल्लेखनीय है कि वक्फ बोर्ड का कहना है कि उनका कब्रिस्तान सर्वे नंबर 83, 84, 85 पर है, जबकि ईसाइयों का कब्रिस्तान 82 नंबर पर है। हालांकि, ईसाई समाज ये कहता है कि सर्वे नंबर 83 पर उसका कब्रिस्तान है, जिसे वक्फ बोर्ड ने अपने नाम कर लिया है।

सराफा कारोबारी से 25 लाख की लूट मामले का खुलासा

लूटा गया सोना-चांदी बरामद

सुल्तानपुर/एजेंसियां। सुल्तानपुर के गोसाईगंज थाना क्षेत्र के भरथीपुर गांव के पास छह नवंबर की शाम सराफा कारोबारी सुरेश सोनी के साथ हुई 25 लाख की लूट का मंगलवार को राजफाश कर दिया गया। गोसाईगंज के युवक के इशारे पर आजमगढ़ के चार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया था। लूट में शामिल तीन बदमाशों को मंगलवार भोर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर खरसोमा अंडरपास के पास गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से 45 ग्राम सोना और 3.50 किलो चांदी बरामद की गई है। एक लुटेरा अभी पकड़ा नहीं गया है, जबकि दूसरा लूट के दूसरे केस में आजमगढ़ जेल में बंद है। यहां आयोजित एक प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने बताया कि छह नवंबर की शाम भरथीपुर गांव के पास कार सवार बदमाशों ने सुरेश सोनी के साथ लूटपाट की थी। जांच के दौरान पता चला कि गोसाईगंज के अजीजपुर निवासी तौसीफ ने सुरेश की रेकी की थी। उसी ने आजमगढ़ के घुरीपुरी थाना निजामाबाद निवासी अपने रिश्तेदार मैनुद्दीन उर्फ मिस्टर को लूटपाट के लिए तैयार किया था, जोकि निजामाबाद थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसी ने गैंग को लीड किया था। जिस कार से लूटपाट की गई, उसमें मैनुद्दीन के अलावा आजमगढ़ के मुस्लिम पट्टी थाना निजामाबाद का मिर्जा अरबाज उर्फ डॉक्टर, शाकिब नाई और सोढ़री थाना निजामाबाद का नागा उर्फ सुरजीत बारी भी बैठा था। सुरेश जब दुकान से निकला तो इसकी सूचना तौसीफ ने ही मैनुद्दीन को दी। तौसीफ सुदनापुर चौराहे पर ही रुक गया था। कार की व्यवस्था अरबाज ने की थी।

दिल्ली स्थित हिमाचल भवन नीलाम करने का आदेश

शिमला, 19 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल हाईकोर्ट ने नई दिल्ली स्थित हिमाचल प्रदेश का हिमाचल भवन नीलाम करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने यह आदेश सेली हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी और राज्य सरकार के बीच चल रहे विवाद में दिया है। हिमाचल प्रदेश की सरकार ने सेली कंपनी को 64 करोड़ का भुगतान नहीं किया है। यह पैसा देने का आदेश कोर्ट ने ही दिया था।

लम्बे समय तक पैसा न चुकाने के चलते यह धनराशि ब्याज सहित बढ़ कर 150 करोड़ हो गई है। कोर्ट ने अब हिमाचल भवन नीलाम करके धनराशि ब्याज सहित चुकाने का आदेश दे दिया है। इस निर्णय के बाद सुक्खू सरकार कठघरे में है। भाजपा नेता जय राम ठाकुर ने कहा है कि हिमाचल भवन की नीलामी प्रदेश के लिए अपमानजनक है। यह मामला 2009 में शुरू हुआ था जब हिमाचल सरकार ने सेली हाइड्रो को लाहौल स्पीति में 320 मेगावाट का बिजली प्रोजेक्ट आवंटित किया था। हालांकि, कंपनी ने आरोप लगाया कि सरकार ने जरूरी सुविधाएँ समय पर नहीं उपलब्ध कराई, जिससे प्रोजेक्ट का कार्य रोकना पड़ा और कंपनी को नुकसान हुआ।

बहुचर्चित फिल्म द साबरमति रिपोर्ट के बहुचर्चित पात्र फिल्म अभनेता विक्रांत मैसी ने आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में द साबरमति रिपोर्ट फिल्म प्रदर्शित हो रही है। इस बात की उम्मीद है कि यूपी में भी इस फिल्म को मनोरंज कर मुक्त कर दिया जाए। मध्य प्रदेश में इस फिल्म को मनोरंजन कर से मुक्त किया जा चुका है।

ऊसर में योगी सरकार बसाने जा रही इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

तैयार हो रहा पूर्वांचल का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल लैंड बैंक

गोरखपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर के दक्षिणांचल में स्थित धुरियापार क्षेत्र की जो जमीन ऊसर थी। जिसपर तिनका भी मुश्किल से उगता था, वहां योगी सरकार उद्योगों की फसल लगवाएगी। इसके लिए 5500 एकड़ में प्रस्तावित धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को मूर्त रूप दिया जा रहा है। 17 गांवों की अनुपजाऊ जमीनों का अधिग्रहण करने के सिलसिले में अब तक 500 एकड़ जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है। यह कॉरिडोर पूर्वांचल के सबसे बड़े इंडस्ट्रियल लैंड बैंक वाला होगा। सरकार की मंशा यहां बड़े उद्यगों का संजाल बिछाने के साथ इसे इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर के रूप में विकसित कर करने की है। यह इंडस्ट्रियल कॉरिडोर गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से तो जुड़ा ही है, आने वाले समय में रेल कनेक्टिविटी से भी जुड़ जाएगा।

गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को आकार देने के लिए प्रक्रियात्मक कार्य को तेज कर दिया है। गीडा की तैयारी जल्द ही इस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के पहले चरण को लांच कर देने की है। पहले चरण में सकरदेईया, हरपुर और काश्तकाशी नायक गांवों में करीब 1600 एकड़ भूमि अर्जित होनी है। गीडा इसमें से 500 एकड़ भूमि का अधिग्रहण भी कर चुका है। उपजाऊ जमीन फसलों के माध्यम से सोना उगले और ऊसर धरती पर उद्योगों के जरिये रोजगार की भरपूर छांव मिले, योगी सरकार इसी फॉर्मूले के तहत ग्रेटर गीडा के रूप में धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का खाका खींच चुकी है। इस कॉरिडोर को बसाने के लिए जिन 17 गांवों में जमीनों का अधिग्रहण किया जा रहा, वे परती पड़ी रहती हैं। यानी किसानों के लिए अनुपजाऊ। अब तक सिर्फ रकबे में गिनी जाने वाली ये जमीनें किसानों को भरपूर रकम दिलाकर मालामाल करेंगी। बीते सात सालों में देश-दुनिया के कई निवेशकों का गोरखपुर की तरफ रुझान देखते हुए सीएम योगी के मार्गदर्शन में धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का मास्टर प्लान फाइनल है, बस इसे शासन से अनुमोदन मिलने का इंतजार है। धुरियापार क्षेत्र में जमीनों का एक हिस्सा ऊसर प्रकृति का है। किसानों को ऊसर जमीनों का ही अधिग्रहण किया जा रहा है। इससे उन्हें अनुपजाऊ भूमि का भरपूर मूल्य प्राप्त होगा और ऊसर धरती पर औद्योगिक विकास के माध्यम से रोजगार और खुशहाली की फसल लहलहाएगी। धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को 17 ग्रामों की 5500 एकड़ भूमि में बसाया जाएगा। इस कॉरिडोर का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाना है। मास्टर प्लान के मुताबिक कुल क्षेत्रफल में 32.04 प्रतिशत क्षेत्र औद्योगिक, 19.39 प्रतिशत आवासीय, 6.51 प्रतिशत पीएसपी, 4.21 प्रतिशत व्यावसायिक, 15.70 प्रतिशत हरित-खुला क्षेत्र, 2.32 प्रतिशत मिश्रित, 4.17 प्रतिशत ट्रांसपोर्ट सुविधाओं के लिए प्रस्तावित है। गीडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनुज मलिक बताती हैं कि धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए भूमि अर्जन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है। अब तक 500 एकड़ भूमि का अधिग्रहण हो चुका है और बाकी के लिए भी प्राधिकरण लगातार काम कर रहा है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी का मानना है कि मूर्त रूप में आने के बाद यह इंडस्ट्रियल कॉरिडोर धुरियापार समेत समूचे गोरखपुर दक्षिणांचल के लिए गेम चेंजर साबित होगी। धुरियापार की पहचान अति पिछड़े क्षेत्र के रूप में रही लेकिन आने वाले दिनों में इसकी ख्याति गोरखपुर के नए औद्योगिक क्षेत्र के गेटवे के रूप में होगी। बीते सात सालों में देश-दुनिया के कई निवेशकों का रुझान गोरखपुर की तरफ देखते हुए सरकार धुरियापार क्षेत्र को ग्रेटर गीडा बनाने की तैयारी कर रही है।

प्रदेश में डीएपी और अन्य कृषि खाद की कमी से राज्य के किसान बेहाल: संजय सिंह

लखनऊ/एजेंसियां। आम आदमी पार्टी के सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डीएपी (डीअमोनियम फास्फेट) और अन्य कृषि खाद की कमी से राज्य के किसान बेहाल हैं। उन्होंने इसे लेकर प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि यह सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है। संजय सिंह ने कहा कि ये जो बांटने और काटने का उन्माद महाराष्ट्र और झारखंड में फैला रहे थे वो उत्तर प्रदेश में किसानों को खाद तक नहीं बांट पा रहे हैं। मैं महाराष्ट्र, झारखंड के अपने किसान भाइयों को आगाह करना चाहता हूं। अगर इनको चुनेंगे तो एक-एक बोरी खाद को तरसोगे। संजय सिंह ने कहा उत्तर प्रदेश के किसान पिछले कई महीनों से डीएपी और अन्य आवश्यक खादों की भारी कमी का सामना कर रहे हैं। सरकार की नाकाम नीतियों और गलत प्राथमिकताओं के कारण किसान खेतों में उचित समय पर खाद नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं, जिसके कारण उनकी फसलें प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा सरकार की यह असफलता और उपेक्षापूर्ण रवैया उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए चिंता का विषय बन चुका है। न केवल खाद की भारी किल्लत है, बल्कि बाजार में उपलब्ध खाद की कीमतें भी बेतहाशा बढ़ी हैं, जिससे किसान अपनी खेती के लिए आवश्यक उर्वरकों का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है और उनकी परेशानियों का समाधान नहीं निकाल पा रही है। उन्होंने मांग की है कि यूपी सरकार जल्द से जल्द किसानों के लिए खाद की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करे और उनके हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

गोंडा/एजेंसियां। जिले में नवाबगंज व मनकापुर क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में स्कूटी सवार शिक्षिका और बाइक सवार युवक की मौत हो गई। बाइक सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लिया और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूत्रों के अनुसार बस्ती जिले के छावनी थाना क्षेत्र के खेमराजपुर गांव निवासी पंकज सिंह की पत्नी सविता सिंह (42) मंगलवार सुबह करीब नौ बजे अपनी स्कूटी से गोंडा के नवाबगंज स्थित जफरापुर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय आ रही थीं। महेशपुर गांव के पास फोरलेन सरयू पुल पर पीछे से तेज रफ्तार ट्रक चालक ने ओवरटेक करने के चक्कर में टक्कर मार दी। जिसके बाद स्कूटी सवार शिक्षिका बीच रोड पर गिर गईं। वहीं सिर पर गंभीर चोटें लगने से वहां करीब आधे घंटे तक तड़पती रहीं। सूचना पर पहुंची पुलिस उन्हें इलाज के लिए अयोध्या मेडिकल कॉलेज ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नवाबगंज के प्रभारी निरीक्षक निर्भयनरायन सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उन्होंने बताया कि अध्यापिका ने सिर में हेलमेट पहन रखा था, वह हादसे में टूट गया। सिर में अत्याधिक चोट व रक्तस्राव से उनकी जान चली गई। ट्रक को कब्जे में लिया गया है और आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। वहीं मनकापुर-रेहराबाजार मार्ग पर बनकसिया मोड़ के पास सोमवार रात एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। बाइक सवार धानेपुर बाजार निवासी शुभम गुप्ता (24) व रवि पटवा (33) गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर आई पुलिस उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनकापुर ले गई, जहां डॉक्टरों ने शुभम को मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल युवक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

महाकुंभ 2025 विशेष : बॉलीवुड के आर्ट डायरेक्टर तैयार करेंगे कंट्रोल रूम

प्रयागराज, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 को सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में किसी तरह की कोई बाधा न पहुंचे और साथ ही यहां आने वाले 45 करोड़ लोगों की सुरक्षा का पूरा प्लान तैयार कर लिया गया है। इसके लिए मेला क्षेत्र में बाकायदा हाईटेक कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है। इस कंट्रोल रूम में हाई लेवल मीटिंग के अलावा आला अफसरों की टीमें बैठकर महाकुंभ के लिए रणनीति तैयार करेंगी। खास बात ये है कि इस कंट्रोल रूम का निर्माण बॉलीवुड के प्रसिद्ध आर्ट डायरेक्टर द्वारा कराया जा रहा है। उनका दावा है कि विशेष सुविधाओं वाला यह कंट्रोल रूम 7 दिन के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा।

अपर मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि कंट्रोल रूम में श्रद्धालुओं को लेकर होने वाले जरूरी इंतजाम के लिए वीआईपी मीटिंग होंगी। साथ में

कॉन्फ्रेंस हॉल और करोड़ों लोगों तक सही समय पर उचित जानकारी पहुंचाने के लिए मीडिया के ब्लॉक भी बनाए जा रहे हैं।

इस कंट्रोल रूम में 50 से अधिक अफसरों के अलग-अलग प्रकार के केबिन बनाए जा रहे हैं। जिसमें सुरक्षा, प्रशासनिक कार्यों के साथ साथ चिकित्सा, पेयजल संबंधित कार्यों की निगरानी की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर मेला प्राधिकरण ने विशेष इंतजाम किया है।

इसी के तहत हाईटेक कंट्रोल रूम बनाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके निर्माण में जुटे मुंबई से आए आर्ट डायरेक्टर और वास्तुकार पवन पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप कंट्रोल रूम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सात दिनों के भीतर इसे पूरी तरह तैयार कर लिया जाएगा। जिसमें बड़े पैमाने पर महाकुंभ से जुड़ी योजनाओं की जल्द से जल्द मॉनिटरिंग शुरू हो सकेगी।

देश-विदेश से महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न होने पाए, इसके लिए बाकायदा रणनीति बनाने का काम भी इसी कंट्रोल रूम से किया जाएगा। विभागीय समन्वय के लिए यहीं पर कॉन्फ्रेंस हॉल रहेंगे और जन सुविधाओं से संबंधित जानकारी के लिए मीडिया के ब्लॉक भी यहीं पर अलग से बनाए जा रहे हैं।

महाकुंभ के दौरान चप्पे चप्पे पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम तो बनाया ही जा रहा है, साथ में इस कंट्रोल रूम के चारों तरफ ड्रोन से हर गतिविधि पर निगरानी रखी जाएगी। सुविधा के लिहाज से इस कंट्रोल रूम को एल शेप का आकर दिया जा रहा है, जिसमें अफसर से लेकर उनके स्टाफ तक के लिए हाईटेक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। कंट्रोल रूम में एंट्री के लिए तीन विशेष दरवाजे भी बनाए जा रहे हैं, जिसका काम अंतिम चरण में चल रहा है।

देश की राजधानी में होगा महाकुंभ कॉन्क्लेव

लखनऊ, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने 2025 के महाकुंभ को सफल बनाने के लिए बड़े स्तर पर जारी तैयारियों को गति देने का काम शुरू कर दिया है। महाकुंभ-2025 का आयोजन न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि राज्य की पर्यटन और वैश्विक स्तर पर पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का भी एक प्रमुख प्रयास है। इसी बात को ध्यान में रखकर महाकुंभ की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाने तथा देश-दुनिया के गणमान्य व अति विशिष्ट लोगों को आमंत्रित करने के लिए नई दिल्ली में महाकुंभ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। इस विषय में, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं तथा दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में भव्य स्तर पर इस एक दिनी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम कई मायनों में विशिष्ट होगा क्योंकि यहां आने वाले आगंतुकों को महाकुंभ में योगी सरकार द्वारा दी जा रही टूरिज्म ऑफरिंग्स, तैयारियां व उपलब्धियों के साथ ही उत्तर प्रदेश की लोककला व सांस्कृतिक छटा का भी आनंद उठा सकेंगे। महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें पूरी दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु भाग लेते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस आयोजन के लिए विशेष रूप से महाकुंभ कॉन्क्लेव की योजना बनाई है, जो एक अनूठा इंटरैक्टिव सत्र होगा। इसके जरिए, भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से आगंतुकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया जाएगा। महाकुंभ कॉन्क्लेव उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और प्रशासनिक कुशलता का उदाहरण पेश करेगा। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर राज्य की ब्रांडिंग का भी माध्यम बनेगा। कार्यक्रम में समुद्र मंथन से प्राप्त 14 रत्नों के थ्रीडी मॉडल की नुमाइश होगी तथा सांस्कृतिक संध्या में उत्तर प्रदेश के लोक संगीत और नृत्य की प्रस्तुति भी होगी, जो महाकुंभ की आध्यात्मिकता को सजीव करेगी। साथ ही, प्रत्येक अतिथि को यूपी की सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक के रूप में स्मृति चिह्न प्रदान किए जाएंगे।

85 ट्यूबवेल से होगी महाकुंभ मेला क्षेत्र में 24 घंटे निर्बाध पानी की सप्लाई

प्रयागराज, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 को स्वच्छ और सुगम बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश जल निगम नगरीय पूरे जोश और उत्साह के साथ कार्यरत है। सीएम योगी के निर्देशों के मुताबिक जिस तरह महाकुंभ नगरी ने आकार लेना शुरू कर दिया है, उसके साथ ही महाकुंभ क्षेत्र में सुविधा व्यवस्थाओं का भी इंतजाम शुरू हो गया है। इस दिशा में यूपी जल निगम नगरीय, प्रयागराज पूरे मेला क्षेत्र में 24 घंटे निर्बाध पानी सप्लाई के लिए 15 नये ट्यूबवेल लगा रहा है। इसके अतिरिक्त पुराने ट्यूबवेलों की मरम्मत कर लगभग 85 ट्यूबवेलों की मदद से पूरे मेला क्षेत्र को महाकुंभ के दौरान निर्बाध पानी की सप्लाई की जाएगी। जिससे मेला क्षेत्र में रहने वाले कल्पवासियों और साधु-संन्यासियों को असुविधा का सामना न करना पड़े। महाकुंभ 2025 के दौरान 25 सेक्टरों में फैले मेला क्षेत्र में निर्बाध पानी सप्लाई का कार्य यूपी जल निगम नगरीय कर रहा है। सीएम योगी के निर्देशों के मुताबिक पूरे मेला क्षेत्र में 24 घंटे निर्बाध पानी की सप्लाई की जाएगी। इसके संबध में बताते हुए जल निगम नगरीय के अधिशासी अभियंता अमित राज ने बताया कि 45 दिनों के महाकुंभ आयोजन में निर्बाध पानी सप्लाई 85 ट्यूबवेलों की मदद से की जाएगी। इसके लिए जल निगम नगरीय, मेला क्षेत्र में 15 नये ट्यूबवेल लगा रहा है। महाकुंभ 2025 का मेला क्षेत्र अब तक के कुंभ मेलों की तुलना में सबसे बड़ा है, जो कि 25 सेक्टर में फैला हुआ है। जिसके लिए शेष 70 ट्यूबवेलों की मरम्मत का कार्य चल रहा है। इनमें से अन्य 15 ट्यूबवेलों को पूरी तरह से रिन्यु किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निर्बाध जलापूर्ति के लिए ये सारा कार्य 30 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। जल निगम नगरीय प्रयागराज के अधिशासी अभियंता अमितराज ने बताया कि महाकुंभ में 24 घंटे निर्बाध जलापूर्ति के लिए 11 करोड़ रुपये के बजट से ट्यूबवेलों की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही पानी सप्लाई के लिए 30 जनरेटर सेट और स्टेबलाइजर भी लगाये जायेंगे, जो मेला क्षेत्र में बने पम्पिंग प्लांटों से सभी 25 सेक्टरों में पानी सप्लाई का कार्य करेंगे। इसके साथ ही अधिशासी अभियंता ने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र में पानी सप्लाई के लिए पाईप का जाल भी बिछाया जाएगा। जिससे आखाड़ा-शिविरों, प्रशासन के टेंट, कल्पवासियों और पूरे मेला क्षेत्र में पानी सप्लाई की जाएगी। यह कार्य भी यूपी जल निगम नगरीय प्रयागराज ही कर रहा है, जो कि सीएम योगी के निर्देशों के मुताबिक 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा।

श्रीराम तिलकोत्सव : नेपाल के जनकपुर से अयोध्या आए आभूषण और उपहार

501 तरह का प्रसाद भी आया, छह दिसंबर को विवाहोत्सव

अयोध्या, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत बनाने के लिए रामनगरी अयोध्या में आयोजित एक भव्य समारोह में पड़ोसी देश के जनकपुर से 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने श्रीराम तिलक उत्सव में हिस्सा लिया। मंदिर के पदाधिकारियों ने बताया कि जनकपुर से लोग सोने, चांदी और पारंपरिक प्रसाद सहित उपहार लेकर आए हैं। दरअसल माता सीता के जन्मस्थान के रूप में प्रतिष्ठित जनकपुर इस परंपरा में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

नेपाल के मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री सतीश कुमार सिंह और जनकपुर के मेयर मनोज कुमार

शाह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल 501 प्रकार के प्रसाद लेकर आया है। यह समारोह विहिप मुख्यालय रामसेवकपुरम में आयोजित किया गया था, जिसमें नेपाली मेहमानों के स्वागत की व्यवस्था की गई थी। तिलक उत्सव की शुरुआत जनकपुर में जानकी मंदिर के पुजारी राम रोशन दास के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई।

विहिप के उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पंकज ने बताया कि अयोध्या में कारसेवकपुरम, अभयदाता हनुमान आश्रम, विवेक सृष्टि, माता सरस्वती देवी मंदिर और तीर्थ क्षेत्र भवन में उनके ठहरने की व्यवस्था की गई थी। राममंदिर के गर्भगृह तक नेपाली प्रतिनिधिमंडल की यात्रा भक्ति गीतों, पारंपरिक नृत्यों और औपचारिक संगीत वाद्ययंत्रों के साथ हुई, जिसका समापन पवित्र प्रार्थनाओं और अनुष्ठानों के साथ हुआ। जनवरी 2024 में रामलला की मूर्ति की स्थापना के बाद पहली बार नवनिर्मित राम मंदिर में तिलक समारोह किया गया। राम मंदिर ट्रस्ट के प्रवक्ता ओमकार सिंह ने बताया कि राम बारात 26 नवंबर को जनकपुर के लिए रवाना होगी और तीन दिसंबर को वहां पहुंचेगी। नेपाल के जनकपुर में विवाह उत्सव छह दिसंबर को होगा और बारात 10 दिसंबर को अयोध्या वापस लौटेगी।

प्रस्तावित कुकरैल नाइट सफारी पार्क और जू के निर्माण की समीक्षा

देश को पहली नाइट सफारी का उपहार देगा यूपी

जून 2026 तक निर्माण कार्य पूरा किया जाए : मुख्यमंत्री

लखनऊ : 19 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश देश को पहली नाइट सफारी का उपहार देगा। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बनने जा रही यह नाइट सफारी देश और दुनिया के प्रकृति प्रेमियों के लिए एक नया गन्तव्य होगा। यह दुनिया की पांचवीं नाइट सफारी होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष आज यहां उनके सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रस्तावित कुकरैल नाइट सफारी पार्क एवं जू का प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य हर हाल में जून 2026 तक पूरा कर लिया जाए। नाइट सफारी एवं जू के लिए वन्य जीवों को लाने की समुचित व्यवस्था प्रारम्भ कर दी जाए। नाइट सफारी एवं जू के वित्तीय प्रबंधन के लिए सस्टेनेबल मॉडल विकसित किया जाए। 72 प्रतिशत एरिया में ग्रीनरी विकसित

की जाए और यहां सौर ऊर्जा के प्रकल्पों को भी स्थान दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नाइट सफारी प्रोजेक्ट राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसके निर्माण के लिए केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली से अनुमति प्राप्त हो गई है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश को दिसम्बर, 2026 में देश को पहली नाइट सफारी का उपहार मिल जाए। नाइट व डे सफारी का निर्माण चरणबद्ध रूप से होगा। लखनऊ में यह लगभग 900 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुकरैल नाइट सफारी का निर्माण हो जाने के पश्चात यह परियोजना अन्तरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर आ जाने के फलस्वरूप विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करेगी। कुकरैल नाइट सफारी परियोजना को लखनऊ स्थित अन्य पर्यटक स्थलों से भी जोड़ा जाएगा। नाइट सफारी के 72 प्रतिशत एरिया को ग्रीनरी में विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जानवरों को चिन्हित करने, यहां लाने व क्वारंटीन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी जाए। कुकरैल नाइट सफारी परियोजना के अंतर्गत ईको टूरिज्म जोन भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिये कि यहां क्वारंटीन सेंटर, वेटनरी हॉस्पिटल, पोस्ट ऑपरेशन व ऑपरेशन थियेटर की समुचित व्यवस्था हो। यहां कैफेटेरिया, 7-डी थियेटर, ऑडिटोरियम, पार्किंग आदि की भी सुविधा हो। एडवेंचर जोन के तहत सुपरमैन जिपलाइन, आर्चरी, जिप लाइन, बर्मा ब्रिज, पैडल बोट, स्काई रोलर, फाउण्टेन, किड्स एक्टिविटी के लिए जंगल एनिमल थीम, स्काई साइकिल आदि विकसित किये जाएं। डे सफारी का विस्तार दूसरे चरण में होगा। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान तथा जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना सहित शासन और वन विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि नाइट सफारी क्षेत्र में इंडियन वॉकिंग ट्रे, इंडियन फुटहिल, इंडियन वेटलैण्ड, एरिड इंडिया और अफ्रीकन वेटलैंड की थीम पर विकसित किए जाने वाले क्षेत्र मुख्य आकर्षण होंगे। पर्यटकों द्वारा नाइट सफारी पार्क के अवलोकन हेतु 5.5 किमी0 ट्रॉम-वे तथा 1.92 किमी0 का पाथ-वे निर्मित किया जाएगा।

नाइट सफारी में मुख्यतः एशियाटिक लायन, घड़ियाल, बंगाल टाइगर, उड़न गिलहरी, तेंदुआ, हायना आदि मुख्य आकर्षण होंगे। कुकरैल नाइट सफारी परियोजना के अंतर्गत विश्व स्तरीय वन्य जीव चिकित्सालय व रेस्क्यू सेंटर का निर्माण भी प्रस्तावित है। कुकरैल वन क्षेत्र में स्थापित होने वाले जू में कुल 63 इनक्लोजर बनाए जाएंगे। जू में सारस क्रेन, स्वॉम्प डियर, हिमालयन भालू, साउथ अफ्रीकन जिराफ, अफ्रीकन लायन व चिंपैन्जी मुख्य आकर्षण होंगे। जू को अफ्रीकन सवाना, इनक्रेडिबल इंडिया, इंजीनियर्ड वेटलैंड नामक थीम क्षेत्रों पर विकसित किया जाएगा।

पांच दिन में योगी ने यूपी में की 13 रैलियां और दो रोड शो

माफिया और माफिया संरक्षक सियासतदानों को दिखाया आईना

लखनऊ, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

चुनाव की घोषणा के बाद यूपी में पांच दिन में 13 रैली, दो रोड शो कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपचुनाव की जमीन सींची।

पहले विकास, फिर संवाद के फार्मूले को तय कर योगी आदित्यनाथ ने इस उपचुनाव में भी जीतोड़ मेहनत की। मिशन-9 के तहत गाजियाबाद, खैर, मीरापुर, मझवां, फूलपुर की जीत बरकरार रखने के साथ अन्य सीटों पर कमल खिलाने को योगी ने कार्तिक व मार्गशीर्ष (अगहन मास) में भी खूब पसीना बहाया। माफिया व मल्लिकार्जुन खड़गे उनके निशाने पर रहे तो अखिलेश यादव की नीति व नीयत पर भी योगी ने निशाना साधते हुए उन्हें आईना दिखाया।

उत्तर प्रदेश उपचुनाव की रैलियों में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व अन्य रैलियों में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ ही

माफिया भी योगी आदित्यनाथ के निशाने पर रहे। योगी ने मतदाताओं से साफ-साफ कहा कि माफिया मुक्त उत्तर प्रदेश की भांति अन्य राज्यों में भी माफिया हटाने में वे सरकार का साथ दें। माफिया हटाना है और विकास के लिए फिर कमल खिलाना है। योगी की यह अपील काफी कारगर साबित हो रही है। यूपी में माफिया की दुर्गति देख मतदाता योगी के आह्वान के साथ उपचुनाव व आम चुनाव में फिर कमल खिलाने के लिए जुट गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद, खैर, मीरापुर, मझवां, फूलपुर की जीत बरकरार रखने के साथ अन्य सीटों पर कमल खिलाने के लिए खूब पसीना बहाया। गाजियाबाद, खैर, मीरापुर, मझवा व फूलपुर से भाजपा-सहयोगी दलों के विधायकों के सांसद बनने के बाद यह सीटें रिक्त हो गईं। उपचुनाव में भाजपा ने गाजियाबाद से संजीव शर्मा, खैर से सुरेंद्र दिलेर, मझवा से सुचिस्मिता मौर्य व फूलपुर से दीपक पटेल को टिकट दिया है। मीरापुर सीट से रालोद की मिथिलेश पाल मैदान में हैं। योगी आदित्यनाथ ने इन सीटों पर फिर से कमल खिलाने के लिए मतदाताओं का आह्वान किया तो वहीं यूपी की अन्य सीटों कटेहरी, करहल, कुंदरकी व सीसामऊ में भी कमल खिलाने के लिए काफी पसीना बहाया। 20 नवंबर को यूपी में वोटिंग होगी और 23 को परिणाम आएंगे।

लोकसभा चुनाव के पहले पत्नी डिंपल यादव के उपचुनाव को छोड़ दें तो अमूमन उपचुनावों में अखिलेश यादव अपने ही प्रत्याशियों को मझधार में छोड़ देते थे। प्रत्याशी उनकी राह देखते थे, लेकिन अखिलेश प्रचाार में नहीं जाते थे।

संपादकीय

क्यों जल रहा मणिपुर?

मणिपुर बीते 565 दिनों से सुलग और जल रहा है। अब हिंसा और विद्रोह थम नहीं पा रहे हैं। गुस्सा और आक्रोश इस पराकाष्ठा तक पहुंच चुके हैं कि पहली बार मंत्रियों और विधायकों के आवास बड़े स्तर पर निशाने पर हैं। रविवार को एक भाजपा विधायक का घर फूंक दिया गया। भाजपा-कांग्रेस के दफ्तरों में तोड़-फोड़ की जा रही है। तीन मंत्रियों सहित 9 विधायकों के घरों पर हमले किए जा चुके हैं। बीते शनिवार को गुस्साई भीड़ ने एनपीपी विधायक रामेश्वर सिंह को घर से निकाल कर खूब पीटा। त्वरित प्रतिक्रिया में एनपीपी ने बीरेन सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया। पार्टी के 7 विधायक हैं। समर्थन वापसी का पत्र भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी भेज दिया गया है। तीन निर्दलीय विधायकों ने भी सरकार से समर्थन खींच लिया है। कुकी समुदाय के 7 विधायक मई, 2023 से ही राज्य की भाजपा सरकार से अलग हैं। कुल 17 विधायकों के समर्थन वापस लेने के बावजूद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की सरकार अल्पमत में नहीं है, क्योंकि 60 के सदन में सरकार को कुल 52 विधायकों का समर्थन हासिल था। बुनियादी मुद्दा बहुमत या अल्पमत का नहीं है। अलबत्ता मणिपुर के हालात ने सरकार के भीतर ही विद्रोह सुलगा दिया है। बताया जाता है कि स्पीकर सहित 14 भाजपा और 5 अन्य विधायकों ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिख कर मुख्यमंत्री बदलने की मांग की है। यदि प्रधानमंत्री ने यथासमय निर्णय नहीं लिया, तो सदन में 'विश्वास मत' की नौबत आ सकती है। यदि भाजपा के विद्रोही विधायक अपनी मांग पर अड़े रहे, तो सरकार अल्पमत में आ सकती है। बहरहाल सवाल यह है कि क्या मोदी सरकार मणिपुर को शांत, स्थिर करने की पक्षधर नहीं है अथवा वह विस्फोटक हालात को नियंत्रित करने में अक्षम, नाकाम है? ताजा घटनाक्रम जलने लगा, तो गृहमंत्री अमित शाह ने शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के संग बैठकें कीं। कुछ विद्रोही विधायकों से फोन पर बातचीत भी की गई। अंततः सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह को मणिपुर भेजा गया है। सेना और असम राइफल्स के हजारों जवान तैनात हैं और हालात से जूझ रहे हैं। मणिपुर में 'अफस्पा' लागू है, हालांकि मणिपुर अखंडता की समन्वय समिति इसे हटाने का बार-बार आग्रह कर रही है। हालात ऐसे हैं कि महिलाओं और बच्चों की भी हत्याएं की गई हैं, क्योंकि उनके शव मिले हैं। उसके बाद ही ताजा तनाव फैला है और हिंसा बढ़ी है। इंफाल घाटी में कर्फ्यू लगा है। इंटरनेट और मोबाइल डाटा सेवाएं फिलहाल निलंबित हैं। मुद्दा मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय तनाव का है। यह कैसा मसला है, जिसे भारत सरकार सुलझा नहीं पा रही है? संसद के भीतर और बाहर लगातार सवाल किए जाते रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी एक बार भी मणिपुर क्यों नहीं गए? क्या वह भारत गणराज्य का हिस्सा नहीं है? डबल इंजन की सरकार है, लेकिन न तो मणिपुर 'एक' है और न ही वहां की जनता 'सेफ' है! मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के खिलाफ मुद्दत से असंतोष और विद्रोह देखा जा रहा है, फिर भी उन्हें बरकरार रखने का मोह क्या है? वैसे यह राजनीतिक मसला भी नहीं है। दोनों समुदाय 'जनजातीय दर्जा' हासिल करने को संघर्ष कर रहे हैं। क्या प्रधानमंत्री यह समस्या भी सुलझा नहीं सकते? ये हालात मणिपुर में उग्रवाद की नई लहर पैदा कर सकते हैं। मोदी सरकार आतंकवाद या उग्रवाद अथवा नक्सलवाद को कुचलने के दावे करती रही है, लेकिन मुख्यमंत्री बीरेन सिंह का आवास भी घेरा जाए या हमले की नौबत आ जाए और सुरक्षा बढ़ानी पड़े, तो क्या उन्हें सामान्य हालात कहेंगे? मैतेई समुदाय का आरोप है कि उग्रवादियों ने अपहरण कर उसके लोगों की हत्या की है, जिनके शव मिलने के बाद हालात उग्र हुए थे। बहरहाल मणिपुर में विधायकों के घरों पर हमला करने वाले लोगों को गिरफ्तार किया गया है, दूसरी ओर कुकी समुदाय जिद पर अड़ा है कि जब तक मुठभेड़ में मारे गए उसके युवकों की पोस्टमॉर्टम रपट नहीं मिलेगी, तब तक उनका अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। कुल मिला कर मणिपुर में हालात अराजक हैं, हिंसा और हत्याओं का दौर है, क्या लोकतंत्र में ऐसा ही होता है? क्या प्रधानमंत्री के स्तर पर एक जनजातीय दर्जे का मसला हल नहीं किया जा सकता।

गुस्सा और आक्रोश इस पराकाष्ठा तक पहुंच चुके हैं कि पहली बार मंत्रियों और विधायकों के आवास बड़े स्तर पर निशाने पर हैं। रविवार को एक भाजपा विधायक का घर फूंक दिया गया। भाजपा-कांग्रेस के दफ्तरों में तोड़-फोड़ की जा रही है। तीन मंत्रियों सहित 9 विधायकों के घरों पर हमले किए जा चुके हैं। बीते शनिवार को गुस्साई भीड़ ने एनपीपी विधायक रामेश्वर सिंह को घर से निकाल कर खूब पीटा। त्वरित प्रतिक्रिया में एनपीपी ने बीरेन सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया। पार्टी के 7 विधायक हैं। समर्थन वापसी का पत्र भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी भेज दिया गया है। तीन निर्दलीय विधायकों ने भी सरकार से समर्थन खींच लिया है। कुकी समुदाय के 7 विधायक मई, 2023 से ही राज्य की भाजपा सरकार से अलग हैं।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम व अन्य से संबंधित केस में दो टूक कहा है कि इस मामले में मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

बुलडोजर एक्शन पर कोर्ट का आदेश मनमानी पर अंकुश

योगेन्द्र योगी

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोर एक्शन के मामले में फैसला देकर सरकारों का यह सपना तोड़ दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली की आप सरकार के मामले में दिया है, किन्तु यह लागू सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर को बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए तीखी टिप्पणी की। साथ ही बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर गाइडलाइन तय कर दी।

सरकारें की गलतफहमी है कि एक बार चुनाव जीतने के बाद उन्हें मनमानी का अधिकार मिल जाता है। इसी भ्रम में सरकारें अपने को अदालत से ऊपर समझने लगती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोर एक्शन के मामले में फैसला देकर सरकारों का यह सपना तोड़ दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली की आप सरकार के मामले में दिया है, किन्तु यह लागू सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर को बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए तीखी टिप्पणी की। साथ ही बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर गाइडलाइन तय कर दी। फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने दो टूक कहा कि किसी भी मामले में आरोपी होने या दोषी ठहराए जाने पर भी घर तोडना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जमीयत उलेमा-ए-हिन्द बनाम उत्तरी दिल्ली नगर निगम व अन्य से संबंधित केस में दो टूक कहा है कि इस मामले में मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारी मनमाने तरीके से काम नहीं कर सकते। बगैर सुनवाई आरोपी को दोषी नहीं करार नहीं दिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा अपना घर पाने की चाहत हर दिल में होती है। यद्यपि यह फैसला दिल्ली सरकर से संबंधित है पर इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस फैसले के बाद अब योगी सरकार के लिए बुलडोजर एक्शन लेना भी मुश्किल हो जाएगा। कार्यपालिका के पास असीम शक्तियां होती हैं। इसी बल पर हर साल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को कार्यपालिका विभिन्न कारणों को आधार बनाकर सैकड़ों आदेशों का अनुपालन नहीं करती है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से शुरु हुआ बुलडोजर एक्शन का यह सिलसिला पूरे देश में फैल गया था। राज्यों की सरकारों ने इसका राजनीतिक इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखी। वोट बैंक राजनीति ऐसे फैसलों में साफ नजर आती है। हालांकि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक्शन अपराधियों के आवास और व्यवसायिक प्रतिष्ठान गिराने के लिए लिया गया था। बुलडोजर एक्शन में भी अपराधियों में भेदभाव के उदारहण मौजूद हैं। इसका दुरुपयोग भी सांप्रदायिक आधार पर किया गया। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी सख्त कार्रवाई से अपराधियों में कहीं न कहीं खौफ उत्पन्न होता है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने जिस तरह माफिया या गैंगस्टर का सफाया किया, उससे काफी हद

तक अपराधों पर लगाम लग सकी है। इस कार्रवाई से शायद ही कोई इत्तफाक रखता हो। सवाल यही आता है कि अपराध रोकने की आड़ में सरकार क्या कानून से ऊपर है। बुलडोजर एक्शन में यही बात नजर आती है। दरअसल यह काम देश की अदालतों का है कि सुनवाई के बाद आरोपी को सजा देने या नहीं देने का। बुलडोजर एक्शन में ऐसे न्याय की संभावना पहले ही खत्म हो जाती है, जहां बगैर किसी सुनवाई के फैसला सुना दिया जाता है। इससे यदि आरोपी गलत ना भी हो तो उसे घर या दुकान तुड़वाने की सजा भुगतनी पड़ती है। जबकि सजा तय करने की जिम्मेदारी अदालतों की है। सरकारों की यह हरकत निश्चित तौर पर अदालतों के मामले में दखलंदाजी रही है। बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई सरकारों को बेशक सस्ती लोकप्रियता दिला सकती है, न्याय नहीं। महाराजगंज जिले में सड़क के फोर लेन की चौड़ीकरण के संबंध में एक व्यक्ति के मकान गिराने के लेकर कोर्ट ने काफी तीखी टिप्पणी दी और उत्तर प्रदेश सरकार पर 25 लाख का जुर्माना भी लगाया। हालांकि यह विकास कार्यों के लिए की गई कार्रवाई थी। इसमें सरकार की वह मंशा नहीं थी कि किसी अपराधी का घर गैरकानूनी अवैध कब्जा की बात कहकर गिराई गई हो। फिर भी कोर्ट ने पीड़ित की बात सुनी। इस तरह के अतिक्रमण हटाने के भी कायदे-कानून बने हुए हैं। उनका पालना किए गए बगैर सीधे बुलडोजर दौड़ा देना, अन्याय ही कहा जाएगा। ऐसे मामलों की भी कमी नहीं हैं, जहां आम आदमी की सम्पत्ति को अतिक्रमण के नाम पर ढहा दिया जाता है, वहीं रसूखदारों की तरफ प्रशासन की आंख उठाने की भी हिम्मत नहीं होती। देश का शायद ही ऐसा कोई शहर होगा जहां, प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण तोडने में सरकार और प्रशासन ने उदाहरण पेश किए होंगे। सरकार और प्रशासन प्रभावशाली लोगों के सामने कैसे नतमस्तक हो जाते हैं, इसका सबसे बड़ा उदाहरण नोएडा के ट्विन टावर का मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2021 में सुपरटेक के नोएडा एक्सप्रेसवे पर स्थित एमराल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट के अपैक्स और सियान टॉवरों को अवैध ठहराया था। दोनों 40 मंजिला टावरों को ढहाने का आदेश दिया गया। कोर्ट ने कंपनी को फ्लैट खरीदारों को ब्याज के साथ पैसे वापस करने का आदेश दिया। जबकि इस मामले में सरकार और नोएडा ऑथरिटी सब कुछ जानते हुए भी हाथ पर हाथ धरे हुए बैठे रहे। नोएडा अथॉरिटी को भी इस ध्वस्तिकरण पर निगरानी करने और रिपोर्ट अदालत को देने का आदेश दिया गया है। इस आदेश के कुछ महीनों बाद बाद ट्विन टावर को ढहा दिया गया। बुलडजोर एक्शन लेने वाली सरकार और प्रशासन को यह पहले से ही पता था कि ये टावर नियमों के विपरीत बनाए गए हैं। इसके बावजूद शासन-प्रशासन में बैठे जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे रहे। यहां बुलडोजर चलाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। इसकी उपेक्षा ऐसे ही नहीं की गई। इसमें भारी भ्रष्टाचार की गंध चारों तरफ से आ रही थी, किन्तु अदालत के फैसले से पहले किसी ने इसकी परवाह नहीं की, वहीं कमजोर के मामले में बुलडोजर एक्शन लेने में फुर्ती दिखाई जाती है। देश में भूमाफिया और बिल्डर की शासन-प्रशासन से मिलीभगत के किस्से आम हैं। देश के महानगर से लेकर छोटे शहरों में अतिक्रमणों की बाढ़ आई हुई है। ये अतिक्रमण एक दिन में नहीं हुए। अतिक्रमियों ने सार्वजनिक सुविधा के क्षेत्र तक नहीं छोड़े। देश में शायद ही ऐसी कोई सड़क या फुटपाथ होगा, जहां अतिक्रमण ने पांव नहीं पसारे। वन क्षेत्र हो या गोचर भूमि, यहां तक की तालाब, नदियों और झीलों के बहाव क्षेत्र भी अतिक्रमियों की भेट चढ़ गए, किन्तु शासन-प्रशासन की तंद्रा भंग नहीं हुई। ये तभी जागते हैं जब अदालतों का डंडा चलता है। इन अतिक्रमियों के निर्माण पर बुलडोजर चलाने से सब कतराते हैं। इसका उदाहरण जयपुर का रामगढ़ बांध है। कभी बरसाती जल से सरोबार रहने वाला यह प्रसिद्ध बांध अतिक्रमियों का शिकार हो गया। कभी जयपुर की लाइफ लाइन माने जाने वाला यह बांध कई दशकों से सूखा पड़ा है। देश में ऐसे सैकड़ों उदाहरण मौजूद हैं जहां अतिक्रमियों ने प्राकृतिक स्त्रोतों को ही निगल लिया।

दृष्टि कोण

ट्रंप की वापसी अमेरिकी प्रणाली की सफलता

चार साल पहले, डोनाल्ड ट्रम्प को राजनीतिक रूप से मृत समझा गया था। उन पर दो बार महाभियोग लगाया गया, राज विद्रोह के उच्च अपराध के लिए दोषी ठहराया गया, कई अपराधों के लिए अदालतों में मुकदमा चलाया गया, मीडिया द्वारा उपहास किया गया, और उनका पुनः चुनाव जीतने का प्रयास विफल हो गया। हाल के राष्ट्रपति चुनाव में उनके आश्चर्यजनक पुनरुत्थान ने इसलिए कई राजनीतिक पंडितों और सर्वेक्षण कर्ताओं को चौंका दिया है। ट्रम्प के विरोधी लंबे समय से कहते रहे हैं कि वह अमेरिकी लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और उन्हें राष्ट्रपति पद के आसपास भी नहीं जाने दिया जाना चाहिए। वे उनके निरंकुश व्यवहार, सार्वजनिक प्रवचन में अभद्रता और गैरकानूनी कार्यों की ओर इशारा करते हैं। उन्हें यह भी डर है कि अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ट्रम्प की जेब में है।इन शंकाओं के चलते प्रश्न यह है कि अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था ने ट्रम्प को फिर से जीतने कैसे दिया? इसका जवाब वहां के राष्ट्रपति चुनाव के तंत्र में निहित है, मुख्यतः उनकी 'खुली पार्टी' प्रणाली, प्राथमिक चुनाव व्यवस्था, और इलेक्टोरल कॉलेज। अमेरिका की 'खुली पार्टी' प्रणाली ने ट्रम्प को उनकी 2020 की हार के बावजूद विभिन्न राज्य और स्थानीय चुनावों में उम्मीदवारों को चुनकर और समर्थन करके प्रासंगिक बने रहने की अनुमति दी। यदि अमेरिकी राजनीतिक दलों को पोलित ब्यूरो या पार्टी के आकाओं द्वारा चलाया जाता, तो ट्रम्प को गुमनामी में भेज दिया जाता। परंतु पार्टियों की खुली व्यवस्था होने के कारण वह अपने एजेंडे को अपने उम्मीदवारों के माध्यम से आगे बढ़ाने में सक्षम रहे। ट्रम्प के कई उम्मीदवार बिल्कुल नए चेहरे थे, जैसे एरिजोना में ब्लेक मास्टर्स, जॉर्जिया में हर्शल वॉकर और पेंसिल्वेनिया में मेहमेट ओज। यदि अमेरिका में 'बंद पार्टी' प्रणाली होती, जैसी भारत में है, जहां पार्टी के आका तय करते हैं कि पार्टी लेबल किसे मिलेगा, ट्रम्प पार्टी में उच्च पद के बिना उम्मीदवारों को नहीं चुन पाते। ट्रम्प समर्थित उम्मीदवारों को अमेरिकी प्राथमिक चुनावों की प्रणाली ने उनके 'मैगा' एजेंडे को टेस्ट करने की अनुमति दी। वर्ष 2022 आते, ट्रम्प का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारा लोकलुभावन नीतियों का पर्याय बन गया, जैसे कि सीमा नियंत्रण, कर कटौती, टैरिफ और एंटी-वोक (अत्यंत उदार) सामाजिक नीतियां। ट्रम्प के कुछ निजी मुद्दे, जैसे कि 2020 की चुनावी हार से इनकार, अलोकप्रिय साबित हुए और सुर्खियों से हटते गए। उदाहरण के लिए, एरिजोना में एक ट्रम्प समर्थित उम्मीदवार, कैरी लेक, जिन्होंने चुनावी हार से इनकार को भुनाने की कोशिश की, अपने गवर्नर और फिर सीनेट दोनों चुनावों में हार गयीं। इस सब ने ट्रम्प को राष्ट्रपति के प्राथमिक चुनावों में एक ऐसे 'मैगा' प्लेटफार्म को सामने रखने की अनुमति दी जो पहले से भी अधिक लोकप्रिय था। वह अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करने वाले पहले रिपब्लिकन थे, हालांकि फिर भी उन्होंने 12 विरोधियों की भीड़ का सामना किया। उनमें उनके पूर्व उपराष्ट्रपति (माइक पेंस), पांच गवर्नर (निक्की हेली, रॉन डेसेंटिस, आसा हचिंसन, क्रिस क्रिस्टी, डग बर्गम), एक सीनेटर (टिम स्कॉट), एक हाउस प्रतिनिधि (विल हर्ड), और विवेक रामास्वामी जैसी उच्च स्तरीय हस्तियां शामिल थीं। ट्रम्प का एजेंडा इतना लोकप्रिय था कि प्राइमरी शुरू होने से पहले ही आठ विरोधी बाहर हो गए। हचिंसन और रामास्वामी ने एक प्रतिशत से भी कम वोट हासिल किए और अपनी मुहिम समाप्त कर दी। फ्लोरिडा के गवर्नरशिप आसानी से जीतने वाले डेसांटिस भी केवल 1.6 फीसदी वोट के साथ बाहर हो गए। हेली लगभग 20 फीसदी वोट प्राप्त करने में कामयाब रही, लेकिन वह ट्रम्प की लोकप्रियता का सामना नहीं कर सकीं और अंततः उसका समर्थन किया। आम चुनाव के दौरान, ट्रम्प ने इलेक्टोरल कॉलेज पर ध्यान केंद्रित किया और अपने 'मैगा' एजेंडा को सात 'स्विंग' राज्यों में से प्रत्येक के अनुरूप बनाया। उदाहरण के लिए, पेंसिल्वेनिया में, जहां ज्यादातर कामकाजी वर्ग के लोग रहते हैं, ट्रम्प ने रोजगार वापस लाने के बारे में बात की, जबकि कमला हैरिस प्रजनन अधिकारों पर केंद्रित रहीं। विस्कॉन्सिन, एक ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों से तबाह राज्य, में ट्रम्प ने अफोर्डेबल केयर एक्ट का विकल्प खोजने पर अभियान चलाया, जबकि हैरिस ने दवाओं की कीमत कम करने के बारे में बात की। ट्रम्प ने इन सभी सात राज्यों को 0.9 प्रतिशत (विस्कॉन्सिन) से 5.7 प्रतिशत (एरिजोना) के अंतर से जीता। अंत में, ट्रम्प के 'मैगा' एजेंडे ने कई पारंपरिक रूप से डेमोक्रेटिक मतदाताओं से समर्थन प्राप्त किया। उदाहरण के लिए, शहरी काउंटियों ने रिपब्लिकन पक्ष में 5.8 प्रतिशत, हिस्पैनिक-बहुमत वाली काउंटियों ने 13.3 प्रतिशत और काले-बहुमत वाली काउंटियों ने 2.7 प्रतिशत की ओर रुख किया। ट्रम्प ने अश्वेत पुरुषों के अपने हिस्से को लगभग दोगुना कर दिया, और अपने 2020 अभियान की तुलना में महिलाओं से 3 फीसदी अधिक वोट प्राप्त किए।

कुछ अलग

पोषण के विकल्प

सरकारी हलकों में चावल को खनिजों और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों से समृद्ध करने (फोर्टिफिकेशन) को पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) के एक सदस्य द्वारा हाल ही में लिखे गए एक लेख से पता चला है कि फोर्टिफिकेशन सही विकल्प नहीं है। उन्होंने आगाह किया कि 'फोर्टिफिकेशन रणनीति का एक महत्वपूर्ण चालक अंतरराष्ट्रीय दाताओं और गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई वकालत है', और सुझाव दिया कि 'विभिन्न प्रकार की फोर्टिफिकेशन का समर्थन करने वाले अधिक मजबूत साक्ष्य' की आवश्यकता है। पीएमईएसी ने नवीनतम घरेलू उपभोग सर्वेक्षण डेटा का विश्लेषण किया और दिखाया कि बच्चों और महिलाओं में एनीमिया का प्रसार आयरन स्रोतों की खराब आहार विविधता से जुड़ा है। विश्लेषण ने भारत में आयरन और जिंक के सेवन को बेहतर बनाने और एनीमिया को कम करने के लिए अनाज के सार्वभौमिक फोर्टिफिकेशन के 'सीमित प्रभाव' की ओर संकेत किया। शमिका रवि (पीएमईएसी की एक अन्य सदस्य) और भारतीय सांख्यिकी संस्थान के कई विशेषज्ञों द्वारा 2022-23 और 2011-12 के सर्वेक्षण डेटा पर आधारित विश्लेषण किया गया था। यह सच है कि हमारे देश में एक बड़ी आबादी पर्याप्त पोषण से वंचित है। मुख्य रूप से पोषक तत्वों की कमी (जिसे हम आम तौर पर कुपोषण कहते हैं), इस समस्या की जड़ है। हालांकि पोषक तत्वों की कमी की समस्या के बारे में नीति निर्माताओं की चिंता समझ में आती है, लेकिन नीति निर्माताओं को इस अंतर को भरने के लिए तरीके और साधन विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि भोजन की थाली में पर्याप्त पोषक तत्व सुनिश्चित किए जा सकें। हमें गरीबी को खत्म करने और आम लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए नीतियों का विवेकपूर्ण मिश्रण विकसित करने की आवश्यकता है। आम तौर पर कहा जाता है कि भारतीय महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा आयरन की कमी, यानी एनीमिया से पीड़ित है। इसी तरह, देश में बड़ी संख्या में बच्चे अपनी उम्र और लंबाई के मुकाबले बौने और कमजोर हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि उन्हें बचपन में पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिलते। इसी तरह, कई कारणों से, खासकर पोषक तत्वों के कम सेवन के कारण, लोग विटामिन की कमी से भी पीड़ित होते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कुपोषण से निपटने का सबसे कारगर तरीका भोजन की थाली में पर्याप्त पोषक तत्व होना है। यह समझना होगा कि भोजन की पर्याप्तता और पोषण दो अलग-अलग चीजें हैं। पौष्टिक भोजन के लिए भोजन की थाली में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, खनिज, विटामिन आदि पर्याप्त मात्रा में होने चाहिएं। यह संभव है कि अगर आबादी को आवश्यक कैलोरी के साथ पर्याप्त भोजन मिल भी जाए, तो भी यह जरूरी नहीं है कि उसकी सभी पोषण संबंधी जरूरतें पूरी हो जाएं। आम तौर पर कार्बोहाइड्रेट खाद्यान्नों से प्राप्त होता है, लेकिन प्रोटीन की आवश्यकता ज्यादातर दालों, फलों और सब्जियों, सूखे मेवों, दूध और अंडे, मांस आदि से पूरी होती है। आलू, पत्तेदार सब्जियां, मिर्च, फल, अनाज, वसा, मांस, मछली, मशरूम आदि में असंख्य पोषक तत्व होते हैं। सभी पोषक तत्वों की आवश्यकता पूरी करनी है, तो हमें संतुलित आहार की आवश्यकता है, न कि केवल अनाज की।

देश दुनिया से

सेवानिवृत्त व्यक्ति और विटामिन डी का संबंध

सेवानिवृत्ति हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा है। सेवानिवृत्ति एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है तथा एक नए जीवन की शुरुआत है। कम शब्दों में कहें तो उत्साह एवं कर्मण्यता का पुनर्जन्म है सेवानिवृत्ति। यह ऐसा अवसर होता है जिसमें खुशी और गम दोनों का समावेश होता है। अपने 40 वर्ष के लंबे सेवाकाल के उपरांत मैं लगभग तीन माह पहले ही सेवानिवृत्त हुआ हूं, लेकिन इस अल्पकाल में ही मुझे इस कालखंड के अनुभव का अनोखा ज्ञान प्राप्त हो गया है। मेरे साथी, जो मुझसे कुछ समय पहले रिटायर हुए थे, उनकी दिनचर्या ने मेरे ज्ञान में और बढ़ोतरी की है। मैं अपना अनुभव पाठकों से सांझा करना चाहूंगा ताकि इस विषय पर वे भी अपना मत रखें। सेवानिवृत्ति के बाद जीवन में कुछ बदलाव आते हैं जो निम्नानुसार संकलित हैं : 1. अपने कार्यकाल में सरकारी गाड़ी या अपनी लंबी-सी गाड़ी, जिसमें तेल डलवाने के पैसे सरकार देती है, का ताउम्र उपयोग करने वाला अधिकारी सेवानिवृत्त होते ही स्कूटी खरीदता है जिसकी माइलेज कम से कम 50 किलोमीटर प्रति लीटर होनी चाहिए। हो सकता है अगले दो साल के अंदर वह साइकिल खरीद ले, ताकि परिवहन खर्च जीरो पर आ जाए। 2. विवाह, शादी या किसी अन्य समारोह में जहां वह 1100 रुपए का शगुन देता था, अब उसके शगुन के लिफाफे में 101 रुपए से ज्यादा नहीं होते। जो लिफाफा पहले कभी उसकी कमीज की ऊपर वाली जेब में सुशोभित हुआ करता था, वह पैंट की पिछली जेब में पहुंच जाता है। 3. जिस मोबाइल फोन की घंटी कभी सुबह से शाम तक बजती थी, सेवानिवृत्ति के बाद वह प्रायः मृत अवस्था में पड़ा दीखता है। व्यक्ति कभी उसकी बैटरी निकाल कर देखता है या कभी अपनी हथेली पर मार कर चैक करता है कि कहीं कोई खराबी तो नहीं आ गई। लेकिन यह समझने में उसे कुछ समय लगता है कि वह रिटायर हो चुका है तथा कम से कम कार्यालय से आने वाली फोन कॉल रिटायरमेंट के अगले दिन से ही बंद हो चुकी है। 4. पहले जहां अधिकतर फोन कॉल ऑफिस के कार्य हेतु वरिष्ठ या कनिष्ठ अधिकारियों के आते थे, उनकी जगह अब बैंकों या वित्तीय कंपनियों के एजैंट रिटायर्ड व्यक्ति को उसकी भविष्य निधि की जमा पूंजी अपने-अपने संस्थानों में निवेश करने हेतु प्रेरित करते हुए फोन करते नहीं थकते। 5. यदि बीवी नौकरी में है, तो वह सुबह जाते हुए बहुत से काम दे कर जाएगी, जैसे कौनसी सब्जी लानी है तथा यदि पका नहीं सकते, तो कम से कम काट कर रखना है। दूध जरूर उबालना है, नहीं तो फट जाएगा। धुले कपड़ों को धूप में सलीके से आगे-पीछे करते रहना, ताकि ढंग से सूख जाएं। यदि हो सके तो दर्जी से मेरा सूट ले आना और सारा दिन धूप में बालकनी में नहीं बैठे रहना। 6. यदा-कदा घर की मेड (गृह-सहायिका) जब छुट्टी पर होती है, तब छोटे-मोटे कार्य स्वयं निपटाने पड़ते हैं और इन्हीं कार्यों को करते हुए यह पता चलता है कि झाड़ू लगाते समय आगे की ओर बढना है और पोंछा लगाते हुए पीछे को चलना है। यही जीवन का सत्य है। 7. जैसे कोरोना काल में हुआ था, पैंट का स्थान पायजामा ले लेता है क्योंकि पैंट पहन कर जाना कहां है, यह यक्ष प्रश्न रिटायर्ड व्यक्ति के सम्मुख खड़ा हो जाता है। वही पायजामा जिसे पहनना कभी हीनता की भावना से देखा जाता था, अब अलमारी में पड़ी पैंट को चिढ़ा रहा होता है। यही काल चक्र है। जिंदगी में प्राथमिकताएं बदलती रहती हैं। निःसंदेह सेवानिवृत्ति के बहुत से फायदे भी हैं, बशर्ते आप को अच्छी पेंशन मिलती हो या आपने अपनी भविष्य निधि का समझदारी से निवेश किया हो। मेरी समझ के अनुसार निम्नलिखित बातें रिटायर्ड व्यक्ति के पक्ष में जाती हैं : 1. उस व्यक्ति को आप क्या कहेंगे जो सोमवार को सबसे ज्यादा खुश होता है, तो उत्तर होगा रिटायर्ड व्यक्ति को सुबह जल्दी उठने की टैंशन नहीं होती। 2. इसी तरह न कार्यालय में देरी से पहुंचने की परेशानी। न बायोमेट्रिक्स पंच की चिंता और न ही बॉस की डांट का डर। जिस व्यक्ति को सर्विस के दौरान अपनी शादी हेतु तीन दिन की छुट्टी के लिए गिड़गिड़ाना पड़ा हो, वह अब किसी की शादी, सगाई, धाम, व्रत उद्यापन या मुंडन संस्कार में भी बेझिझक शामिल हो सकता है। 3. जब तक हम सर्विस में होते हैं तो इनसान के पास सब कुछ होता है जैसे सरकारी मकान, गाड़ी, सुख-सुविधाएं, सैलरी तथा रुतबा। बस समय नहीं होता। और रिटायरमेंट के बाद सिवाय समय के और कुछ नहीं होता। इसलिए समय के सदुपयोग का यह सुअवसर एक लंबे काल खंड उपरांत मिलता है। 4. सेवानिवृत्ति का सबसे बड़ा फायदा यह है कि सेवानिवृत्त व्यक्ति का विटामिन 'डी' कभी कम नहीं हो सकता, क्योंकि सूर्य के पूर्व में उदय होने से लेकर पश्चिम में अस्त होने तक की धूप का आनंद केवल रिटायर्ड इनसान ही लेता है। इसलिए जीवन के इस महत्वपूर्ण समय का आनंद लीजिए। अपनी दिनचर्या अपने हिसाब से तय करें, क्योंकि अपनी जिंदगी के बॉस अब आप स्वयं हैं। उम्र के हिसाब से आचरण करते हुए अब भी लक्ष्य निर्धारित किए जा सकते हैं। हां, भावनाओं पर नियंत्रण आवश्यक है। इतना जरूर याद रखना होगा कि अब हम वरिष्ठ नागरिकों की श्रेणी में हैं। फिर भी 'इश्क होने लगे तो पूजा-पाठ कर लिया करो दोस्तो, मोहब्बत होगी तो मिल जाएगी, बला होगी तो टल जाएगी।' मेरे जो साथी रिटायरमेंट के बाद भी उपरोक्त परिवर्तनों से परे हैं या जिन पर यह लेख लागू नहीं होता, वे बधाई के पात्र हैं। जिंदगी में बहुत से फिक्र हैं। लेकिन खुशी तो छोटी-छोटी बातों में ढूंढनी पड़ेगी। स्वयं को खुश रखें, हंसते रहें, हंसाते रहें। क्योंकि जब आप हंसेंगे, जमाना आप के साथ हंसेगा, लेकिन जब रोयेंगे तो कोई रोने नहीं आएगा। किसी शायर ने क्या खूब कहा है कि : 'चिंता इतनी कीजिए कि काम हो जाए, पर इतनी नहीं कि जिंदगी तमाम हो जाए, सबको मालूम है कि जिंदगी बेहाल है, लोग फिर भी पूछते हैं, और सुनाओ क्या हाल है।' बहरहाल, सेवानिवृत्ति का आनंद लीजिए।

आप का नजरिया

राष्ट्रीय प्रेस दिवस...

लोक सम्पर्क विभाग द्वारा फाईव स्टार होटेल में आयोजित किए जाने वाले लंच के साथ राष्ट्रीय प्रेस डे में शामिल होने का निमंत्रण मिलते ही झुन्नू लाल की बांछें खिल उठीं। वह अपने पत्रकार होने पर इतराने लगे। कितने सम्मान की बात है कि वह राज्य स्तरीय मान्यता पत्रकार हैं। यह बात अलग है कि संस्थान से उन्हें नाम मात्र वेतन ही मिलता है। पत्नी सरकारी नौकर न होतीं, तो घर का ख़र्च चलाना मुश्किल हो जाता। वह अन्य पत्रकारों की तरह नहीं कि सचिवालय और लोक सम्पर्क विभाग के चक्कर काटें या निजी संस्थानों से विज्ञापन इक्‍ करें। हां, सरकारी विभागों से जो विज्ञापन स्वयं आ जाते हैं, उनसे कुछ कमीशन अवश्य मिल जाती है। झुन्नू लाल ने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लोक सम्पर्क विभाग द्वारा की गई व्यवस्था के बारे में जानने के लिए फोन किया तो पीआरओ ने बताया कि अगर वह चाहें तो उन्हें घर से उठाया जा सकता है। घर से उठाने की बात सुनते ही पहले तो झुन्नू ख़ूब हंसे। फिर संजीदा होकर उसके अर्थ पर विचार करने लगे। घर से उठाने का मतलब। पर अब सचमुच माहौल ही ऐसा है कि सत्ता से आम आदमी या व्यवस्था से जुड़े सवाल उठाए जाने पर किसी पत्रकार या सामाजिक कार्यकर्ता को कभी भी उठाया जा सकता है। उसके खिलाफ थाने में एफआईआर दजर्.करवाई जा सकती है। उसकी हत्या करवाई जा सकती है। असामाजिक तत्व और सत्ता तराज़ू के एक ही पलड़े में बैठ कर ऐसे हरिश्चंद्रों का हिसाब-किताब करने में देर नहीं लगाते। उनके दिमाग़ में गौरी लंकेश, दाभोलकर, सिद्दीकी कप्पन, ज़ेवियर जैसे कितने ही नाम कौंध गए। वह सोचने लगे कि ऐसे माहौल में अब नेशनल प्रेस डे मनाने का क्या औचित्य? जहां कलम पर इतनी बंदिशें हैं कि कुछ लिखो तो पहले मार्केटिंग वाले चैक करते हैं कि कहीं लिखा हुआ सरकार और विज्ञापनदाताओं के हितों के खिलाफ तो नहीं। कुछ साल पहले तक वह आए दिन कोई न कोई स्कूप निकाल लेते थे। लेकिन अब स्कूप क्या, अगर कोई ढंग की स्टोरी भी करनी हो तो इतनी मुश्किलें हैं। अगर इससे बच भी गए तो दूसरे दिन सरकारी सलाहकार और विभाग धमकाने लगते हैं। विज्ञापन रुक जाता है। ख़बरें छपना बंद हो जाती हैं। वह सोचने लगे कि जब समूचे विश्व के लोकतंत्रों में निर्वाचित नेताओं द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता और उसके मौलिक अधिकार पर हमला हो रहा है, ऐसे में उनके पास मूंगफली बेचने के अलावा क्या विकल्प बचता है? सरकार मानती है कि उसे उसके किसी भी क़दम के लिए जवाबदेह ठहराना प्रेस की ज़िम्मेदारी नहीं। मीडिया सरकार के तलवे चाटने में व्यस्त है। इस पर भी तुर्रा यह कि सरकार को प्रेस बताती है कि उसे किस प्रकार और कैसी कवरेज करनी चाहिए। विरोध करने वाले पत्रकारों को डराया जाता है। उन्हें लगा कि अब प्रेस मिशन नहीं बिजनेस हो चुका है और बिजनेस में समाज का नहीं अपना हित साधा जाता है। पर आम आदमी कहां जाए? यह सोचते ही उनके चेहरे पर तिरछी मुस्कान फैल गई। वह सोचने लगे कि अगर दिमाग़ का फितूर न हो तो वह भी तो आम आदमी हैं।

भारत-चीन के विदेशमंत्री मिले, टकराव वाले इलाकों से सैनिकों की वापसी प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा

रियो डी जेनेरियो, 19 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी ने ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में चल रहे जी-20 शिखर सम्मेलन से अलग एक बैठक में मुलाकात की। बैठक में पर्वतीय क्षेत्र पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग की सीमाओं से दोनों देशों की सेनाओं की वापसी की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। सीमाओं पर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास टकराव के दो बिंदुओं से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस प्रक्रिया के पूरी होने के बाद दोनों पक्षों के बीच यह पहली उच्चस्तरीय बैठक है।

भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर ने एक्स हैंडल पर लिखा, रियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान सीपीसी (चीनी कम्युनिस्ट पार्टी) पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीन के विदेशमंत्री वांग यी से मुलाकात की। हमने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों से हालिया सैन्य वापसी प्रक्रिया में हुई प्रगति पर गौर किया। हमारे द्विपक्षीय संबंधों की दिशा में अगले कदमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वैश्विक स्थिति पर भी चर्चा की। ब्राजील दो दिवसीय (18-19 नवंबर) जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए दुनिया के प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल के वरिष्ठ सदस्यों में विदेशमंत्री जयशंकर भी हैं।

न्यूज ब्रीफ

20 नवंबर 1979 - मस्जिद पर 200 बंदूकधारियों ने हमलाकर सऊदी के प्रिन्स को दी थी खुली चुनौती

रियाद। 20 नवंबर 1979 को सऊदी में एक भयानक घटना हुई थी। इस दिन जुहैमान अल-उतैबी के नेतृत्व

में एक हथियारबंद समूह ने बड़ी मस्जिद पर कब्जा कर लिया था, जो इस्लाम का सबसे पवित्र स्थल है। इस हमले ने न सिर्फ सऊदी अरब, बल्कि पूरे मुस्लिम दुनिया को हिला दिया और सऊदी अरब की राजनीति को नया मोड़ दिया। सऊदी अरब का मक्का शहर जो दुनिया भर के मुसलमानों के लिए श्रद्धा का केंद्र है। पूर्व सैनिक और धार्मिक उपदेशक जुहैमान अल-उतैबी ने अपने अनुयायियों के साथ मिलकर सऊदी शासकों के खिलाफ विद्रोह का आह्वान किया था। वह यह मानता था कि सऊदी अरब में धार्मिक क्रांति की जरूरत है। 20 नवंबर की सुबह करीब 50,000 लोग काबा की ओर नमाज पढ़ने के लिए इकट्ठा हुए थे। इस समय अचानक 200 हथियारबंद हमलावरों ने मस्जिद में घुसकर श्रद्धालुओं को बंधक बना लिया और इमाम को गोली मारने की धमकी दी। उन्होंने माइक पर ऐलान किया कि काबा और सऊदी शासन को अधर्मियों से बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। इसके बाद, हमलावरों ने बंदूकें निकालीं और मस्जिद के सभी द्वार बंद कर दिए। सऊदी सरकार के लिए बड़ी चुनौती सुरक्षा बलों की शुरुआती प्रतिक्रिया बहुत धीमी थी, क्योंकि उस समय के क्राउन प्रिंस फहद बिन अब्दुलअजीज और अन्य प्रमुख राजनेता विदेश यात्रा पर थे। जब सऊदी पुलिस ने मस्जिद के आसपास पहुंचने की कोशिश की, तो उन पर गोलीबारी हुई और उन्हें भागना पड़ा। यह घटना न केवल सऊदी सुरक्षा बलों के लिए बल्कि पूरी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई। मस्जिद की बड़ी इमारत और उसकी संरचना ने इसे सुरक्षा बलों के लिए एक कठिन लक्ष्य बना दिया था। सऊदी सेना का हमलावरों के खिलाफ ऑपरेशन सऊदी सेना ने इस स्थिति को गंभीरता से लिया और बख्तरबंद वाहनों, तोपों और मिसाइलों का उपयोग करके हमलावरों के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया।

इजरायल ने लेबनान के संसद भवन और दूतावासों पर किया हमला

बेरूत। सोमवार देर रात इजरायल ने लेबनान की राजधानी में घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र को

निशाना बनाया। हमलों में बेरूत के जिस क्षेत्र को निशाना बनाया गया वहां से पास में ही संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, संसद भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय और कई दूतावास हैं। लेबनान की सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने कहा कि बेरूत के जौक अल-ब्लाट इलाके में दो मिसाइलें गिरी हैं। यह हमला ऐसे वक्त हुआ है जब खबर आई है कि अमेरिकी दूत ने युद्धविराम वार्ता के लिए अपनी यात्रा स्थगित कर दी है। हमले के कुछ ही मिनटों बाद, लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सभी देशों और निर्णयकर्ताओं से यह अपेक्षित है कि वे लेबनान पर खूनी और विनाशकारी इजराइली हमलों को रोकें और अंतरराष्ट्रीय प्रस्तावों, विशेष रूप से प्रस्ताव 1701 को लागू करें।' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 को 2006 में अपनाया गया था, जिसका उद्देश्य दक्षिणी लेबनान में एक बफर जोन बनाना तथा इजराइल और हिजबुल्ला के बीच शत्रुता को समाप्त करना था। एक महीने से ज्यादा समय तक के विराम के बाद मध्य बेरूत पर लगातार दूसरे दिन इजराइल ने हमला किया।

एलन मस्क की कंपनी ने भारत की सैटेलाइट को अंतरिक्ष में पहुंचाया

वॉशिंगटन। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स की मदद से भारत की सैटेलाइट जीएसएटी-एन 2 या जीएसएटी 20 सफलतापूर्वक लॉन्च हो चुकी है। इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने स्पेस एक्स के फॉल्कन 9 रॉकेट की मदद से सैटेलाइट की लॉन्च कराया। खबर है कि इस सैटेलाइट की मदद से संचार व्यवस्था और इंटरनेट के मामले में बड़े फायदे के आसार हैं। सैटेलाइट को 32 यूजर बीम्स से डिजाइन किया गया है, जिसमें 8 संकरी और 24 चौड़ी बीम शामिल हैं। इन सभी पर देशभर में फैले सब स्टेशन काम कर रहे हैं। खास बात है कि भारत लगभग 430 विदेशी सैटेलाइट लॉन्च कर चुका है, लेकिन इस विदेशी सैटेलाइट को केप कार्निवल से लॉन्च किया जाना था। मस्क से पहले भारत भारी सैटेलाइट्स के लिए यूरोप के एरियनस्पेस पर निर्भर रहता था। इस सफलतापूर्वक लॉन्चिंग के कुछ समय बाद ही स्पेस एक्स ने कुछ वीडियो जारी किए हैं, जिनमें नजर आ रहा है कि कैसे फॉल्कन 9 ने इन्हें अंतरिक्ष तक पहुंचाया। भारतीय सैटेलाइट 4700 किलोग्राम वजन की है।

नेपाल-भारत सीमा सुरक्षा बैठक 11 बिंदुओं पर संयुक्त हस्ताक्षर

काठमांडू, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

नेपाल-भारत सीमा सुरक्षा को लेकर दोनों देशों के अधिकारियों के बीच तीन दिनों से चल रही उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हो गई। भारत के सीमा सुरक्षा बल एसएसबी के महानिदेशक और सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के नेतृत्व में हुई बैठक में सीमा पार अपराध नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाने का निष्कर्ष निकाला गया है।

काठमांडू में तीन दिनों तक चली बैठक में दोनों देशों के संयुक्त प्रयास से सीमा सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाकर सीमा से अपराध पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्णय लिया गया है।

पिछले शनिवार को शुरू हुई बैठक में सशस्त्र पुलिस महानिरीक्षक राजू अर्याल और भारत के सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) के महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद ने 11 एजेंडे पर चर्चा के बाद संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। संयुक्त समझौता ज्ञापन में सीमा पार अपराध नियंत्रण और सीमा सुरक्षा पर सहयोग शामिल है। संयुक्त समझौता ज्ञापन में सीमा पार अपराध नियंत्रण और सीमा सुरक्षा पर सहयोग शामिल है।

बैठक में सहभागी गृह मंत्रालय के प्रवक्ता संयुक्त सचिव ऋषि राम तिवारी ने बताया कि सीमा अपराध नियंत्रण, सूचना आदान-प्रदान, राजस्व चोरी नियंत्रण, नशीली दवाओं की तस्करी और तीसरे देश के नागरिकों के अवैध प्रवेश पर नियंत्रण पर अधिक प्रभावी उपाय करने पर सहमति हुई।

उनके अनुसार, नेपाल की सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली सशस्त्र पुलिस और भारत की एसएसबी के बीच बैठक में सीमा सुरक्षा को और अधिक व्यवस्थित बनाने, दसगजा क्षेत्र को अपराधमुक्त करने और सोने की तस्करी और मानव तस्करी को नियंत्रित करने के लिए संयुक्त पहल करने पर एक संयुक्त समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। बैठक में नेपाल की ओर से सशस्त्र बल के महानिरीक्षक अर्याल समेत गृह मंत्रालय, नेपाल पुलिस, जांच विभाग, सर्वेक्षण विभाग, विदेश मंत्रालय के उच्च सुरक्षा अधिकारियों की सहभागिता रही। भारत के सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) के महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम ने भाग लिया। बैठक में भारतीय पक्ष ने यह विचार प्रस्तुत किया कि तीसरे देशों के नागरिकों की पहचान की समस्या के कारण आपसी सहयोग आवश्यक है। इसी तरह, भारत ने कहा है कि चूंकि नेपाल के रास्ते तीसरे देशों से भारत में सोने की तस्करी हो रही है, इसलिए इसे नियंत्रित करने के लिए सहयोग जरूरी है। यह बैठक प्रत्येक वर्ष बारी-बारी से नेपाल और भारत में आयोजित की जाती थी। अब हर छह-छह महीने में बारी-बारी से बैठकें आयोजित करने का प्रस्ताव भी पारित हो गया है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्ष सीमा सुरक्षा अधिकारियों और जिला अधिकारियों की नियमित बैठक पर सहमत हुए है।

ब्रिटेन के शाही महल में चोरी, नकाबपोश ट्रक और बाइक चुराकर ले गए

लंदन। ब्रिटेन में शाही परिवार भी अब सुरक्षित नहीं रहा। ब्रिटिश राज घराने के शाही महल विंडसर कैसल में नकाबपोश ट्रक से दरवाजा तोड़कर महल मे घुसे।सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए नकाबपोश फार्म हाउस से एक छोटे ट्रक और बाइक को लेकर भाग गए। विंडसर पैलेस में जब यह घटना हुई।उस समय किंग चार्ल्स और रानी कैमिला महल में नहीं थी। प्रिंस विलियम और कैट मिडलटन अपने तीन बच्चों के साथ जरूर महल के अंदर बने कॉटेज में सो रहे थे। यह घटना 13 अक्टूबर की बताई जा रही है। 2021 में भी सुरक्षा में बड़ी चूक हुई थी। एक हमलावर दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को मारने के लिए महल में घुसा था। उसे पकड़ लिया गया था। उसको कोर्ट ने 7 साल की सजा सुनाई थी। 2023 में भी एक व्यक्ति किंग चार्ल्स के निवास तक पहुंच गया था। जिसे सुरक्षा बल ने गिरफ्तार कर लिया था। ब्रिटेन का शाही महल अब सुरक्षित नहीं रहा।

चीन में बेरोजगारी के चलते हिंसक हो रहे युवा, कुछ दिनों में 43 की हत्या

बीजिंग, 19 नवंबर (एजेंसियां)। चीन में अर्थव्यवस्था में मंदी के हालात के चलते युवा वर्ग में हताशा बढ़ती जा रही है। बीते कुछ सालों में चीन की अर्थव्यवस्था में मैन्युफैक्चरिंग से लेकर आवास क्षेत्र में गिरावट देखी गई है। इससे न केवल बेरोजगारी बढ़ी है, बल्कि युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार नौकरियां भी नहीं मिल रही हैं, जिससे वे मानसिक तनाव और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। चीन के आर्थिक संकट की वजह से वहां के युवा निराश हो गए हैं। नौकरी की कमी और आर्थिक कठिनाइयों के चलते कुछ युवाओं ने हिंसा तक की घटनाओं को अंजाम दिया। हाल ही में पूर्वी चीन में एक युवक ने अपनी नौकरी से परेशान होकर चाकू से हमला कर आठ लोगों की हत्या कर दी और 17 अन्य को घायल कर दिया। इसी तरह की एक दूसरी घटना में दक्षिणी चीन के झुहाई में एक व्यक्ति ने अपनी कार से एक भीड़ को रौंद दिया, जिससे 35 लोग मारे गए और 43 घायल हुए। अक्टूबर में शंघाई के सुपरमार्केट में चाकूबाजी की घटना भी इसी तरह की एक दुखद घटना थी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। इन घटनाओं के पीछे मुख्य कारण युवाओं का मानसिक तनाव और डिप्रेशन है, क्योंकि वे अपनी शिक्षा और योग्यता के अनुसार उचित नौकरी पाने में असमर्थ हैं। इस स्थिति को देखते हुए चीन की सरकार ने आगामी पांच वर्षों में 1.4 ट्रिलियन डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की है। यह पैकेज भारत की कुल अर्थव्यवस्था का लगभग 40 प्रतिशत है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह राहत पैकेज पर्याप्त नहीं है और सरकार को और प्रयास करने चाहिए।चीन में बीते तीन दशकों में आर्थिक वृद्धि की दर बहुत तेज रही, लेकिन अब आर्थिक वृद्धि में ठहराव आ चुका है, जिसके कारण रोजगार के अवसर भी कम हो गए हैं। इस संकट को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को और राहत पैकेज जारी करने की आवश्यकता है, ताकि अर्थव्यवस्था को पुनः गति मिल सके और युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर उत्पन्न किए जा सकें।

पाकिस्तान: आतंकियों ने 7 पुलिसकर्मियों का अपहरण किया

खैबर पख्तूनख्वा, 19 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले के वजीर उपखंड में अज्ञात हथियारबंद आतंकवादियों ने रोचा चेक पोस्ट से 7 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर लिया। जिला पुलिस अधीक्षक जियाउद्दीन अहमद ने इसकी पुष्टि की।

यह वाकया सोमवार रात का है। हथियारबंद आतंकवादी चेक पोस्ट को घेरने के बाद जबरन उसमें घुस गए और वहां तैनात पुलिसकर्मियों को बंदूक के दम पर बंधक बना लिया। इसके बाद उनकी राइफलें भी छीन लीं।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की बड़ी टुकड़ी इलाके में पहुंची और सुदूर और पहाड़ी इलाके में अपहृत पुलिस कर्मचारियों की तलाश में चप्पा-चप्पा छाना। रोचा चेक पोस्ट उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा पर बन्नू जिले के ओटमानजई पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित है।

COP29: भारत की अमीर देशों से मांग, कहा- वैश्विक दक्षिण में जलवायु न्याय के सिद्धांत पर आधारित हो वित्त लक्ष्य

बाकू झील

अजरबैजान के बाकू में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के 29वें सम्मेलन में मंगलवार को भारत ने कहा कि वैश्विक दक्षिण के लिए नए जलवायु वित्त लक्ष्य को जलवायु न्याय के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। भारत ने अमीर देशों से मांग की कि वे शमन में अग्रणी भूमिका निभाएं और विकासशील देशों के लिए पर्याप्त कार्बन स्पेस दें।

भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे केंद्रीय पर्यावरण राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि कुछ विकसित देशों के प्रतिबंधात्मक एकतरफा व्यापार उपाय विकासशील देशों में जलवायु कार्रवाई में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम यहां नए जलवायु वित्त लक्ष्य पर जो भी निर्णय लेते हैं, वह जलवायु न्याय के सिद्धांत पर आधारित होने चाहिए। यह निर्णय महत्वाकांक्षी और स्पष्ट हों, जिसमें विकासशील देशों की उभरती जरूरतों और

प्राथमिकताओं और सतत विकास और गरीबी उन्मूलन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखा जाए।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक दक्षिण में जलवायु महत्वाकांक्षा को बढ़ाने के लिए मुफ्त ग्रीन टेक्नोलॉजी और वित्त उपलब्धता जरूरी है। मगर कुछ विकसित देशों ने एकतरफा उपायों का सहारा लिया है। इससे वैश्विक दक्षिण देशों के लिए जलवायु कार्रवाई और अधिक कठिन हो गई है। हम जिस उभरती स्थिति में हैं, वैश्विक दक्षिण में प्रौद्योगिकी, वित्त और क्षमता के प्रवाह के लिए सभी बाधाओं को तोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।सिंह ने कहा कि दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस तक तापमान वृद्धि को सीमित करने के लिए कार्बन बजट का उल्लंघन करने जा रही है। इसलिए विकसित देशों को अपने शुद्ध शून्य लक्ष्यों को आगे बढ़ाकर और हमारे जैसे विकासशील देशों के विकास के लिए पर्याप्त कार्बन स्थान प्रदान करके शमन कार्यों में नेतृत्व दिखाना चाहिए।भारत ने सोमवार को अमीर देशों से अपील की थी कि वे तकनीकी हस्तांतरण पर लगी बाधाएं खत्म करें, जलवायु वित्त (क्लाइमेट फाइनेंस) में बढ़ोतरी करें, और जलवायु कार्रवाई के नाम पर लागू किए जा रहे अनुचित व्यापारिक कदमों से बचें। यह अपील संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता (यूएन क्लाइमेट टॉक्स) में 2030 से पहले के लक्ष्यों पर आयोजित एक उच्चस्तरीय मंत्रिस्तरीय बैठक में की गई थी।

भारत की पर्यावरण सचिव लीना नंदन ने अमीर देशों से कहा था कि वे उत्सर्जन में कटौती और 2030 तक नेट-जीरो हासिल करने में नेतृत्व दिखाएं।

चीन के हुनान प्रांत में प्राथमिक स्कूल के बाहर भीड़ पर कार चढ़ाई, कई बच्चे घायल

बीजिंग, 19 नवंबर। चीन में एक बार फिर भीड़ पर कार चढ़ाने का मामला सामने आया है। इस बार दक्षिणी हुनान प्रांत में एक प्राथमिक स्कूल के बाहर लोगों को कार से कुचला गया है।घटना सुबह 7:50 बजे डिंगचेंग जिले के योंगान प्राथमिक स्कूल की बताई जा रही है। अभी हताहतों की संख्या सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि काफी बच्चे बुरी तरह जख्मी हुए हैं।घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है।

सुबह के समय जब बच्चे और उनके अभिभावक स्कूल के गेट पर खड़े थे, तभी एक सफेद रंग की एसयूपी कार भीड़ में घुस गई और लोगों को कुचल दिया।घटना के बाद लोगों ने कार चालक को पकड़ लिया और लाठियों से पीट दिया। हादसे के बाद के वीडियो में लोग इधर-उधर भागते दिख रहे हैं।लोगों ने गुस्से में कार को भी निशाना बनाया और उसमें तोडफ़ोड़ की। सभी घायल अस्पताल में भर्ती हैं।

चीन में जानबूझकर बदला लेने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। अभी 12 नवंबर को दक्षिणी चीन में एक स्टेडियम के बाहर कार सवार ने लोगों को कुचल दिया, जिसमें 35 की मौत हो गई।इसके बाद पूर्वी चीन के एक व्यावसायिक स्कूल में चाकू से हमला किया गया, जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हुए हैं।अक्टूबर में शंघाई के एक सुपरमार्केट में चाकू घोंपकर 3 लोगों को मौत के घाट उतारा गया।

पाकिस्तान में 9 आतंकी ढेर, जिसमें लश्कर-ए-इस्लाम के थे 2 कमांडर

इस्लामाबाद, 19 नवंबर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार देर रात सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें कम से कम 9 आतंकवादी और 8 सुरक्षाकर्मी मारे गए। यह मुठभेड़ खैबर जिले के तिराह मैदान घाटी में चलाए गए एक आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान हुई।सूत्रों के अनुसार, इस अभियान के दौरान लश्कर-ए-इस्लाम के दो महत्वपूर्ण कमांडर भी मारे गए। मुठभेड़ में 7 सुरक्षाकर्मी और 6 आतंकवादी घायल हुए हैं। सुरक्षाबलों ने तीन अलग-अलग बिंदुओं पर अपनी तैनाती की थी और कई घंटों तक यह अभियान जारी रहा। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस अभियान में आस-पास के कुछ नागरिक भी घायल हो गए हैं। सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन तेज किया है।

राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता 26 नवम्बर से होगी शुरू, सभी राज्यों से चार हजार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

लखनऊ,19 नवंबर (एजेंसियां) ।

राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता (अंडर-17) बालक, बालिकाओं की एथलेटिक्स प्रतियोगिता 26 नवम्बर से शुरु हो रही है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कालेज में यह प्रतियोगिता 30 नवम्बर तक चलेगी। इस प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों, केन्द्रशासित प्रदेशों तथा कतिपय संगठन व सोसाइटीज सहित कुल 45 इकाईयों की टीमों के लगभग 3960 विद्यार्थी, कोच एवं टीम मैनेजर द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। मंगलवार को अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा, वित्त और गृह दीपक कुमार ने इसका शुभकंर, प्रतीक चिह्न और ट्राफी का अनावरण किया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक यूनिट में 42 बालक एवं 42 बालिका के साथ ही दो-दो कोच एवं मैनेजर होंगे। इसके साथ ही एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा नामित 20 विशेषज्ञ तथा राज्य के एथलेटिक्स के क्षेत्र में सेवायें प्रदान करने वाले अन्य विशेषज्ञ भी सम्मिलित होंगे। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इसका आयुवर्ग अंडर-14 रखा गया था, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर 17 कर दिया गया है। अन्डर-17 आयुवर्ग की स्कूली गेम्स की एथलेटिक्स प्रतियोगिता लखनऊ में पहली बार आयोजित हो रही है। प्रतियोगिता में बालक और बालिका वर्ग में कुल 19 इवेंट्स आयोजित कराये जायेंगे। इसमें 100 मी0, , 200 मी0, ,400 मी0, 800 मी0, 1500 मी0 एवं 3000 मी0 दौड़, 110 मी0, 400 मी0 बाधा दौड़, लम्बी कूद, ऊँची कूद, त्रिकूद, पोलवाल्ट, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो, जेवलिन थ्रो, गोलाफेंक, 5000 मी0 पैदल चाल और 4×100 मी0रिले दौड़, 4×400 मी0रिले दौड़ शामिल है। दीपक कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के सुचारू एवं निर्विघ्न संचालन हेतु वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है, जो कि 24 घंटे सक्रिय रहेगा। देश के विभिन्न भागों से आने आने वाली प्रतिभागी टीमों के सुरक्षित आगमन एवं प्रस्थान के साथ-साथ अन्य समस्त आवश्यक सुविधाएं ससमय सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से प्रत्येक यूनिट के लिए पृथक-पृथक कुल 45 लाइजनिंग अफसरों को नियुक्त किया गया है, जो कि उनके आगमन से लेकर सुरक्षित गंतव्य स्थल पहुँचने तक सक्रिय रहेंगे ।

न्यूज ब्रीफ

टेनिस : पोलैंड को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर बिली जीन किंग कप के फाइनल में पहुंचा इटली

मालागा। इतालवी ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता सारा इरानी और जैस्मीन पाओलिनी ने कैटरज़ीना कावा और इगा स्विएटेक को हराकर सोमवार को पोलैंड पर 2-1 से रोमांचक जीत हासिल की और इटली को लगातार दूसरे वर्ष बिली जीन किंग कप के फाइनल में पहुंचा दिया। लूसिया ब्रोंज़ेटी ने मैग्डा लिनेट पर 6-4, 7-6(3) एकल जीत के साथ इटालियंस को आगे कर दिया लेकिन इसके बाद एकल में स्विएटेक ने पाओलिनी को 2 घंटे और 36 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-4, 6-4 से हराया और पोलैंड को बराबरी दिला दी। इसके बाद निर्णायक युगल मुकाबले में इतालवी ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता सारा इरानी और जैस्मीन पाओलिनी का सामना कैटरज़ीना कावा और इगा स्विएटेक से हुआ। यह मुकाबला मंगलवार सुबह तक चला। पोलिश जोड़ी ने पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन इरानी और पाओलिनी के खिलाफ शानदार मुकाबला किया। इटालियंस ने पहले सेट में तीन सेट पॉइंट बचाए, और दूसरे सेट में 5-1 की कमी से उबरते हुए, अंततः 7-5, 7-5 से जीत हासिल की और सातवीं बार और लगातार दूसरे साल फाइनल में प्रवेश किया। पिछले साल इटली को फाइनल में कनाडा से हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद पाओलिनी ने कहा, यह कठिन था, तीव्रता बहुत अधिक थी, मैं बहुत थक गई थी लेकिन मुझे अपना सबकुछ अपनी टीम और अपने देश को देना था। सिंगल्स में इगा से हारने के बाद मैं दुखी थी, लेकिन मैं लॉकर रूम में गई और सकारात्मक रहने की कोशिश की, क्योंकि मुझे पता था कि मेरे साथियों को मेरी ज़रूरत है। बुधवार के फ़ाइनल में इटली का सामना ब्रिटेन या स्लोवाकिया से होगा, जो मंगलवार को दूसरे सेमीफ़ाइनल में एख दूसरे से भिड़ेंगे।

टोटेनहम के मिडफील्डर बेंटानकुर पर नस्लीय टिप्पणी के लिए लगा सात मैचों का प्रतिबंध

लंदन। टोटेनहम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटानकुर को इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) ने अपने

दक्षिण कोरियाई साथी सोन ह्युंग-मिन के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी करने के लिए सात मैचों के लिए प्रतिबंधित कर दिया है और 100,000 पाउंड (126,000 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया है। खिलाड़ी पर आरोप है कि उसने अपने देश में एक टीवी कार्यक्रम में नस्लीय टिप्पणी की थी, लेकिन चूंकि यह घटना उसके अपने समय में हुई थी, न कि उसकी राष्ट्रीय टीम के साथ, इसलिए उसे दंडित करना एफए के अधिकार क्षेत्र में आता है। निलंबन का मतलब है कि 27 वर्षीय उरुग्वे का अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मैनचेस्टर सिटी, लिवरपूल और चेल्सी के खिलाफ़ महत्वपूर्ण मैच नहीं खेल पाएगा। यह निलंबन केवल घरेलू मैचों पर लागू होगा, जिसका मतलब है कि वह यूरोपा लीग में अपने क्लब के लिए खेल सकेगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए लसिथ एम्बुलडेनिया की श्रीलंकाई टीम में वापसी

कोलंबो। इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई

टीम की घोषणा हो गई है। टीम में दो साल से अधिक समय के बाद लसिथ एम्बुलडेनिया की वापसी हुई है। मंगलवार को घोषित 17 सदस्यीय टीम का नेतृत्व धनंजय डी सिल्वा कर रहे हैं और इसमें नौ बल्लेबाज, तीन विशेषज्ञ स्पिनर और पांच तेज गेंदबाज शामिल हैं। श्रीलंका के लिए एम्बुलडेनिया के 17 टेस्ट कैप में से आखिरी जून 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था। वह प्रभात जयसूर्या के साथ टीम में दूसरे बाएं हाथ के स्पिनर हैं, जिन्होंने सितंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका की 2-0 की सीरीज जीत में 18 विकेट लिए थे। सलामी बल्लेबाज ओशादा फर्नांडो भी लगभग एक साल बाद टीम में लौटे हैं, जबकि ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस को टीम में नहीं चुना गया है। पहला टेस्ट मैच 27 नवंबर को डरबन में और दूसरा टेस्ट मैच 5 दिसंबर से पोर्ट एलिजाबेथ में खेला जाएगा। दक्षिण अफ़्रीका के टेस्ट दौरे के लिए श्रीलंका की टीम इस प्रकार है- धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), पथुम निसांका, दिमुथ करुणारत्ने, दिनेश चंडीमल, एंजेलो मैथ्यूज, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, ओशादा फर्नांडो, सदीरा समरविक्रमा, प्रभात जयसूर्या, निशान पेइरिस, लसिथ एम्बुलडेनिया, मिलन रथनायके, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, कसुन राजिथा।

फेडरर ने डेविस कप के बाद संन्यास लेने वाले नडाल को लिखा भावुक पोस्ट, कहा-आपने पूरे टेनिस जगत को गौरवान्वित किया

नई दिल्ली,19 नवंबर (एजेंसियां) ।

रोजर फेडरर ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर इस सप्ताह स्पेन के मलागा में डेविस कप फाइनल में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने वाले 22 बार के मेजर चैंपियन राफेल नडाल के लिए एक भावुक पोस्ट लिखा।

43 वर्षीय फेडरर, जिन्होंने दो साल पहले 20 मेजर खिताब जीतकर खेल से संन्यास ले लिया था, ने लिखा राफा, मुझे पता है कि आप अपने शानदार करियर के आखिरी पड़ाव पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जब यह खत्म हो जाएगा तो हम बात करेंगे। अभी के लिए, मैं सिर्फ आपके परिवार और टीम को बधाई देना चाहता हूं, जिन्होंने आपकी सफलता में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। और मैं चाहता हूं कि आप यह जान लें कि आपका पुराना दोस्त हमेशा आपका उत्साहवर्धन करता है, और आप जो भी करेंगे उसके लिए उतनी ही जोर से आगे भी करेगा।

फेडरर और नडाल के बीच खेल के इतिहास में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता थी। वे पहली बार 2004 में मियामी में एक दूसरे से भिड़े थे, जहां स्पेनिश खिलाड़ी ने राउंड ऑफ 32 में तत्कालीन विश्व नंबर 1 फेडरर को 6-3, 6-3 से हराया था।

फेडरर ने अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए लिखा, 2004 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद, मैंने पहली बार नंबर 1 रैंकिंग हासिल की। मुझे लगा कि मैं दुनिया में सबसे ऊपर हूं। और मैं तब तक शीर्ष पर था, जब तक कि दो महीने बाद, जब आप मियामी में अपनी लाल स्लीवलेस शर्ट में कोर्ट पर उतरे, अपनी बाइसेप्स दिखाते हुए, आपने मुझे आसानी से हरा दिया। आपके बारे में जो भी चर्चा मैं सुन रहा था, वह सिर्फ प्रचार नहीं था। हम दोनों अपनी यात्रा की शुरुआत में थे और यह एक ऐसा सफर था जिसे हमने साथ मिलकर पूरा किया। बीस साल बाद, राफा, मुझे कहना होगा: आपका प्रदर्शन कितना शानदार रहा है। जिसमें 14 फ्रेंच ओपन शामिल हैं। ऐतिहासिक! आपने स्पेन को गौरवान्वित किया... आपने पूरे टेनिस जगत को गौरवान्वित किया।

फेडरर ने क्ले पर नडाल के कौशल की सराहना की और उन्हें बेहतर खिलाड़ी बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, आपने मुझे ऐसे तरीके से चुनौती दी, जैसा कोई और नहीं दे सकता। क्ले पर, आपने मुझे अपनी जमीन पर टिके रहने के लिए जितना मैंने कभी सोचा था, उससे कहीं अधिक मेहनत करने पर मजबूर किया। आपने मुझे अपने खेल की फिर से कल्पना करने पर मजबूर किया, यहां तक कि मैंने अपने रैकेट के सिर का आकार भी बदल दिया, ताकि किसी बढ़त की उम्मीद कर सकूं।

बता दें कि फेडल प्रतिद्वंद्विता में कुछ सबसे शानदार टेनिस मैच हुए, जिसमें विंबलडन 2008 का फाइनल भी शामिल है, जिसमें नडाल ने फेडरर को 6-4, 6-4, 6-7(5), 6-7(8), 9-7 से हराया। कुल मिलाकर, वे 40 बार एक-दूसरे से भिड़े, जिसमें नडाल ने 24-16 से हेड-टू-हेड रिकॉर्ड बनाया।

फेडरर ने लिखा, मैं उन यादों के बारे में सोचता रहता हूँ जो हमने साझा की हैं। साथ में खेल को बढ़ावा देना। आधा घास और आधा मिट्टी पर मैच खेलना। दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में 50,000 से ज़्यादा प्रशंसकों के सामने खेलकर सर्वकालिक उपस्थिति रिकॉर्ड तोड़ना। हमेशा एक-दूसरे का मज़ाक उड़ाना। कोर्ट पर एक-दूसरे को थका देना और फिर, कभी-कभी, ट्रॉफी समारोह के दौरान लगभग सचमुच एक-दूसरे को थामना पड़ता था।

फेडरर के आखिरी पेशेवर टेनिस मैच में, नडाल कोर्ट के उसी तरफ थे, जब दोनों ने 2022 में लंदन में लेवर कप में युगल मैच खेलने के लिए जोड़ी बनाई थी। मैच के बाद, बेंच पर बैठे फेडरर और नडाल की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसमें वे हाथ पकड़कर रो रहे थे।

फेडरर ने लिखा, मेरा अंतिम मैच। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता था कि आप मेरे साथ थे- मेरे प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं बल्कि मेरे युगल साथी के रूप में। उस रात आपके साथ कोर्ट साझा करना और उन आंसुओं को साझा करना, हमेशा मेरे करियर के सबसे खास पलों में से एक रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया वनडे के लिए भारतीय महिला टीम घोषित, शैफाली बाहर, हरलीन की वापसी

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला चयन समिति ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए में 16 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है, जिसका नेतृत्व हरमनप्रीत कौर करेंगी। सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा को बाहर कर दिया गया है, जबकि हरलीन देओल लगभग एक साल के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलेगी।

शैफाली ने इस साल छह मैचों में सिर्फ 108 रन बनाए हैं, जिसमें सबसे ज्यादा 33 रन हैं। चार अन्य खिलाड़ी - उमा छेत्री, दयालन हेमलता, श्रेयंका पाटिल और सयाली सतघरे - को भी पिछले महीने अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की 2-1 घरेलू श्रृंखला जीत में खेलने वाली टीम से बाहर कर दिया गया है। देओल ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में भारत के लिए खेला था। उन्हें इस सीज़न में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। पहले दो एकदिवसीय मैच क्रमशः 5 दिसंबर और 8 दिसंबर को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में आयोजित किए जाएंगे, श्रृंखला का आखिरी मैच 11 दिसंबर को वाका ग्राउंड, पर्थ में खेला जाएगा। यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा है।

तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रिया पुनिया, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, राधा यादव, तितास साधु , अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, साइमा ठाकोर।

आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए शर्मिन अख्तर, जहांआरा आलम की बांग्लादेश टीम में वापसी

ढाका,19 नवंबर (एजेंसियां) ।

आयरलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिनी सीरीज के लिए शर्मिन अख्तर और जहांआरा आलम की बांग्लादेश टीम में वापसी हुई है। इस बीच, ताज नेहर और संजीदा अख्तर को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है। शर्मिन इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप से चूक गई थीं और उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जुलाई 2023 में भारत के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान खेला था। 28 वर्षीय शर्मिन ने 2011 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से 35 वनडे और 16 टी20 मैच खेले हैं। जहाँआरा की बात करें तो वह बांग्लादेश की उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने कम से कम 50 महिला वनडे मैच खेले हैं। जहाँआरा ने 52 मैचों में 30.39 की औसत से 48 विकेट लिए हैं। मध्यक्रम की बल्लेबाज ताज ने अक्टूबर में महिला टी20 विश्व कप में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया, जबकि बाएं हाथ की स्पिनर संजीदा ने 18 टी20 मैच खेले हैं। इस साल अप्रैल में ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद यह बांग्लादेश की पहली वनडे सीरीज है। उस टीम से चयनकर्ताओं ने फरजाना अख्तर, सुमैया अख्तर, दिशा बिस्वास और निशिता अख्तर को बाहर रखा है। बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ छह में से तीन वनडे जीते हैं। उन्होंने

दोनों पक्षों के बीच पिछली द्विपक्षीय सीरीज 2016 में जीती थी। इस बार वे 27 और 30 नवंबर और 2 दिसंबर को ढाका में तीन वनडे खेलेंगे। वे 5, 7 और 9 दिसंबर को सिलहट में तीन टी20 मैच भी खेलेंगे। अक्टूबर में यूएई में आयोजित महिला टी20 विश्व कप के बाद यह बांग्लादेश की पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज है। बांग्लादेश वनडे टीम- निगार सुल्ताना (कप्तान), नाहिदा अख्तर, मुर्शिदा खातून, फरगाना हक, शर्मिन अख्तर, शोभना मोस्तरी, शोर्ना अख्तर, रितु मोनी, राबेया खान, फाहिमा खातून, मारुफा अख्तर, जहांआरा आलम, सुल्ताना खातून, ताज नेहर, संजीदा अख्तर।

यूएसपीएल सीज़न 3 : मोनांक पटेल संभालेंगे कैलिफ़ोर्निया गोल्डन ईगल्स की कमान

फ्लोरिडा, 19 नवंबर (एजेंसियां) ।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में यूएसए की बागडोर संभालने वाले मोनांक पटेल अब यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) के सीजन 3 में कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स की कमान संभालते नजर आएंगे। वह पहली बार यूएसपीएल का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

बहुप्रतीक्षित यूएसपीएल सीजन 3 की शुरुआत 22 नवंबर को फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच रोमांचक शुरुआती मुकाबले के साथ होगी।

अपने पहले ही वर्ल्ड कप में यूएसए टीम को अलग पहचान दिलाने वाले मोनांक को पूरा भरोसा है कि कैलिफ़ोर्निया गोल्डन ईगल्स का सीज़न भी अच्छा रहेगा।

मोनांक ने एक बयान में कहा, मैं टीम कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स का

नेतृत्व करने के लिए बहुत रोमांचित हूं। मैं पहली बार इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनने जा रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि यह भी वर्ल्डकप की तरह यादगार रहेगा। मैं टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हूं। मुझे यकीन है कि हम एक बेहतरीन टीम बनकर उभरेंगे और सफलता हासिल करेंगे।

कैलिफ़ोर्निया गोल्डन ईगल्स अपना दूसरा मैच 23 नवंबर को अटलांटा ब्लैककैप्स के खिलाफ खेलेगा। लीग के प्रत्येक दिन ट्रिपल-हेडर मुकाबले होंगे, जिससे प्रशंसकों को हर दिन एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने का मौका मिलेगा। सेमीफाइनल मुकाबले 29 नवंबर को निर्धारित हैं, जबकि फाइनल मुकाबला 1 दिसंबर को खेला जाएगा।

टीम कैलिफ़ोर्निया गोल्डन ईगल्स-

नौमान अनवर, सैफ बदर, मोनांक पटेल, शैडली वान, चाड बोवेस, अदनीत झाम्ब, मुहम्मद इलियास, उन्मुक्त चंद, चैतन्य बिश्नोई, गौरव कुमार, जुनैद सिद्दीकी, उवल विन्नाकोटा, असद रफीक, बालादित्य कथूला, गुलाम मुदस्सर।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए तेम्बा बावुमा की दक्षिण अफ्रीकी टीम में वापसी

जोहानसबर्ग,19 नवंबर (एजेंसियां) ।

तेम्बा बावुमा कोहनी की चोट से उबर चुके हैं और उन्हें श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल किया गया है। दक्षिण अफ्रीका अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की कोशिश कर रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान बावुमा ने 4 अक्टूबर के बाद से कोई मैच नहीं खेला है, जब अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैच के दौरान डाइव करते समय उन्हें चोट लग गई थी।

परिणामस्वरूप वे लायंस के शुरुआती दो प्रथम श्रेणी मैचों में नहीं खेल पाए और गुरुवार से वांडरर्स में वेस्टर्न प्रोविंस के खिलाफ होने वाले तीसरे मैच में भी शामिल नहीं होंगे। शनिवार को वे डरबन जाएंगे, जहां पहला टेस्ट अगले बुधवार से शुरू होगा।

कागिसो रबाडा भी टीम में वापस आ गए हैं, जिन्हें शुक्रवार को समाप्त हुई भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए आराम दिया गया था, मार्को जेनसन और गेराल्ड कोएट्जी, जो भारत सीरीज में कंडीशनिंग ब्रेक से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लौटे थे, की भी टीम में वापसी हुई है।

जेनसन और कोएट्जी ने आखिरी बार जनवरी और दिसंबर में भारत के खिलाफ टेस्ट मैच खेले थे। वह दक्षिण अफ्रीका की घरेलू मैदान पर सबसे हालिया और डीन एल्गर की रिटायरमेंट से पहले की आखिरी सीरीज थी। उस सीरीज में खेलने वाले लुंगी एन्गिडी और नांद्रे बर्गर चोट के कारण बाहर हैं।

अगर दक्षिण अफ्रीका श्रीलंका के खिलाफ दोनों टेस्ट जीत जाता है, और दिसंबर और जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेले जाने वाले दोनों टेस्ट मैचों में जीत दर्ज करता है तो वह जून में लॉर्ड्स में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेगा।

दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट किंग्समीड डरबन में 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक और दूसरा टेस्ट सेंट जॉर्ज पार्क, गेकेबरहा में 5 से 9 दिसंबर तक खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम इस प्रकार है: तेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंगहैम, गेराल्ड कोएत्ज़ी, टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन, कागिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन, काइल वेरिन।

मेटा ने सीसीआई के फैसले से जताई असहमति, कहा–आगे अपील की योजना

नई दिल्ली,19 नवंबर (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने मंगलवार को कहा कि वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के उस पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के फैसले से सहमत नहीं है। कंपनी ने कहा कि वो, इसके खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है।

मेटा के प्रवक्ता ने बयान में कहा कि कंपनी सीसीआई के फैसले के खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि अपडेट वैकल्पिक और पारदर्शी दोनों था। मेटा ने व्हाट्स ऐप की 2021 की गोपनीयता नीति अपडेट से जुड़ी कथित प्रतिस्पर्धा–विरोधी प्रथाओं पर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के उसके ऊपर 213.14 करोड़ रुपये के जुर्माने को चुनौती देने की अपनी मंशा की घोषणा की है।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने सोमवार को सोशल मीडिया कंपनी मेटा पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। ये जुर्माना 2021 में व्हॉट्स ऐप की निजता नीति अद्यतन के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों को अपनाने के लिए लगाया गया। सीसीआई ने व्हॉट्स ऐप से कहा कि वह मेटा के स्वामित्व वाले अन्य एप्लिकेशन के साथ विज्ञापन उद्देश्यों के लिए पांच साल की अवधि के लिए उपयोगकर्ता डेटा साझा न करे।उल्लेखनीय है कि मेटा प्लेटफॉर्म्स, इंक एक सोशल मीडिया कंपनी है, जो मेटा के नाम से अपना बिजनेस करता है। यह एक अमेरिकी मल्टीनेशनल टेक्नोलॉजी ग्रुप है। इसको पहले फेसबुक, इंक. और फेसबुक डॉट कॉम इंक के नाम से जाना जाता था। इसका मुख्यालय मेनलो पार्क, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है। 31 दिसंबर, 2021 तक के प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक मेटा ने करीब 118 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व उत्पन्न किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

साल 2031 तक 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली । रेटिंग एजेंसी क्रिसिल द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था 2031 तक 7 ट्रिलियन डॉलर के आकार तक पहुंचने की उम्मीद है। इस ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान देश की जीडीपी की औसत वार्षिक वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि, वित्त वर्ष 2025 से लेकर 2031 तक की वार्षिक वृद्धि दर महामारी से पहले के दशक की औसत वृद्धि दर (6.6 प्रतिशत) के आसपास होगी। इस विकास को मुख्य रूप से पूंजीगत खर्च और उत्पादकता में सुधार से प्रेरित बताया गया है। 2023–24 के चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी विकास दर 6.8 प्रतिशत तक रहने की संभावना है, जिसका कारण उच्च ब्याज दरें और सख्त लेंडिंग नियम हैं, जिससे शहरी मांग पर असर पड़ा है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे को कम करने के प्रयासों का प्रभाव अर्थव्यवस्था के विकास पर देखने को मिलेगा। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 2024–25 में औसत 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले साल के 5.4 प्रतिशत से कम होगी। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि मौसम की स्थिति और भू–राजनीतिक अनिश्चितताएं विकास और महंगाई के लिए महत्वपूर्ण जोखिम हैं। इस वर्ष खरीफ की बुआई अधिक हुई है, लेकिन बेमौसम बारिश और अन्य मौसम संबंधित प्रभावों को लेकर सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि भू–राजनीतिक तनाव के कारण आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो सकती हैं, व्यापार में विघ्न आ सकता है और तेल की कीमतों में वृद्धि हो सकती है, जो महंगाई और इनपुट लागत को प्रभावित कर सकती है।

एनटीपीसी ग्रीन का आईपीओ खुला ग्रे मार्केट में इश्यू का फीका स्वागत

नई दिल्ली,19 नवंबर (एजेंसियां)।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी की सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन का 10 हजार करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। हालांकि ग्रे मार्केट में इस शेयर को लेकर ज्यादा उत्साह नजर नहीं आ रहा है। ग्रे मार्केट में इस आईपीओ के अपर प्राइस बैंड पर 0.70 रुपये का प्रीमियम मिल रहा है।

एनटीपीसी ग्रीन का 10 हजार करोड़ रुपये का ये आईपीओ इस साल लॉन्च होने वाला तीसरा सबसे बड़ा इश्यू है। इसके पहले हुंडई मोटर में भारतीय स्टॉक मार्केट के इतिहास का सबसे बड़ा 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च किया था, जबकि ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी 11,300 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू लेकर आई थी। एनटीपीसी ग्रीन के आईपीओ में 22 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के तहत 102 से 108 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 138 शेयर का है।

इस आईपीओ का 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व है, जबकि 15 प्रतिशत नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए और 10 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व किया गया है। 22 नवंबर को क्लोजिंग होने के बाद 25 नवंबर को शेयरों का एलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 92,59,25,926 नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें 200 करोड़ रुपये के शेयर कंपनी के कर्मचारियों के लिए रिजर्व किए गए हैं, जबकि 1,000 करोड़ रुपये के शेयर एनटीपीसी के मौजूदा शेयर होल्डर्स के लिए रिजर्व है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक इस आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसों में से 7,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल एनटीपीसी ग्रीन की सब्सिडियरी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी के कर्ज भार को काम करने में किया जाएगा, जबकि शेष 2,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों में किया जाएगा।

आईपीओ की लॉन्चिंग के बाद ग्रे मार्केट ने इस इश्यू का फीका स्वागत किया है। सिर्फ 70 पैसे के प्रीमियम पर इस शेयर का कारोबार हो रहा है। लेकिन मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि निवेशकों के लिए इस कंपनी में निवेश करना लॉन्ग टर्म में फायदेमंद हो सकता है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 2025 में इसकी ऑपरेशनल कैपेसिटी मौजूदा 3.3 गीगावॉट से बढ़ कर 6 गीगावॉट हो जाएगी। इसी तरह 2026 में ऑपरेशनल कैपेसिटी 11 गीगावॉट और 2027 में 19 गीगावॉट के स्तर पर पहुंच जाएगी। ग्रीन एनर्जी को पूरी दुनिया में बढ़ावा दिया जा रहा है। खासकर, केंद्र की मौजूदा सरकार ग्रीन एनर्जी को हर तरह का सपोर्ट दे रही है। इसलिए आने वाले दिनों में कंपनी का भविष्य बेहतर नजर आ रहा है। इसीलिए निवेदक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट प्लानिंग के तहत एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ में निवेश करने की योजना बना सकते हैं। हालांकि किसी भी निवेशक को अपनी निवेश योजना को अंतिम रूप देने के पहले अपने निवेश सलाहकार से जरूर विचार–विमर्श करना चाहिए।

पुनीत गोयनका का जी–एंटरटेनमेंट के एमडी पद से इस्तीफा कंपनी ने बनाया सीईओ

नई दिल्ली,19 नवंबर (एजेंसियां)।

पुणित गोयनका ने ज़ी–एंटरटेनमेंट के एमडी पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने उन्हें मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाया है। कंपनी ने 18 नवंबर को कारोबार की समाप्ति पर उनके इस्तीफे को मंजूर की लिया और उसी दिन सीईओ के तौर पर उनकी नियुक्ति भी कर दी। ज़ी–एंटरटेनमेंट ने जानकारी दी कि कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) मुकुंद गलगली को डिप्टी सीईओ बनाया है। यह बदलाव कंपनी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया है। पुणित गोयनका की नई भूमिका उनकी मौजूदा फुल–टाइम नौकरी जैसी ही होगी। हालांकि, उनके वेतन का 40 फीसदी वेरिएबल हिस्सा उन्हें केवल कुछ विशेष लक्ष्यों को पूरा करने पर ही दिया जाएगा। इस वेतन की अधिकतम सीमा बोर्ड द्वारा तय की गई है। ज़ी–एंटरटेनमेंट के मुताबिक इस कदम के जरिए गोयनका कंपनी के प्रदर्शन और मुनाफे को बेहतर करने पर पूरी तरह ध्यान देंगे।

यह फैसला बोर्ड और नामांकन व वेतन समिति की 15 नवंबर 2024 की बैठक में लिया गया। बोर्ड ने कहा कि पुणित गोयनका कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सक्षम हैं। ज़ी–एंटरटेनमेंट ने कहा कि कंपनी मजबूत स्थिति में है और अपने भविष्य के लिए ठोस नींव तैयार करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। यह तय करने के लिए कि हमारे लक्ष्य पूरे हों, संचालन स्तर पर ज्यादा समय और ऊर्जा की जरुरत है। पुनीत गोयनका, जो मीडिया दिग्गज सुभाष चंद्रा के बेटे हैं, उन्होंने कंपनी के संचालन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सीईओ के रूप में फिर से नियुक्ति की मांग की है। ज़ी–एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड बोर्ड ने 18 अक्टूबर को गोयनका को 5 साल के लिए फिर से सीईओ बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

यह कार्यकाल 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2029 तक रहेगा। हालांकि, यह नियुक्ति कंपनी के शेयरहोल्डर्स की 28 नवंबर को होने वाली एनुअल जनरल बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। पिछले हफ्ते बोर्ड ने पुनीत गोयनका के प्रदर्शन के लिए नए और ऊंचे लक्ष्यों को तय किया। विगत दिवस बैठक में बोर्ड ने अगले चार तिमाहियों के लिए समेकित राजस्व और कमाई का लक्ष्य तय किए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बाइडेन के अदूरदर्शी...

और उस स्थिति में रूस की सरकार परमाणु हथियार का इस्तेमाल कर सकेगी। हालांकि इस स्थिति में कुछ शर्तें भी जोड़ी गई हैं। अमेरिका में जो बाइडेन की सरकार ने जाते जाते यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस के भीतर हमले की मंजूरी दे दी। इस पर रूस ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मुंहतोड़ जवाब देने की बात कही थी। पुतिन द्वारा संशोधित परमाणु नीति पर हस्ताक्षर के कदम को भी बाइडेन के फैसले का ही जवाब माना जा रहा है। रूस की नई परमाणु नीति में ये प्रावधान किया गया है कि रूस पर अगर बड़े पैमाने पर हवाई हमला होता है तो उसके जवाब में रूस परमाणु हथियार का इस्तेमाल कर सकता है।उल्लेखनीय है कि यूक्रेन की सेना द्वारा अमेरिकी की लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल पहले भी किया जा रहा था, लेकिन ये इस्तेमाल सिर्फ सीमावर्ती इलाकों तक सीमित था। अब सत्ता से जाते जाते बाइडेन ने बड़ा फैसला लेते हुए यूक्रेन को रूस के भीतर भी लंबी दूरी की मिसाइलों से हमले की मंजूरी दे दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मंजूरी से रूस के सैन्य अड्डे, सैनिक प्रतिष्ठान और अन्य अहम ठिकानें यूक्रेन के निशाने पर आ गए हैं। इससे रूस–यूक्रेन युद्ध की पूरी तस्वीर बदल सकती है। रूस ने अमेरिका के इस कदम की आलोचना करते हुए इसे रूस युद्ध भड़काने की कोशिश करार दिया।रूस की पूर्व की परमाणु नीति के तहत सिर्फ रूस या इसके सहयोगियों पर बैलिस्टिक मिसाइल के हमले की विश्वसनीय सूचना के बाद ही रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता था, लेकिन अब नई नीति के तहत बैलिस्टिक मिसाइल के साथ ही, क्रूज मिसाइल, बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले या अन्य उड़ने वाले वाहनों के जरिए हमले की स्थिति में भी परमाणु हथियार के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। खास बात ये है कि पुरानी नीति में रूस के सहयोगी बेलारूस पर हमले की स्थिति में भी रूस द्वारा परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने का प्रावधान था, लेकिन संशोधित नीति में ये प्रावधान हटा दिया गया है।

ट्रंप की जीत के...

लेकिन पता चला कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत के कारण जो बाइडेन को खास तवज्जो नहीं मिली। ग्रुप फोटो में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दोगन पहली पंक्ति में खड़े दिखाई दिए, लेकिन जे बाइडेन किसी भी पंक्ति में नहीं हैं।

भारत के...

साझेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम तकनीकी, हरित उर्जा, सुरक्षा, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। हम व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूत करना चाहते हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने भी इस बैठक को दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नया उत्साह देने वाला बताया। मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील में जी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत–ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और एफटीए की जरूरत पर जोर दिया।डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान में यह भी कहा कि स्टार्मर के इस दौरे का मकसद दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्तियों के साथ संबंधों को मजबूत करना और ब्रिटेन के लोगों का निकास करना है। इस दौरे के दौरान उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से भी मुलाकात की।भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए वार्ता जनवरी 2022 से चल रही थी। लेकिन दोनों देशों में इस साल के आम चुनावों के कारण वार्ताएं स्थगित हो गई थीं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच द्विपक्षी व्यापार 42 अरब पाउंड के आसपास है और एफटीए से यह आंकड़ा बढ़ सकता है। ब्रिटेन के व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने कहा, भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और ब्रिटेन के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। हम मानते हैं कि यह समझौता दोनों देशों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

इतालवी प्रधानमंत्री ...

इस मौके पर सभी देशों के नेताओं ने एकजुटता दिखाई और प्रतीकात्मक ग्रुप फोटो के माध्यम से भूख और गरीबी के खिलाफ लड़ाई का संदेश दिया। तस्वीर में मेजबान देश ब्राजील के राष्ट्रपति के अलावा पीएम मोदी, तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज को पहली कतार में देखा गया। इनके ठीक पीछे की कतार में फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज सरीखे नेताओं को देखा गया।जी–20 देशों के सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतालवी प्रधानमंत्री मेलोनी समेत कई अन्य हस्तियों से भी मुलाकात की। दोनों राष्ट्राध्यक्षों और विदेश मंत्री जयशंकर की मौजूदगी वाले प्रतिनिधिमंडल ने भारत और इटली से जुड़े अहम द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की। पीएम मोदी ने इटली के अलावा पुर्तगाल के समकक्ष से भी मुलाकात की।भारत और पुर्तगाल के बीच हुई बातचीत को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारी बातचीत हमारे आर्थिक संबंधों को और अधिक मजबूती देने पर केंद्रित रही। नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में अधिक सहयोग के अवसरों के आदान– प्रदान पर भी चर्चा हुई। पीएम मोदी ने बताया कि पुर्तगाल और भारत के बीच हमने मजबूत रक्षा संबंधों, लोगों से लोगों के बीच संबंधों जैसे कई अन्य विषयों पर भी बात की।ब्राजील में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से मुलाकात के बाद खुशी का इजहार करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते के लिहाज से यह वर्ष विशेष है क्योंकि राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान वाणिज्य, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स और अन्य क्षेत्रों में संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा की गई।इससे पहले पीएम मोदी ने जी–20 सम्मेलन के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ से भी मुलाकात की। गीता ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात पर खुशी का इजहार करते हुए पीएम मोदी के साथ क्लिक की गई सेल्फी पोस्ट सोशल मीडिला पर साझा की। इसे शेयर करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, भारत खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने और गरीबी को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपनी सफलताओं को आगे बढ़ाएंगे। पीएम मोदी ने सभी के लिए उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अपनी सामूहिक शक्ति और संसाधनों का उपयोग करने का आश्वासन भी दिया। गीता गोपीनाथ आईएमएफ की मुख्य अर्थशास्त्री भी रह चुकी हैं। पीएम मोदी ने जी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल से भी बातचीत की।पीएम मोदी ने यूरोपीय संघ की शीर्ष पदाधिकारी और ईयू कमीशन की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक भलाई के लिए यूरोपीय संघ के साथ मिलकर काम करता रहेगा। पीएम मोदी मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल–सीसी से भी मिले। उन्होंने कहा कि मिस्र के राष्ट्राध्यक्ष के साथ शानदार बातचीत हुई। ब्राजील में पीएम मोदी से मुलाकात के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि अगले साल भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू की जाएगी। पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया, ब्रिटेन भारत के साथ एक नई रणनीतिक साझेदारी बनाने का प्रयास करेगा। इसमें व्यापार समझौता, सुरक्षा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है।नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास स्टोरे के साथ बैठक के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर तस्वीर साझा की। उन्होंने कहा, बैठक बहुत अच्छी रही। हमारी आर्कटिक नीति ने भारत–नॉर्वे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया है। दोनों देशों के बीच निवेश संबंधों को बेहतर बनाने पर विचार हुआ। नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और समुद्री व्यापार से जुड़ी अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग पर भी चर्चा हुई।जी–20 सम्मेलन से इतर फ्रांस के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, मेरे मित्र राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिलना हमेशा बहुत खुशी की बात होती है। इस साल की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक और पैरालिंपिक की सफल मेजबानी के लिए उन्हें बधाई दी। हमने इस बारे में बात की कि कैसे भारत और फ्रांस अंतरिक्ष, ऊर्जा, एआई और ऐसे अन्य भविष्य के क्षेत्रों में मिलकर काम करना जारी रख सकते हैं। दोनों देश नागरिकों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाने के लिए भी मिलकर काम करेंगे।

बैंकों के लोन ...

अब समय आ गया है कि स्वतंत्र रेटिंग एजेंसियां हमारी रेटिंग अपग्रेड पर फैसला लें।वित्त मंत्री ने कहा, मैं इस बहस में नहीं पड़ना चाहती कि महंगाई सूचकांक बनाते समय खाद्य कीमतों पर विचार किया जाना चाहिए या आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति द्वारा दरों पर निर्णय लिया जाना चाहिए। तीन या चार खराब होने वाली वस्तुओं से इस समय महंगाई की दर बढ़ रही है।

तिरुपति मंदिर में ...

अभी मंदिर में काम करने वाले गैर हिंदू कर्मचारियों की संख्या अलग–अलग बताई जा रही है। सटीक संख्या लेकर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। टीटीडी कर्मचारी संगठनों टीटीडी प्रबंधन के इस निर्णय का स्वागत किया है और कहा है कि यह कानूनन सही है। टीटीडी ने यह भी फैसला लिया है कि वह मंदिर में दर्शन के बाद नेताओं के राजनीतिक बयान देने पर भी रोक लगाएगा। दर्शन के बाद राजनीतिक बयानबाजी करने वाले नेताओं पर विधिक कार्रवाई की जाएगी, चाहे वह किसी भी पार्टी का सदस्य हो। बोर्ड बैठक में इसके अलावा कई प्रशासनिक निर्णय भी लिए गए। यह भी निर्णय लिया गया है कि बोर्ड का पैसा अब निजी बैंकों में नहीं रखा जाएगा। टीटीडी अब पैसा रखने के लिए सरकारी बैंकों में खाते खुलवाएगा। बोर्ड दर्शन का समय कम करने के लिए भी काम करेगा। टीटीडी ने कुछ दिनों पहले लड्डू प्रसादम में उपयोग किए जाने वाले घी पर हुए विवाद के बाद शुद्धता को लेकर भी फैसले लिए हैं। अच्छी गुणवत्ता का घी लेने के लिए वह फिर से टेंडर जारी करेंगे। गौरतलब है कि लड्डू में चर्बी होने की घटना हाल ही में उजागर हुई थी।

हर वर्ष गायब...

पश्चिम बंगाल में केवल 9% तक कमी हुई है। हालांकि आधार से राशन कार्ड लिंक करने और पॉइंट–ऑफ–सेल मशीनों के इस्तेमाल करने से यह सुधार आया है।इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशन्स के तहत रेशनलाइजिंग पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम इन इंडिया शीर्ष से जारी रिपोर्ट को राया दास, रंजना रॉय और अशोक गुलाटी के शोध पर तैयार किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआईख) और राज्य सरकारों की ओर से सप्लाई किए गए अनाज में से 28 प्रतिशत हिस्सा लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ी जन वितरण प्रणाली यानी कि पीडीएस चलाई जाती है। ऐसे में घपले वाले पीडीएस में बड़े सुधार की जरूरत है ताकि बेहतर रिजल्ट आ सके। इसमें सुधार से संसाधनों की बचत की जा सकेगी जिसका उपयोग कृषि और ग्राणीण व्यवस्था में हो सकेगा। इससे न सिर्फ खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी बल्कि पोषण सुरक्षा भी तय होगी।आईसीआरआईईआर की स्टडी शांत कुमार कमेटी की फाइंडिंग पर आधारित है जिसमें पूरे देश में पीडीएस लीकेज 46 प्रतिशत बताया गया है जबकि कुछ उत्तरपूर्व के राज्यों में 70 प्रतिशत का आंकड़ा दिया गया है। शांता कुमार के पैनल का हिस्सा अशोक गुलाटी भी रहे हैं जिन्होंने 2015 में राशन सिस्टम के डिजिटाइजेशन का सुझाव दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए और डिजिटाइजेशन के लिए आधार से बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन प्रणाली शुरू की।

खाद्य मंत्रालय का भी कहना है कि राशन सिस्टम के डिजिटाइजेशन का ही रिजल्ट है जो पूरे देश में वन नेशन वन राशन स्कीम की शुरुआत हो पाई। इसमें लाभार्थी को देश में कहीं भी किसी भी राशन दुकान से अनाज मिल जाता है। आईसीआरआईईआर की स्टडी में कहा गया है कि लाभार्थियों के आधार को पीडीएस से जोड़ने से अनाज वितरण की क्षमता पहले से बढ़ गई है। हालांकि इसमें घपला अभी भी बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। अभी तक इसे पूरी तरह से नहीं रोका जा सका है।शांता कुमार कमेटी की फाइंडिंग में कहा गया था कि पीडीएस में अनाज वितरण के कवरेज को 67 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया जाना चाहिए और धीरे–धीरे अनाज वितरण को कैश ट्रांसफर की ओर मोड़ देना चाहिए।

इससे पीडीएस में लीकेज को रोका जा सकेगा। हालांकि केंद्र सरकार ने इस सुझाव को नहीं माना और फैसला लेने का अधिकार राज्यों पर छोड़ दिया। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सरकार जब तक गेहूं और चावल की खरीद जारी रखेगी, तब तक उसे बांटने का सिस्टम भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कैश ट्रांसफर का सुझाव अच्छा है, लेकिन इस वक्त उसे अनाज वितरण का विकल्प नहीं बना सकते।

30 नवंबर को मनाई जाएगी मार्गशीर्ष अमावस्या

मार्गशीर्ष अमावस्या हिंदुओं के बीच बहुत धार्मिक महत्व रखती है। इस अमावस्या का अपना ही महत्व है, क्योंकि यह मार्गशीर्ष माह में आती है इसलिए इसे मार्गशीर्ष अमावस्या के नाम से जाना जाता है। मृगशिरा नक्षत्र से सम्बंधित होने के कारण इस अमावस्या को मृगशिरा अमावस्या भी कहा जाता है। यह अमावस्या कृष्ण पक्ष के 15वें दिन आती है। कहा जाता है कि इस दिन पितरों की पूजा और उनका तर्पण जरूर करना चाहिए। इससे उन्हें शांति मिलती है, तो आइए इसकी सही डेट और पूजन नियम के बारे में जानते हैं, जो इस प्रकार है।

कब है मार्गशीर्ष अमावस्या

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल 30 नवंबर, 2024 दिन शनिवार को सुबह 10 बजकर 29 मिनट से मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की शुरूआत होगी। वहीं, इसका समापन 1 दिसंबर, 2024 को रविवार को सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए इस साल मार्गशीर्ष अमावस्या 1 दिसंबर, 2024 दिन रविवार को मनाई जाएगी।

मार्गशीर्ष अमावस्या पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर गंगा नदी में पवित्र स्नान करें।

भगवान सूर्य को अर्घ्य दें और अपने दिन की शुरुआत सकारात्मकता के साथ करें।

स्नान के बाद ब्राह्मण या फिर किसी जानकार व्यक्ति के माध्यम से पितृ तर्पण और पितृ पूजा कराएं व अपने पितरों का तर्पण करें।

जो लोग गंगा घाट के पास नहीं जा सकते हैं, वे घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

देसी घी का दीपक जलाकर और घर पर ब्राह्मणों को बुलाकर पितृ तर्पण करें।

सात्विक भोजन बनाएं और उन्हें भोजन, वस्त्र और दक्षिणा आदि चीजें अर्पित करें।

इस तिथि पर किसी भी पवित्र नदी जैसे नर्मदा, शिप्रा और यमुना आदि में स्नान करना पुण्यकारी माना जाता है।

इसके अलावा इस दिन गाय, कौवे, कुत्ते और चींटियों को खाना खिलाना बहुत फलदायी माना जाता है। इसके साथ ही इस दिन क्षमता अनुसार, दान करें। तामसिक चीजों से पूरी तरह परहेज करें।

मार्गशीर्ष अमावस्या पर इन मंत्रों का करें जाप

ॐ श्री कृष्णाय नमः

ॐ श्री श्रीरघुनाथाय नमः

ॐ श्री दामोदराय नमः

ॐ श्रीजनार्दनाय नमः

मार्गशीर्ष माह में 28 को प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त में करें महादेव की पूजा

हर माह की कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि भगवान शिव और मां पार्वती को समर्पित है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन शुभ मुहूर्त में पूजा-अर्चना करने से जातक को जीवन में सभी प्रकार के दुख एवं संकट से मुक्ति मिलती है। साथ ही व्रत करने से विवाह में आ रही बाधा दूर होती है। आइए, मार्गशीर्ष माह में पड़ने वाले प्रदोष व्रत की तिथि एवं शुभ मुहूर्त जानते हैं।

कब खत्म होगा मार्गशीर्ष माह?

पंचांग के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा के बाद मार्गशीर्ष का महीना शुरू हो जाता है। ऐसे में इस बार मार्गशीर्ष माह की शुरुआत 16 नवंबर से हो गई है। साथ ही इसका समापन अगले महीने यानी 15 दिसंबर को होगा।

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 28 नवंबर को सुबह 06 बजकर 23 मिनट पर शुरू होगी। इसके अगले दिन यानी 29 नवंबर को सुबह 08 बजकर 39 मिनट पर समाप्त होगी। इस प्रकार 28 नवंबर को मार्गशीर्ष माह का पहला प्रदोष व्रत मनाया जाएगा। इस दिन पूजा करने का शुभ मुहूर्त शाम को 05 बजकर 24 मिनट से लेकर 08 बजकर 06 मिनट तक है। गुरुवार के दिन पड़ने के चलते यह गुरु प्रदोष व्रत कहलाएगा। मार्गशीर्ष माह का दूसरा प्रदोष व्रत दिसंबर में किया जाएगा। पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 12 दिसंबर को रात 10 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी। इसके अगले दिन यानी 13 दिसंबर को रात 07 बजकर 40 मिनट पर समाप्त होगी। इस प्रकार 12 दिसंबर को प्रदोष व्रत किया जाएगा। इस दिन पूजा करने का शुभ मुहूर्त शाम को 05 बजकर 26 मिनट से लेकर 07 बजकर 40 मिनट तक है।

प्रदोष व्रत की पूजा के दौरान इन मंत्रों का जप जरूर करना चाहिए। मान्यता है कि मंत्रों का जप करने से जातक को महादेव की कृपा प्राप्त होती है।

प्रदोष व्रत के मंत्र

महामृत्युंजय मंत्र

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्

उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

शिव स्तुति मंत्र

दः स्वप्नदुः शकुन दुर्गतिदौर्मनस्य, दुर्भिक्षदुर्व्यसन दुस्सहदुर्यशांसि।

उत्पाततापविषभीतिमसद्ग्रहार्ति, व्याध-ीश्चनाशयतुमे जगतातमीशः।।

शिव नामावली मंत्र

।। श्री शिवाय नमः।।

।। श्री शंकराय नमः।।

।। श्री महेश्वराय नमः।।

।। श्री सांबसदाशिवाय नमः।।

।। श्री रुद्राय नमः।।

।। ओम पार्वतीपतये नमः।।

।। ओम नमो नीलकण्ठाय नमः।।

एक ऐसा मंदिर जहां दिन-रात जलती है ज्वाला, बेहद निराला है ये देवी मंदिर

भारत में मां दुर्गा के अनेकों धाम हैं, जहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। उन्हीं में से एक ज्वाला देवी मंदिर है, जहां एक बार दर्शन से भक्तों की सभी इच्छाएं पूर्ण हो जाती है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में कालीधार पहाड़ी के बीच में स्थित ज्वाला देवी मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। इस देवी धाम को ज्वालामुखी के नाम से भी जाना जाता है। जहां की अग्नि आज तक शांत नहीं हुई है। ऐसा कहा जाता है कि कलयुग में ही इस मंदिर की ज्वाला शांत होगी, जो लोग देवी की कृपा प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं, उन्हें इस मंदिर में अवश्य जाना चाहिए, जिसकी महिमा अपने आप में बहुत विशाल है, तो आइए इसके महत्वपूर्ण और रोचक तथ्यों के बारे में जानते हैं।

किसने करवाया था इस मंदिर का निर्माण?

कांगड़ा में प्रसिद्ध ज्वालाजी मंदिर ज्वलंत मुख वाली देवी ज्वाला को समर्पित है। इस मंदिर को देवी-महाकाली, अन्नपूर्णा, चंडी, हिंगलाज, विंध्यवासिनी, महालक्ष्मी, सरस्वती, अंबिका और अंजी देवी के नाम पर नौ स्थायी ज्वालाओं का घर माना जाता है।बता दें, मां ज्वाला देवी के मंदिर का निर्माण राजा भूमि चंद ने करवाया था। इसके बाद 1835 में महाराजा रणजीत सिंह और राजा संसार चंद ने इसका पुनर्निर्माण करवाया था।

मंदिर में जल रही ज्वाला आज भी है एक रहस्य

आपको बता दें कि ज्वाला देवी मंदिर में बिना तेल और बाती के नौ ज्वालाएं सदियों से जल रही हैं, जो मां दुर्गा के 9 स्वरूपों का प्रतीक मानी जाती हैं। वहीं, मंदिर में जल रही ज्वाला के पीछे के कारणों को जानने का काफी प्रयास किया गया, लेकिन इसके पीछे के सच को आज तक कोई नहीं जान पाया है। वैज्ञानिकों के लाख प्रयासों के बावजूद उनके हाथ कुछ नहीं लगा। हालांकि, इससे देवी भक्तों का विश्वास और भी अटूट हो गया है। कहते हैं कि इस दिव्य धाम में एक बार दर्शन से भक्तों की खाली झोली भर जाती है। साथ ही सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

ऐसे करें भगवान शिव की स्तुति आर्थिक तंगी होगी समाप्त

सोमवार का दिन बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान शंकर की पूजा बहुत शुभ मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन शिव जी की आराधना करनी चाहिए। इससे उनकी कृपा प्राप्त होती है। इसके साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। ऐसे में सबसे पहले सुबह उठकर स्नान करें। भगवान शिव का ध्यान करें। इसके बाद उनका गंगाजल से अभिषेक करें। सफेद चंदन का तिलक लगाएं। मदार, बेल पत्र और कनेर के फूल अर्पित करें। फिर शिव जी की स्तुति का पाठ सच्चे भाव से करें। आरती से पूजा को पूरी करें। ऐसा करने से सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है । इसके साथ ही अपार धन और वैभव प्राप्त होता है।

।।शिव स्तुति मंत्र।।

पशूनां पतिं पापनाशं परेशं गजेन्द्रस्य कृत्तिं वसानं वरेण्यम।
जटाजूटमध्ये स्फुरद्गाङ्गवारिं महादेवमेकं स्मरामि स्मरारिम।1।
महेशं सुरेशं सुरारातिनाशं विभुं विश्वनाथं विभूत्यङ्गभूषम्।
विरूपाक्षमिन्द्वर्कवह्निित्रिनेत्रं सदानन्दमीडे प्रभुं पञ्चवक्त्रम्।2।
गिरीशं गणेशं गले नीलवर्णं गवेन्द्राधिरूढं गुणातीतरूपम्।
भवं भास्वरं भस्मना भूषिताङ्गं भवानीकलत्रं भजे पञ्चवक्त्रम्।3।
शिवाकान्त शंभो शशाङ्कार्धमौले महेशान शूलिञ्जटाजूटधारिन्।
त्वमेको जगद्व्यापको विश्वरूप: प्रसीद प्रसीद प्रभो पूर्णरूप।4।
परात्मानमेकं जगद्बीजमाद्यं निरीहं निराकारमोंकारवेद्यम्।
यतो जायते पाल्यते येन विश्वं तमीशं भजे लीयते यत्र विश्वम्।5।
न भूमिर्नं चापो न वह्निर्न वायुर्न चाकाशमास्ते न तन्द्रा न निद्रा।
न गृष्मो न शीतं न देशो न वेषो न यस्यास्ति मूर्तिस्त्रिमूर्तिं तमीड।6।
अजं शाश्वतं कारणं कारणानां शिवं केवलं भासकं भासकानाम्।
तुरीयं तम:पारमाद्यन्तहीनं प्रपद्ये परं पावनं द्वैतहीनम।7।
नमस्ते नमस्ते विभो विश्वमूर्ते नमस्ते नमस्ते चिदानन्दमूर्ते।
नमस्ते नमस्ते तपोयोगगम्य नमस्ते नमस्ते श्रुतिज्ञानगम्।8।
प्रभो शूलपाणे विभो विश्वनाथ महादेव शंभो महेश त्रिनेत्।
शिवाकान्त शान्त स्मरारे पुरारे त्वदन्यो वरेण्यो न मान्यो न गण्य:।9।
शंभो महेश करुणामय शूलपाणे गौरीपते पशुपते पशुपाशनाशिन्।
काशीपते करुणया जगदेतदेक-स्त्वंहंसि पासि विदधासि महेश्वरोऽसि।10।
त्वत्तो जगद्भवति देव भव स्मरारे त्वय्येव तिष्ठति जगन्मृड विश्वनाथ।
त्वय्येव गच्छति लयं जगदेतदीश लिङ्गात्मके हर चराचरविश्वरूपिन।11।

।।शिव पञ्चाक्षर स्तोत्र ।।

नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनायभस्माङ्गरागाय महेश्वराय।।
नित्याय शुद्धाय दिगम्बरायतस्मै न काराय नमः शिवाय।।
मन्दाकिनीसलिलचन्दनचर्चितायनन्दीश्वरप्रमथनाथमहेश्वराय।
मन्दारपुष्पबहुपुष्पसुपूजितायतस्मै म काराय नमः शिवाय।।
शिवाय गौरीवदनाब्जवृन्दसूर्याय दक्षाध्वरनाशकाय।
श्रीनीलकण्ठाय वृषध्वजायतस्मै शि काराय नमः शिवाय।।
वसिष्ठकुम्भोद्भवगौतमार्यमुनीन्द्रदेवार्चितशेखराय।
चन्द्रार्कवैश्वानरलोचनायतस्मै व काराय नमः शिवाय।।
यक्षस्वरूपाय जटाधरायपिनाकहस्ताय सनातनाय।
दिव्याय देवाय दिगम्बरायतस्मै य काराय नमः शिवाय।।
पञ्चाक्षरमिदं पुण्यं यः पठेच्छिवसन्निधौ।
शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सह मोदते।।
।। इति श्रीमच्छङ्कराचार्यविरचितं शिवपञ्चाक्षरस्तोत्रं सम्पूर्णम्।।

सपने में 5 चीजों का दिखना नहीं होता है शुभ कभी भी हो सकती है अनहोनी

सपनों का वास्तविक जीवन से गहरा संबंध होता है। व्यक्ति सोने के दौरान कभी अच्छे सपने देखता है, तो कभी बुरे सपने देखता है। बुरे सपने का मतलब यह नहीं होता है कि जीवन में बुरा ही होगा। कई सपने आगामी जीवन के संकट होते हैं। वहीं, कई सपने बेहद अशुभ होते हैं, जो किसी अनहोनी के संकेत होते हैं। इन सपनों को देखने पर अनदेखी बिलकुल न करें। घर के बड़े-वृद्ध से अवश्य शेयर करें।

अगरबत्ती – स्वप्न शास्त्रों की मानें तो सपने में अगरबत्ती जलाना शुभ नहीं होता है। इसके साथ ही अगरबत्ती जलते देखना भी शुभ नहीं माना जाता है। इस सपने का मतलब है कि कोई अनहोनी जीवन में हो सकती है। आप किसी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। वहीं, केवल अगरबत्ती देखने का मतलब है कि परिवार में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है।

आश्रम – स्वप्न शास्त्र के जानकारों की मानें तो सपने में आश्रम देखना शुभ नहीं होता है। इस सपने का मतलब है कि आने वाले समय में आपको धनहानि का सामना करना पड़ सकता है। आप किसी विवाद में फंस सकते हैं। आप पद से बर्खास्त रह सकते हैं। सपने में आश्रम देखने के बाद अगले दिन भगवान शिव का अभिषेक अवश्य करें।

इंद्रधनुष –सपने में इंद्रधनुष देखना भी शुभ नहीं होता है। इस सपने का मतलब है कि आप आने वाले समय में किसी संकट में फंस सकते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि कोई अनहोनी परिवार में हो सकती है। कुल मिलाकर कहें तो इंद्रधनुष का सपना देखना बेहद अशुभ है। आने वाली बलाओं को टालने के लिए शिवजी की पूजा करें।

ऊंट –जानकारों की मानें तो ऊंट का देखना भी शुभ नहीं होता है। इस सपने का देखना भी किसी अनहोनी का संकेत है। ऐसा भी हो सकता है कि आपको चोट लग सकती है। ये चोट गंभीर हो सकती है। इसके लिए सपने में ऊंट देखने के बाद (अगले दिन) भगवान शिव की पूजा करें और महामृत्युंजय मंत्र का जप करें। इन उपायों को करने से आने वाली बलाएं टल जाती हैं। साथ ही सभी प्रकार के दुख और संकट भी दूर हो जाते हैं।

इस्त्री –इस्त्री देखना भी शुभ नहीं होता है। इस्त्री का सपना देखना बहुत कष्टकारी होता है। इस सपने का मतलब है कि परिवार में आगजनी की अनहोनी हो सकती है। इसके लिए सतर्क रहें। कपड़े पर इस्त्री करना या इस्त्री को देखना बेहद अशुभ माना जाता है।

घर में मां लक्ष्मी के आने से पहले मिलते हैं ये संकेत दिखते ही समझ लें जल्द बनेंगे अमीर

सपनों का हमारे जीवन से गहरा संबंध होता है। ये सपने कभी अच्छे होते हैं, तो कभी बुरे होते हैं। अच्छे सपने दिल को प्रिय लगते हैं। लोग अच्छे सपने देख प्रसन्न हो उठते हैं। वहीं, बुरे सपने देख लोग डर जाते हैं। उन्हें लगता है कि जीवन में जरूर कुछ बुरा होने वाला है। हालांकि, कई डरावने सपने आगामी जीवन के लिए नुकसानदेह नहीं होते हैं। स्वप्न जानकारों की मानें तो कई सपने मां लक्ष्मी के घर आगमन के संकेत होते हैं। अगर आप भी इन सपनों को देखते हैं, तो समझ लें कि जल्द ही आप धनवान बनने वाले हैं।

धनवान बनने के सपने

अगर आप सपने में अशोक का पेड़ देखते हैं, तो ये संकेत है कि आने वाले समय में मां लक्ष्मी की विशेष कृपा आप पर बरसने वाली है। उनकी कृपा से धन संबंधी परेशानी दूर हो जाएगी। आसान शब्दों में कहें तो मां लक्ष्मी का आपके घर पर आगमन होगा। अशोक के पत्ते भी सपने में देखना शुभ माना जाता है। ये सपने धन प्राप्ति के संकेत होते हैं।

स्वप्न शास्त्र के जानकारों की मानें तो सपने में पैदल चलना भी शुभ होता है। इस सपने का मतलब होता है कि आपकी पदोन्नति होने वाली है। अगर कारोबार से जुड़े हैं, तो कारोबार में वृद्धि हो सकती है। इसके साथ ही पैदल चलना नए कार्य की शुरुआत करने के संकेत हैं। इस सपने का तात्पर्य है कि जल्द ही आप धनवान बनने वाले हैं।

स्वप्न शास्त्र की मानें तो सपने में देवी-देवता या पूजा गृह में स्थित चौकी देखना बेहद शुभ होता है। इस सपने का मतलब यह है कि धन की देवी आप पर प्रसन्न हैं। उनकी कृपा आप पर बरसने वाली है। मां लक्ष्मी की कृपा से सभी प्रकार के कष्टों से आपको मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही धन प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

अगर आप सपने में सफेद चींटी देखते हैं, तो ये संकेत है कि बहुत जल्द आप धनवान बनने वाले हैं। ये सपने धन प्राप्ति के संकेत होते हैं। सफेद चींटी के सपने देखना बेहद दुर्लभ होता है। भाग्यशाली लोगों को ही सपने में सफेद चींटी दिखते हैं।

सपने में छिपकली दिखना भी शुभ माना जाता है। इस सपने का मतलब यह है कि कारोबार में बढ़ोतरी होगी। ऐसा भी हो सकता है कि आपको अचानक से धन प्राप्ति हो सकती है। धन प्राप्ति के संयोग कई प्रकार से बन सकते हैं। इनमें निवेश से लाभ भी शामिल है।

खाटू श्याम मंदिर के पास इस कुंड में स्नान करने से जातक को पुण्य की प्राप्ति होती है, कभी खत्म नहीं होता जल

वर्तमान में खाटू श्याम को लेकर श्रद्धालुओं में गहरी आस्था है। देशभर में बाबा खाटू श्याम के कई मंदिर हैं, जिनमें राजस्थान के सीकर जिले में खाटू श्याम का मंदिर भी शामिल है। इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण और बर्बरीक की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, द्वापरयुग के दौरान खाटू श्याम जी ने जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण से वरदान प्राप्त किया था कि वे कलयुग में उनके नाम श्याम से पूजे जाएंगे। इसी वजह से उन्हें बाबा खाटू श्याम के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर के पास एक कुंड है, जिसे श्याम कुंड कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि कुंड में स्नान करने से जातक को बाबा खाटू श्याम का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही पुण्य की प्राप्ति होती है। आइए इस लेख में जानते हैं कि इस कुंड से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के बारे में।

खाटू श्याम मंदिर के नजदीक श्याम कुंड है। धार्मिक मान्यता है कि इस कुंड में स्नान करने से जातक को पुण्य की प्राप्ति होती है। साथ ही बाबा खाटू श्याम की कृपा प्राप्त होती है। इसके अलावा सभी तरह के पापों से छुटकारा मिलता है। इस कुंड का संबंध बाबा श्याम से बताया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इसी जगह पर बाबा श्याम ने कृष्ण जी की मांग पर अपना शीश दान कर दिया था, जिसके वजह से वह शीश के दानी कहलाए थे। इसी जगह पर बाबा श्याम का सिर अवतरित हुआ था। इसलिए इस कुंड में स्नान करने का खास महत्व है।

कैसे पहुचें श्याम कुंड

सड़क मार्ग- अगर आप श्याम कुंड में स्नान करने का प्लान कर रहे हैं, तो इसके लिए आप जयपुर आए और इसके बाद यहां से बस या टैक्सी के द्वारा रींगस पहुचें। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रींगस से खाटू श्याम मंदिर लगभग 17 किलोमीटर दूर स्थित है और इस मंदिर के पास ही श्याम कुंड है। रेल मार्ग- सड़क मार्ग के अलावा आप रेल मार्ग से जरिए भी श्याम कुंड पहुंच सकते हैं। इसके नजदीक रींगस रेलवे स्टेशन है। जहां से आप बस या कैब की मदद से श्याम कुंड आसानी से पहुंच सकते हैं।

सड़क और रेल मार्ग के अलावा आप हवाई जहाज से श्याम कुंड पहुंच सकते हैं। इसके पास जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। जहां आप से बस या कैब के द्वारा श्याम कुंड से पहुंच सकते हैं।

पुष्पा 2: द रूल के ट्रेलर में छाया यह अदाकार, खलनायकी तेवरों से खींचा ध्यान

रविवार 17 नवंबर को पटना में 'पुष्पा 2' का ट्रेलर हिंदी में रिलीज हुआ, जिसके बाद से ये फिल्म लोगों के बीच जबरदस्त चर्चा में बनी हुई है। सुकुमार की मोस्ट अवेटेड एक्शन ड्रामा फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' में एक बार फिर से अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल नजर आने वाले हैं। पुष्पा राज, श्रीवल्ली और भंवर सिंह शेखावत के रूप में अपनी भूमिकाओं को दोहराते हुए एक बार फिर स्टार कास्ट अपने दमदार काम से बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाली है, लेकिन एक नए किरदार ने भी सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। आज हम अपने पाठकों को यह बताने जा रहे हैं कि तस्वीर में आधे मुंडे सिर और अनोखे अंदाज में नजर आ रहा यह अभिनेता कौन है। हाल ही में इस अभिनेता को दर्शकों ने जूनियर एनटीआर की देवरा पार्ट 1 सैफ अली खान के निकट के रिश्तेदार के रूप में देखा है।

2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' ट्रेलर में एक छोटे से शॉट में अर्जुन के किरदार को जतरा के मंदिर मेला में दिखाया गया है। फिर शॉट में एक और आदमी को दिखाया गया है, जिसका आधा सिर मुंडवाया है और उसने चप्पल से बना माला पहना हुआ है। उसके सिर, भौंहों और आंखों के हिस्से पर सफेद रंग से कुछ डिजाइन बनाई है और साथ ही उसने एक लाल बड़ी बिंदी, झुमका और मोतियों का हार भी पहना हुआ है। इस लुक ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, जिसके बाद से कई लोगों हैरान है कि यह अभिनेता कौन है जो 'पुष्पा' में नए किरदार में नजर आने वाला है। बता दें कि ये कोई और नहीं बल्कि कन्नड़ अभिनेता तारक पोनप्पा है जिन्होंने यह भूमिका निभाई है।

पुष्पा 2 के ट्रेलर में तारक पोनप्पा जटारा गेट-अप पहने हुए बहुत ही खतरनाक लुक में दिखाई दे रहे हैं। उनके इस लुक पर लोगों कई तरह के मीम्स बनाकर इंस्टाग्राम पर शेयर कर रहे हैं। एक्टर ने भी कुछ पोस्ट अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किए है। तारक ने प्रशांत नील की घत्रक्ष्ः चैप्टर 1 और 2 सहित कई हिट कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। इस फिल्म में उन्होंने दया नाम का किरदार निभाया है। अभिनेता को हाल ही में कोरटाला शिवा की जूनियर एनटीआर की 'देवरा: भाग 1' में देखा गया था। फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान के किरदार भैरा के बेटे, खलनायक पासुरा की भूमिका निभाई थी। ट्रेलर में उन्हें पहचानने के बाद कुछ लोगों ने उन्हें 'भैरा का कोडुकु' कहते हुए मीम्स बनाए।

'पुष्पा 2: द रूल' से तारक पोनप्पा की भूमिका का खुलासा होना बाकी है। तारक ने 'अजरमारा', 'देशडोल', 'युवरत्ना', 'कोटिगोब्बा 3', 'गिल्की' जैसी कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया है। तेलुगु में, उन्होंने 'देवरा: भाग 1' से पहले 'सीएसआई सनातन' और 'रजाकर: द साइलेंट जेनोसाइड ऑफ हैदराबाद' जैसी फिल्मों में काम किया है। सुकुमार की 'पुष्पा 2' वहीं से शुरू होगी जहां 2021 की फिल्म 'पुष्पा: द राइज' खत्म हुई थी। पुष्पा अब एक तस्कर है, जिसकी शादी श्रीवल्ली से हुई है, जबकि भंवर उसे मारने की धमकी देता है। यह फिल्म 5 दिसंबर को कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अचानक गाते-गाते रुके दिलजीत दोसांझ फिर बोले ये बालकनी में बैठे लोग...

पंजाबी गायक और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में मेगा कॉन्सर्ट किया। वो भारी भीड़ के सामने परफॉर्म करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने कई मजेदार बातें भी की। इसी शो से एक वीडियो भी सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। दरअसल दिलजीत ने चलते शो को कुछ देर के लिए रोका और एक चुटकी लेने के बाद दोबारा गाने लगे। सामने आए वीडियो में दिलजीत दोसांझ बिना टिकट के होटल की बालकनी से उनका शो देख रहे प्रशंसकों से सवाल करते नजर आ रहे हैं। दिलजीत ने ऐसे किया रिएक्ट वीडियो में दिलजीत स्टेज पर परफॉर्म कर रहे थे। बीच में ही उन्होंने सामने की ओर देखा, मुंह खोले खड़े रहे। फिर उन्होंने अपनी टीम को इशारा किया कि वे म्यूजिक बजाना बंद कर दें। फिर सामने की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 'ये जो होटल की बालकनी में बैठे हैं, आप का तो बड़ा अच्छा व्यू है यार। ये तो होटल वाले गेम कर गए, बिना टिकट ही, हूं?' इसके बाद कैमरा पास के एक होटल की ओर मुड़ा, और कई लोग बालकनी पर बैठे दिलजीत को देख और सुन रहे थे। इसके बाद उन्होंने गाना जारी रखा। इस वीडियो को देखने के बाद लोग मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। एक शख्स ने लिखा, 'दिलजीत दोसांझ, अगली बार होटल बुक करेंगे।' वहीं एक और शख्स ने लिखा, 'उन्होंने टिकट की कीमत से ज्यादा पैसे दिए हैं।' वहीं एक शख्स ने लिखा, 'इससे दिलजीत को बड़ा नुकसान हुआ होगा।' शो में दिलजीत ने किया वादा दिलजीत ने अहमदाबाद शो में एक वादा भी किया और शराब के खिलाफ आंदोलन शुरू करने की इच्छा जताई। दिलजीत ने कहा था कि अगर देश में सभी 'ठेके' (शराब की दुकानें) बंद हो जाएं तो वह शराब-थीम वाले गाने गाना बंद कर देंगे। अहमदाबाद में अपने शो में गायक-अभिनेता ने हैदराबाद में अपने कॉन्सर्ट से पहले भेजे गए नोटिस का जवाब दिया, जिसमें उन्हें शराब, ड्रग्स और हिंसा से संबंधित गाने गाने से बचने का निर्देश दिया गया था। हैदराबाद कॉन्सर्ट से पहले तेलंगाना सरकार से नोटिस मिलने के बाद दिलजीत ने अपने चार्टबस्टर्स लेमोनेड और 5 स्टार के शब्दों में कुछ बदलाव किए हैं, जिनमें मूल रूप से 'दारू' और 'ठेका' का उल्लेख है। शो के दौरान उन्होंने कहा कि वो शराब पर गाने नहीं गाएंगे क्योंकि गुजरात ड्राइ स्टेट है। दिलजीत के आगामी शो बता दें, अहमदाबाद के बाद दिलजीत 22 नवंबर को अपने दिल-लुमिनाती टूर को आगे बढ़ाएंगे और वो लखनऊ में परफॉर्म करेंगे। इसके बाद वह 24 नवंबर को पुणे, 30 नवंबर को कोलकाता, 6 दिसंबर को बेंगलुरु, 8 दिसंबर को इंदौर और 14 दिसंबर को चंडीगढ़ में परफॉर्म करेंगे। 29 दिसंबर को उनका ये टूर गुवाहाटी में खत्म होगा।

कॉमेडी से लेकर तीव्र एक्शन तक : नरगिस फाखरी की विविध प्रकार की भूमिकाएँ

नरगिस फाखरी ने विभिन्न भूमिकाओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए, अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से दर्शकों को लगातार प्रभावित किया है। रोमांस से लेकर एक्शन तक, उनके किरदारों ने अमिट छाप छोड़ी है। यहां पांच असाधारण फिल्में हैं जो उनकी अविश्वसनीय प्रतिभा को उजागर करती हैं:-

रॉकस्टार: 'रॉकस्टार' में हीर कौल के रूप में नरगिस फाखरी की भूमिका उनकी सबसे प्रतिष्ठित है। एक स्वतंत्र-उत्साही, भावुक महिला के रूप में, उनके प्रदर्शन ने दर्शकों को जीवन और प्यार को पूरी तरह से अपनाने के लिए प्रेरित किया। फिल्म में नरगिस के असाधारण प्रदर्शन के साथ-साथ रोमांस और संगीत का मिश्रण अविस्मरणीय बना हुआ है।

मैं तेरा हीरो: 'मैं तेरा हीरो' में नरगिस फाखरी का आयशा सिंघल का किरदार स्टाइलिश, हास्यपूर्ण और बेपरवाह था। उनके आकर्षण, कॉमेडी टाइमिंग और फैशन-फ़ॉरवर्ड लुक ने इस भूमिका को उनकी सबसे यादगार भूमिकाओं में से एक बना दिया।

बैंजो: 'बैंजो' में नरगिस फाखरी ने एक संगीत प्रेमी क्रिस्टीना का किरदार निभाया था, जो प्रामाणिक भारतीय संगीत की खोज के लिए मुंबई की यात्रा करती है। उनका हार्दिक प्रदर्शन फिल्म के संगीत, दोस्ती और कलात्मक संघर्षों की खोज में गहराई जोड़ता है।

मद्रास कैफे: 'मद्रास कैफे' में नरगिस फाखरी ने एक युद्ध संवाददाता की भूमिका निभाई थी। एक राजनीतिक थ्रिलर में एक पत्रकार के उनके किरदार ने गंभीर और गहन भूमिकाओं में उनकी सीमा को प्रदर्शित किया।

5 वेडिंग्स: '5 वेडिंग्स' में नरगिस फाखरी ने भारत की शादी परंपराओं की खोज करने वाली एक अमेरिकी पत्रकार की भूमिका निभाई। उनकी खोज यात्रा ने भारतीय शादियों की जीवंत संस्कृति की एक आकर्षक झलक पेश की। नरगिस फाखरी की कौन सी फिल्म आपको पसंद है?

राम चरण अयप्पा की माला पहने पहुंचे कडप्पा दरगाह

अपने गहरे सम्मान और प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में, वैश्विक सुपरस्टार रामचरण ने कडप्पा अमीन पीर दरगाह में 80वें राष्ट्रीय मुशायरा ग़ज़ल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, संगीत के उस्ताद ए. आर. रहमान के व्यक्तिगत अनुरोध को पूरा किया। अयप्पा स्वामी दीक्षा में होने के बावजूद, रामचरण ने ऐतिहासिक दरगाह पर प्रार्थना, चादर और फूल चढ़ाए, जिससे एकता और सद्भाव का संदेश फैला। पिछले साल, ए. आर. रहमान ने गेमचेंजर स्टार को कडप्पा दरगाह में वार्षिक मुशायरा ग़ज़ल कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था और राम चरण ने अपना वादा निभाया। अपने विनम्र व्यवहार से लोगों का दिल जीत लिया। यह यात्रा आस्थाओं को जोड़ने और मूल्यों को बनाए रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो एक अखिल भारतीय स्टार के रूप में उनके खिताब को और भी सही साबित करती है।

रामचरण के प्रशंसक इस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति की सराहना कर रहे हैं, क्योंकि यह उनके सिद्धांतों और विनम्रता का प्रमाण है, जो धार्मिक सीमाओं से परे जाकर सद्भाव का प्रदर्शन करते हैं। यह यात्रा उनकी आगामी फिल्म गेम चेंजर को लेकर उत्साह को और बढ़ा देती है, जो ए.आर. रहमान के साथ उनका पहला सहयोग है।

प्रशंसक इस मनोरंजक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें रहमान का सिग्नेचर म्यूजिक और राम चरण का बेजोड़ करिश्मा है। शंकर शानमुगम द्वारा निर्देशित, गेम चेंजर ने हाल ही में लखनऊ में अपना टीजर लॉन्च किया, जिसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। रामचरण की दोहरी भूमिकाएँ- एक शक्तिशाली नौकरशाह और एक उत्साही व्यक्ति-टीज़र में राजनीतिक साज़िश, ज़बरदस्त एक्शन और भावनात्मक गहराई को दिखाया गया है। फिल्म में कियारा आडवाणी, एसजे सूर्या, अंजलि और अन्य सहित कई बेहतरीन कलाकार हैं।

श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के तहत दिल राजू और सिरीश द्वारा निर्मित, गेम चेंजर एस. थमन के शानदार संगीत और एस. थिरुनावुक्कारासु के शानदार दृश्यों के साथ एक सिनेमाई तमाशा पेश करने का वादा करता है। यह फिल्म 10 जनवरी 2025 को तेलुगु, तमिल और हिंदी में दुनिया भर में भव्य रिलीज के लिए तैयार है।

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने पुराने अनुभवों को प्रशंसकों के बीच किया शेयर

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपने पिछले कुछ हफ्तों के अनुभवों को साझा करते हुए एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया।रविवार को, टॉयलेट: एक प्रेम कथा स्टार भूमि पेडनेकर ने एक कैप्शन के साथ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें उन्होंने प्रशंसकों को अपने पिछले कुछ दिनों के अनुभवों की एक झलक दिखाई। पोस्ट शेयर करते हुए भूमि ने लिखा, पिछले कुछ दिन: सेट पर रहने से लेकर यह पता चलने तक कि मेरी सोल सिस्टर की शादी हो रही है।भूमि पेडनेकर ने प्रशंसकों को अपने मस्ती भरे दिनों की एक झलक दिखाई। भूमि ने इससे पहले तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा था, सेल्फी गेम ॠसोमवार मोड में। तस्वीरों में भूमि अलग-अलग पोज़ देती हुई नजर आ रही हैं।पेडनेकर ने हाल ही में कुशा कपिला के टॉक शो टिंडर स्वाइप राइड में हिस्सा लिया। जहां उन्होंने अपने रिश्ते की प्राथमिकताओं के बारे में खुलकर बात की और यह बताया कि वह एक साथी में सबसे ज्यादा क्या महत्व रखती हैं।

अपने व्यक्तित्व के लिए मशहूर अभिनेत्री ने साझा किया कि दूसरों के प्रति दया और सम्मान ही वे महत्वपूर्ण गुण हैं, जिन्हें वह एक संभावित साथी में देखना चाहती हैं।अपने द्वारा खोजे जाने वाले गुणों पर चर्चा करते हुए भूमि ने भावनात्मक संबंध और आपसी समर्थन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा मैं ऐसा व्यक्ति चाहती हूं जो दयालु हो, लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करे, और जो मैं करती हूं, उस पर गर्व महसूस करे।वहीं, वर्क फ्रंट की बात करें, तो भूमि का हालिया प्रोजेक्ट क्राइम थ्रिलर भक्त है, जिसमें वह सच्चाई को उजागर करने के लिए दृढ़ संकल्पित एक उग्र पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं। वह अगली बार मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित अपकमिंग कॉमेडी मेरे हसबैंड की बीवी में दिखाई देंगी। इस फिल्म में अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी प्रमुख भूमिका में हैं।इसके अलावा, भूमि नेटफ्लिक्स की अपकमिंग रोमांस सीरीज द रॉयल्स में अभिनय करने के लिए तैयार हैं, जिसमें ईशान खट्टर, जीनत अमान, नोरा फतेही और मिलिंद सोमन जैसे स्टार कलाकार भी शामिल हैं।

खूबसूरत साड़ी पहन प्रज्ञा जयसवाल ने शेयर की तस्वीर

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जयसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर अक्सर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है।साउथ और बी-टाउन की जानी-मानी एक्ट्रेस प्रज्ञा जयसवाल हमेशा अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस के कारण सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाए हुए रहती हैं।उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो काफी सुंदर नजर आ रही हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने रेड कलर की साड़ी और साथ ही स्लीवलेस डिजाइनर ब्लाउज पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार दिखाई दे रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।प्रज्ञा जैसवाल की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपनी हुस्न की बेबाक अदाएं दिखाकर फैंस के दिलों पर बखूबी तरीके से खंजर चला रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही ट्रेंड करने लगता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बच्चे आपकी शाम को खुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएं। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच–समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रुठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शाम को मंदिर में घी का दीपक अवश्य जलाये जिससे आपके सारे कष्ट दूर हो सके. आपके प्रियजन ख़ुश हैं और आपको शाम के लिए उनके साथ कोई योजना बनानी चाहिए. किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है. धार्मिक स्थलों पर जाना आपके अच्छा रहेगा. किसी पसंदीदा व्यक्ति से भी संपर्क हो सकता है. अपनी सेहत पर ध्यान दें खान–पान में सावधानी रखें. दाम्पत्य जीवन खुशहाली से परिपूर्ण रहेगा.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

प्रेमियों के लिए समय अनुकूल है. जो लोग प्रेम विवाह की प्रतीक्षा में थे उन्हें भी अब मुंह मांगी मुराद मिलने वाली है. खोई हुई वस्तु के मिलने से ख़ुशी होगी. परीक्षा–प्रतियोगिता के लिए भी समय थोड़ा कमज़ोर है, सफल होने के लिए अधिक और कठिन परिश्रम करें. रिश्तेदारों की तरफ से भी कोई दुखद समाचार का योग है. गलत लोगों की संगत के कारण कुछ गलत कर्मों की ओर रुझान बढ़ेगा ऐसे में क्या करना चाहिए यह निर्णय आप स्वयं लें. किसी के बहकावे में आकर कोई ऐसा निर्णय ना लें जिसके कारण आपको शर्मिंदा होना पड़े.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

करियर में कुछ बदलाव हो सकते हैं. इस दिशा में आज आप प्लानिंग भी शुरू कर दें. आज स्थिति में काफी सुधार भी हो सकता है. आप अपनी कोशिशों में बहुत हद तक सफल रहेंगे. पैसा खर्चा होगा और ये आपके लिए अच्छा भी रहेगा. करीबी लोगों के लिए कुछ त्याग करनापड़े, तो संकोच न करें. पार्टनर से संबंध अच्छे रहेंगे. आपकी सकारात्मक सोच कारगर हा सकती है. कामकाज के बजाए योजना बनाने में ज्यादा समय लगेगा. संतान पर ध्यान दें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही–सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही–सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपको उत्कृष्ट परिणाम प्रदान कर सकता है. अगर आप नौकरी की तलाश में हैं तो आपको अब और इंतजार नहीं करना पड़ेगा. यदि आप अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं या रचनात्मक नौकरियों से जुड़े हैं तो आपको आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिलेंगे. नौकरीपेशा जातकों के लिए पदोन्नति संभव है. भाग्य आपके पक्ष में है इसलिए अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं. काम से संबंधित यात्रा अचानक उत्पन्न हो सकती है जो नए दरवाजे खोलने में मदद करेगी. पारिवारिक सदस्यों एवं मित्रों संग मौज–मस्ती में समय व्यतीत होगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जरूरी काम हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ शुरू करेंगे. सफलता मिल जाएगी. थोड़ा बहुत त्याग भी करना होगा. वृश्चिक राशि वालों के कॉन्टैक्ट्स अपडेट होंगे. कुछ गुप्त सूचनाएं और जानकारियां आपको मिल सकती हैं. कामकाज निपटाने के लिए थोड़ा बहुत पैसा खर्च करेंगे और आगे बढ़ जाएंगे.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप कोई नया बिजनेस शुरू सकते हैं . आपको घर के बड़ों से पूरा सपोर्ट मिलेगा. आर्थिक रूप से पिता आपकी मदद करेंगे. आज आप बच्चों को कहीं घूमाने ले जा सकते हैं. परिवार में खुशहाली और तालमेल बना रहेगा. अगर आपकी संतान विवाह के लायक है, तो उनके लिये कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है. सेहत के लिहाज से आप फिट रहेंगे. ऑफिस में अपना काम अच्छे से पूरा करेंगे. शाम को आप परिवार के साथ किसी फंक्शन में जा सकते हैं. मन्दिर में मिट्टी का बर्तन दान करें, आपको सबका सपोर्ट मिलेगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समझौते और धैर्य का मन बना कर चलें. वाणी पर संयम रखें वरना विवाद हो सकता है. जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है. चीजों की नए सिरे से शुरुआत करनी पड़े, लेकिन आपके लिए ये अच्छा रहेगा. आज आप अपने निर्धारित किए गए कार्य को पूरा करेंगे. आपकी सेहत खराब हो सकती है. आप किसी भी कीमत पर अपने लक्ष्य को पाने की आशा ना छोड़ें

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप व्यावसायिक रूप से बहुत सफल होंगे और आपका नाम और प्रसिद्धि व्यापक होगी. आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे और आपका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ जाएगा. आप अपने वरिष्ठों और सहकर्मियों का ध्यान समान रूप से आकर्षित करेंगे. प्राधिकरण और रैंक के व्यक्ति आपके पक्ष में होंगे और आप एक उच्च जिम्मेदार पद पर आसीन हो सकते हैं. आपकी आमदनी बढ़ेगी. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदमय रहेगा और आपके बच्चे आपके लिए गर्व का स्रोत बनेंगे.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बिना प्लानिंग किए भी कोई बड़ा काम जल्दी हो सकता है. आपके रिश्तों में अचानक बड़े बदलाव होने के योग हैं. मन की बात जताने और रूठे हुए लोगों को मनाने का समय है. इससे आप अच्छा महसूस करेंगे. आप में उत्साह भी बहुत रहेगा. मन में अच्छे विचार आएंगे. लोग आपसे आपके विचारों के बारे में बातें कर सकते हैं. आज आप अपने लिए नए अवसर तलाश करने की पूरी कोशिश करें. कुछ महत्वपूर्ण लोगों से दोस्ती हो सकती है. परिवार से सहयोग मिलता रहेगा.

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 20 नवंबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष , कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी सायं 04:51 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु दोपहर 02:50 तक
योग : शुभ दोपहर 01:07 तक
करण : तैतिल सायं 04:51 तक
चन्द्र राशि : मिथुन प्रातः 08:47 तक
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मार्गशीर्ष मास

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

संकल्प पत्र हमारे लिए वचन पत्र, जिसके हर एक वायदे को हम पूरा करेंगे : नायब सिंह

चंडीगढ़,19 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प पत्र हमारे लिए वचन पत्र है, जिसके हर एक वायदे को हम पूरा करेंगे। वर्ष 2014 और 2019 के संकल्प पत्रों के वायदों को भी हमने पूरा किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में हम अपना योगदान देंगे और विकसित भारत के साथ साथ हरियाणा भी और तेज गति से विकसित बनेगा। मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के समापन के बाद विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी पार्टियां तो उनकी सरकार बनने के बाद 2 – 2 साल तक अपने घोषणापत्र को ही भूल जाती थी। जबकि हमारी सरकार अपने संकल्प पत्र के वायदों को लगातार पूरा कर रही है। इसी कड़ी में सरकार ने अपने संकल्प-पत्र के 2 और वचनों को पूरा किया है। सरकार ने हरियाणा राज्य के गठन से पहले के पट्टेदारों को भूमि का मालिकाना हक दिया है। साथ ही, एचकेआरएन और आउटसोर्स पार्ट – 1 व पार्ट –2 के अनुबंधित कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा की तर्ज पर शेष श्रेणियों जैसे एक्सटेंशन लेक्चरर, इंजीनियरिंग कॉलेज और पॉलिटेक्निक की गेस्ट फैकल्टी जैसी अनेक श्रेणियों के अनुबंधित कर्मचारियों की सेवाओं को सुरक्षित करने का कानून बनाया है।

मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ में हरियाणा की नई विधानसभा के निर्माण के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि चंडीगढ़ पर हमारा भी अधिकार है और हरियाणा के सभी दलों के नेता इस विषय पर एकमत हैं। उन्होंने कहा कि नए परिसीमन के बाद पंजाब को भी बड़े विधानसभा भवन की आवश्यकता होगी, वे भी जमीन लेकर अपना भवन बना सकते हैं। परन्तु हरियाणा की नई विधानसभा के निर्माण के संबंध में पंजाब के नेताओं का आचरण अशोभनीय है। उन्होंने कहा कि हम सभी को इस पवित्र मंदिर में बैठकर मानवता के हित में निर्णय लेने चाहिए।

नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को कहा कि वे पंजाब के लोगों की चिंता करें। किसानों को एमएसपी का लाभ दें, जिस प्रकार हमारी सरकार हरियाणा में दे रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी पराली प्रबंधन को लेकर पंजाब को फटकार लगाई है। इसलिए वे पंजाब की चिंता करें।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पहली ऐसी सरकार है, जिसने ग्राउंड जीरो पर लोगों को लाभ पहुंचाया है। गरीब लोगों को सरकार की योजनाओं के साथ जोड़ा है। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने आमजन के जीवन को सरल, सुगम और मजबूत करने का काम किया है। उसका ही परिणाम है कि आज लोग नरेंद्र मोदी से प्यार करते हैं।उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में जब वे चुनाव प्रचार के लिए गए तो वहां के लोगों का सकारात्मक रिस्पांस मिला और लोग बोल रहे थे कि महाराष्ट्र में दूसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बड़े जनादेश के साथ बनेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में भी कांग्रेस गठबंधन की सरकार से लोग ऊब चुके हैं और वहां पर लोगों को भ्रष्टाचार की जो प्रताड़ना सहन करनी पड़ रही है, उससे वे छुटकारा चाह रहे हैं। अब झारखंड में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत 13 नवम्बर से आज तक चले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कुल 4 सीटिंग हुई हैं, जिनमें लगभग 27 घंटे सकारात्मक चर्चा हुई। सत्र में प्रथम पातशाही गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व पर प्रस्ताव पारित किया गया। सत्र में विभिन्न विधायकों द्वारा दिए गए ध्यानाकर्षण प्रस्तावों को विषयवस्तु के आधार पर क्लब करके 4 प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने राज्य की जनता का हरियाणा में तीसरी बार नॉन स्टॉप सरकार बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के इतिहास में यह एक स्वर्णिम अध्याय है, क्योंकि राज्य के इतिहास में पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। यह ऐतिहासिक जनादेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ओजस्वी नेतृत्व, विकास के संकल्प, सेवा सुशासन, गरीब कल्याण और देशभक्ति की भावना का प्रतीक है।

विधायक राम कुमार कश्यप विधानसभा में होंगे सरकारी सचेतक

चंडीगढ़,19 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने विधायक रामकुमार कश्यप को विधानसभा सदन के लिए सरकारी व्हीप नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा विधानसभा सचिवालय द्वारा इस संबंध में 5 नवंबर 2024 को पत्र लिखा था जिस पर कार्रवाई करते हुए मुख्य सचिव की राजनैतिक एवं संसदीय कार्य मामले विभाग की (राजनैतिक शाखा द्वारा) आज इस आशय का आवश्यक परिपत्र जारी किया है।परिपत्र राज्य के सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों एवं मंडलायुक्तों, बोर्डों, निगमों के प्रबंध निदेशकों व मुख्य प्रशासकों सभी उपायुक्तों व उपमंडल अधिकारी (नागरिक) तथा विश्वविद्यालयों के कुल सचिवों को प्रेषित किया गया है। हरियाणा विधानसभा के नियमों व प्रावधानों के अनुसार विधानसभा द्वारा राज्य मुख्य व्हीप को एक निजी सचिव, एक सहायक, दो चालक तथा दो सेवादार की सुविधा उपलब्ध करवानी होगी।

शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन 6 विधेयक पारित

चंडीगढ़,19 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की अध्यक्षता में मंगलवार को व्यापक चर्चा के बाद 6 विधेयक पारित किए गए। इनमें से 5 विधेयकों के प्रारूप सोमवार को सदन पटल पर रखे गए, जबकि एक विधेयक का प्रारूप मंगलवार को ही पुर:स्थापित किया गया। बड़ी संख्या में विधायकों ने विधेयकों पर चर्चा की। उनके सुझावों पर भी विस्तार से चर्चा करवाई गई। इस चर्चा में बड़ी संख्या में विधायकों को अपनी बात रखने का अवसर मिला। विस अध्यक्ष ने कहा कि नए विधायकों का उत्साह सराहनीय रहा। हम नए सदस्यों को अपनी बात रखने के लिए पूरा अवसर देते रहेंगे। इससे पूर्व मंगलवार को सत्र की शुरुआत ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा से हुई।

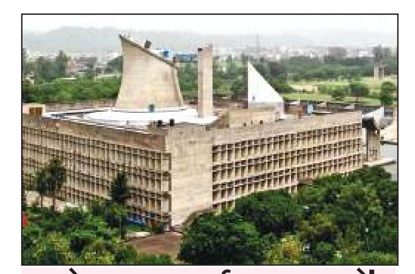

दो ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर भी हुई चर्चा

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–10 पर चर्चा करवाई। यह ध्यानाकर्षण सूचना विधायक भारत भूषण बतरा, गीता भुक्कल, आफ़ताब अहमद की ओर से दी गई थी। इस प्रस्ताव में राज्य में सार्वजनिक सम्पतियों पर स्टिकरों, बिलों और विज्ञापनों को चिपकाकर विकृत करने से संबंधित मामला उठाया गया।इसके बाद विधायक आदित्य देवीलाल की ओर से दी गई ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–5 को सदन की कार्यवाही में शामिल किया गया। इस प्रस्ताव में गरीब तथा अनुसूचित जातियों को सरकार द्वारा आबंटित 100–100 गज के प्लाटों की कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न होने से संबंधित विषय उठाया गया।

हरियाणा विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2024, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 2024, हरियाणा माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2024, हरियाणा कृषि भूमि पट्टा विधेयक, 2024, हरियाणा विस्तार प्राध्यापक तथा अतिथि प्राध्यापक (सेवा की सुनिश्चितता) विधेयक, 2024, हरियाणा तकनीकी शिक्षा अतिथि संकाय (सेवा की सुनिश्चितता) विधेयक, 2024.

मतदाता के रूप में पंजीकरण कर युवा अपना पहला फर्ज निभाएं : नवीन महाजन

जयपुर,19 नवंबर (एजेंसियां)। देश के जिम्मेदार नागरिक के रूप में 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके हर युवा का यह कर्तव्य है कि वह मतदाता के रूप में अपना पंजीकरण करवाएं । निर्वाचन विभाग इस क्रम में राजस्थान के अलग–अलग शिक्षण संस्थानों में युवाओं के बीच मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया का प्रचार करने के लिए अभियान चला रहा है। उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी सोमदत्त दीक्षित ने मंगलवार को एक कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन की पहल पर इन शिक्षण संस्थानों में मतदाता सूचियों में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान जयपुर के हवामहल, सिविल लाइन्स, किशनपोल, मालवीय नगर, आदर्श नगर एवं बगरू निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता रजिस्ट्रीकरण और सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा निर्वाचन विभाग के राज्य स्तरीय अधिकारी और बीएलओ भी उपस्थित थे। एडीएम आशीष कुमार ने विद्यार्थियों से कहा कि सभी युवाओं को नागरिकों के रूप में अपने अधिकारों के बारे में जागरूक रहना चाहिए. उन्हें अपने अधिकार की मांग के साथ ही अपनी जिम्मेदारियां भी समझना और उन्हें निभाना चाहिए. निर्वाचन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि इस क्रम में सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाएं और चुनाव के दौरान मतदान करें। उप महानिरीक्षक शर्मा ने कहा कि देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था को मजबूत करने और नीति–निर्माण में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सरकार में अपने प्रतिनिधियों को चुनकर भेजने के लिए पहला और आवश्यक कदम है।

एसीईओ लुहाड़िया सहित निर्वाचन विभाग के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने तथा परिवारजनों और दोस्तों आदि के नाम भी मतदाता सूचियों में दर्ज करवाएं या पहले से दर्ज नामों में जरूरी संशोधन करवाकर इन सूचियों को दुरुस्त रखने में विभाग की सहायता करें. उन्होंने मतदाता सूचियों में विद्यार्थियों के नाम जोड़ने और उसकी जानकारी प्राप्त करने के लिए स्मार्टफोन पर वोटर हेल्पलाइन एप (वीएचए) डाउनलोड करवाए तथा इसके जरिए पंजीकरण करवाए।

राजस्थान पर्यटन ने जीते दो प्रतिष्ठित पुरस्कार

जयपुर,19 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पर्यटन को कॉन्डे नेस्ट ट्रैवलर रीडर्स ट्रैवल अवार्ड्स के दौरान दो प्रतिष्ठित श्रेणियों में पुरस्कार दिया गया है। राज्य को 'फेवरेट लीज़र डेस्टिनेशन इन इंडिया' और 'फेवरेट इंडियन स्टेट फॉर रोड ट्रिप्स' पुरस्कार से नवाजा गया है। 'फेवरेट इंडियन स्टेट फॉर रोड ट्रिप्स' का अवार्ड राजस्थान को मिला है। जबकि फेवरेट लीज़र डेस्टिनेशन इन इंडिया' का रनरअप अवार्ड उदयपुर को मिला है।

पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि राजस्थान को दो अलग–अलग श्रेणियों में प्रतिष्ठित कॉन्डे नास्ट ट्रैवलर रीडर्स ट्रैवल अवार्ड्स 2024 प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न ट्रैवल मार्ट और प्रदर्शनियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से वैश्विक स्तर पर राजस्थान पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ है। हमारा लक्ष्य राजस्थान में विदेशी और घरेलू पर्यटकों की संख्या बढ़ाना है।

पर्यटन विभाग के सचिव रवि जैन ने इन पुरस्कारों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कॉन्डे नेस्ट ट्रैवलर रीडर्स ट्रैवल अवार्ड्स हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में एक बेंचमार्क स्थापित करता है। यात्रियों द्वारा चुने गए, ये पुरस्कार दर्शाते हैं कि राजस्थान वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन है। जैन ने कहा कि राजस्थान पर्यटन को मिलने वाले पुरस्कार, प्रदेश पर्यटन के ध्येय वाक्य पधारो म्हारे देश को चरितार्थ करते हैं।

इस साल जनवरी से लेकर सितम्बर तक जयपुर, जोधपुर व उदयपुर घूमने आने वाले घरेलु पर्यटकों की संख्या एक करोड के पार जा चुकी है। बीते आठ महीने में 16817114 देशी पर्यटक राजस्थान के इन तीन जिले में पहुंचे। वहीं इन तीनों जिलों में विदेशी सैलानियों की संख्या आठ लाख के पार पहुंची, 875940 विदेशी पावणे जयपुर, जोधपुर व उदयपुर पहुंचे। राजस्थान में पर्यटन की दृष्टि से प्रमुख जिलों जैसे जयपुर, जोधपुर व उदयपुर में घरेलू व विदेशी पर्यटकों की संख्या से अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजस्थान पर्यटन देसी–विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद है। इस साल जनवरी से लेकर सितम्बर तक जयपुर जिले में 8869703 घरेलू पर्यटक आए वही विदेशी मेहमानों की संख्या 413401 रही। जोधपुर जिले में देश से 1786619 सैलानी आए वहीं विदेशी सैलानियों की संख्या 133806 रही। उदयपुर में 6160792 देशी पर्यटकों ने घूमा वहीं यहां आने वाले विदेशी पावणों की संख्या 328733 रही।

डीग में पीएआई लिखा हवाई जहाज जैसा गुब्बारा मिलने से हड़कंप

डीग,19 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर संभाग के डीग जिले में माढ़ेरा गांव के जंगलों में पाकिस्तानी एयरलाइंस पीएआई लिखा हुआ एक हवाई जहाज जैसा गुब्बारा मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। यह गुब्बारा हरे और सफेद रंग में बना हुआ था, जिस पर हवाई जहाज की खिड़कियां और दरवाजे चित्रित थे। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना डीग पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। घटना की सूचना मिलते ही डीग सदर थाना पुलिस, बम निर–ोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने मौके पर पहुंचकर गुब्बारे की जांच की। पुलिस ने बताया कि गुब्बारे के अंदर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह गुब्बारा किसी खतरनाक उद्देश्य से नहीं भेजा गया, लेकिन इसके स्रोत और उद्देश्य को लेकर जांच जारी है।गुब्बारे को देखकर ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया था। हालांकि, पुलिस ने उन्हें आश्वासन दिया कि जांच के बाद किसी खतरे की बात सामने नहीं आई है। जिला विशेष शाखा के प्रभारी प्रेमचंद एएसआई ने बताया कि यह हवाई जहाज जैसा गुब्बारा कैसे और किस उद्देश्य से यहां पहुंचा, इस पर जांच की जा रही है।

अन्तिम व्यक्ति तक सुनिश्चित किया जाए सुलभ एवं सस्ता इलाज : सीएम

जयपुर,19 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हम अन्तिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग आमजन से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ विभाग है, इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी राज्य सरकार की सभी बजटीय घोषणाओं को प्रभावी कार्ययोजना के साथ त्वरित गति से पूरा किया जाए, जिससे 'आपणो स्वस्थ राजस्थान' की संकल्पना साकार हो।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर भी मौजूद रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगभग 48 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया मिशन मोड़ पर चल रही है तथा अब तक लगभग 8 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं।

स्वास्थ्य विभाग के 48 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग में खाली पड़े पदों पर आवश्यकतानुसार चरणबद्ध रूप से भर्ती की जाए तथा न्यायालय में लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करवाकर नियुक्तियां दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे शहरों और कस्बों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेशभर में आयुष्मान मॉडल सीएचसी बनाने का निर्णय लिया है। इससे न केवल निचले स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी, बल्कि बड़े अस्पतालों का भार भी कम होगा। उन्होंने अधिकारियों को इन मॉडल सीएचसी का काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत आमजन को निःशुल्क इलाज उपलब्ध करवाया जा रहा है। हमने इस योजना के तहत पीडियाट्रिक पैकिज शामिल करने, कुछ पैकेज की दरों को तर्कसंगत बनाने तथा पोर्टिबलिटी सुविधाओं को शामिल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना में जो नए प्रावधान जोड़े गए हैं, उनका व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत चिकित्सा के आधारभूत ढ़ांचे को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित सभी आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों में प्रमुख 12 सेवाएं मिलना सुनिश्चित किया जाए। शर्मा ने कहा कि राजस्थान डिजीटल हैल्थ मिशन के तहत प्रदेशवासियों का स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप से संधारित करने के लिए अभियान चलाकर प्रदेश के हर व्यक्ति की आभा आई डी बनाई जाए।

मिलावटखोरों पर हो सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने चिकित्सा विभाग द्वारा संचालित 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि मिलावटखोरों द्वारा राज्य की जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से अभियान में तेजी लाते हुए मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने कहा कि चिकित्सा विभाग के अधीन संचालित राजस्थान मेडिकल कॉन्सिल, पैरा मैडिकल कॉन्सिल सहित अन्य सभी संस्थाओं के कामकाज की नियमित समीक्षा की जाए तथा किसी भी तरह की अनियमितता पाई जाने पर उचित कार्यवाही की जाए। उन्होंने व्यवस्थाओं में सुधार के लिए तकनीकी नवाचार अपनाने पर भी जोर दिया।

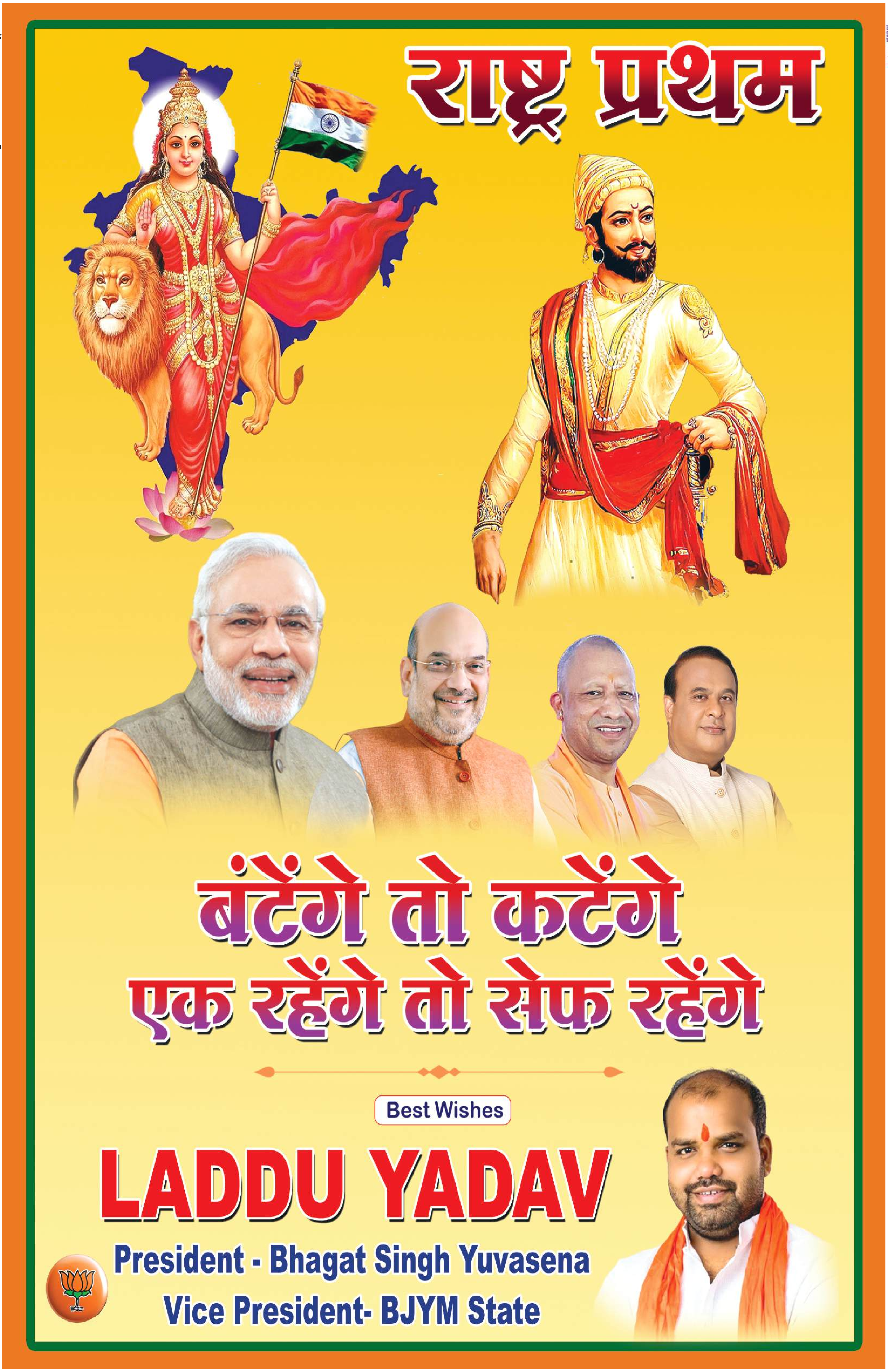

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.